{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 23 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 151
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

किश्तवाड़ में जैश के 2 आतंकी ढेर

कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। आधिकारियों ने 2 आतंकियों के ढेर होने की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों ने उस ठिकाने को ही ब्लास्ट कर दिया, जहां आतंकी छिपे हुए थे। एनकाउंटर अभी भी जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के 2 से 3 आतंकियों के यहां पर छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तभी आतंकियों ने फायरिंग कर दी। इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था।

34 साइबर ठग अरेस्ट, 45 फरार

मथुरा, एजेंसी। मथुरा के 'मिनी जामताड़ा' में साइबर ठगों को पकडने के लिए एक बार फिर 240 से अधिक पुलिसकर्मियों ने छापेमारी की। 20 से अधिक गाडियों से पुलिसकर्मियों के साथ एसपी पहुंचे और दो टीमें बनाकर दो गांवों में रेड किए। पुलिस टीम को देखते ही गांव में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। कुछ खेतों में छिप गए। पुलिस ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पकड़ा। घरों की तलाशी ली गई। रविवार सुबह पुलिस ने विशंभरा और झंझावली गांव में रेड किए। करीब 5 घंटे तक चली कार्रवाई में पुलिस ने 34 लोगों को हिरासत में लिया। एसपी सुरेश चंद्र रावत के अनुसार, पुलिस को देखने के बाद 45 लोग फरार हो गए। 5 गाडियां भी जब्त की गई हैं। दरअसल, मथुरा के बॉर्डर क्षेत्र के करीब करीब 8-10 गांव ऐसे हैं जो साइबर ठगी का गढ़ माना जाता है। यहां साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क है जोकि देश-विदेशों में ठगी का अंजाम देता है।

हादसे में 5 पुलिसकर्मियों की मौत, 3 घायल

झारसुगुड़ा, एजेंसी। ओडिशा के झारसुगुड़ा में ट्रेलर और पुलिस गाड़ी की टक्कर हो गई। घटना में 5 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। 3 पुलिसकर्मी गंभीर घायल हैं। उनका इलाज जारी है। हादसा रविवार सुबह 4 बजे झारसुगुड़ा सदर पुलिस स्टेशन के पास हुआ। पुलिसकर्मी गश्त पर निकले थे, इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर से उनकी गाड़ी टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस बोलेरो गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इसके कारण घायल पुलिसकर्मी उसी में फंस गए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला था। पुलिस ने बताया है कि जिनकी मौत हुई है, उनमें सशस्त्र पुलिस बल रिजर्व कॉन्स्टेबल काशीराम भोई, देबदत्त सा, ड्रिल स्ड्ढ निरंजन कुजूर, हवलदार लिंगराज धुरुआ और होमगार्ड जवान भक्तबंधु मिर्धा शामिल हैं।

कुछ ना कहना

पाक की अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर लगा ब्रेक!

-ट्रंप के नए टैरिफ विवाद के बीच अहम बैठक टली, तीन दिन तक व्यापार वार्ता पर होना था मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली अंतरिम व्यापार समझौते (ट्रेड डील) पर बातचीत फिलहाल टल गई है। दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों की जो अहम बैठक 23 फरवरी से वॉशिंगटन में शुरू होने वाली थी, उसे अब आगे की तारीख के लिए टाल दिया गया है। इस बैठक में भारत की ओर से वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव दर्पण जैन मुख्य वार्ताकार थे और भारतीय टीम तीन दिन तक अमेरिका में चर्चा करने वाली थी। इस बैठक का मकसद अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी दस्तावेज को अंतिम रूप देना था। दरअसल, यह पूरा मामला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ फैसलों से जुड़ा हुआ है। ट्रंप ने हाल ही में सभी देशों पर पहले 10 प्रतिशत और फिर बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है। इससे पहले अमेरिका ने 2025 में भारत पर कुल 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया था, जिसमें से 25 प्रतिशत पहले ही हटाया जा चुका है।

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल में ट्रंप के पुराने टैरिफ फैसलों को अवैध बताया था और कहा था कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों से ज्यादा कदम उठाए। इसी वजह से अब व्यापार नीति को लेकर स्थिति थोड़ी अनिश्चित बनी हुई है। अगर नई 15 प्रतिशत ड्यूटी लागू होती है, तो यह पहले से लगने वाले आयात शुल्क के ऊपर लगेगी। यानी किसी उत्पाद पर अगर पहले 5 प्रतिशत ड्यूटी है, तो कुल मिलाकर वह 20 प्रतिशत हो जाएगी।

अगले महीने होना था ट्रेड डील पर हस्ताक्षर

दोनों देशों ने पहले ही इस साल मार्च तक अंतरिम ट्रेड डील पर हस्ताक्षर करने और अप्रैल से उसे लागू करने का लक्ष्य रखा था। यह समझौता भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारत के करीब 18 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को जाते हैं। 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार करीब 186 अरब डॉलर का रहा था।

इस ट्रेड डील के कारण भारत का टैरिफ घटा था

कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने 7 फरवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के साथ ट्रेड डील की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है। इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपए) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई। इसके बाद अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क जारी किया गया था। इसके तहत ही भारतीय सामान पर अमेरिका का टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी हटा लिया गया था।

भारत पर कितना टैरिफ लगेगा

अब ट्रम्प के टैरिफ में बदलाव से भारत पर लगे टैरिफ को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है कि भारत को 18 प्रतिशत टैरिफ देना होगा या 15 प्रतिशत। इसकी दो वजहें हैं-राष्ट्रपति ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह पहले की तरह आगे बढ़ेगी। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया ब्रिटेन, भारत और यूरोपीय संघ सहित अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों को अब धारा 122 के तहत 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ का ही सामना करना पड़ेगा, न कि उस टैरिफ दर का जिस पर उन्होंने पहले बातचीत की थी। इस आधार पर शनिवार के ऐलान के बाद 15 प्रतिशत रहेगा। भारत पर कुल टैरिफ 18 प्रतिशत घटकर 15 प्रतिशत रह जाएगा, जबकि ट्रम्प का बयान 18 प्रतिशत टैरिफ की ओर इशारा कर रहा है।

टैरिफ बदलाव से भारत-अमेरिकी ट्रेड डील संकट में

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर सहमति बन गई थी और इसे लेकर फ्रेमवर्क जारी हो चुका है। दोनों देशों ने कहा था कि इस फ्रेमवर्क को जल्द लागू किया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह फ्रेमवर्क 13 फरवरी 2025 को शुरू हुई भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते वार्ता को आगे बढ़ाएगा। इस समझौते में आगे चलकर बाजार पहुंच, सप्लाई चेन को मजबूत करने और ट्रेड बैरियर कम करने जैसे प्रावधान शामिल होंगे। पीयूष गोयल ने 20 फरवरी को बताया था कि समझौता फरवरी के अंत तक फाइनल होना था। मार्च में इस पर हस्ताक्षर होने थे, वहीं अप्रैल से ये समझौता पूरी तरह लागू होता। इसके साथ ही भारत आने वाले कुछ महीनों में दुनिया के बड़े देशों साथ व्यापारिक समझौतों पर अंतिम मुहर लग जाती।

इस डील से भारत को मिलने वाले फायदे

अमेरिकी टैरिफ में कमी

भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के टैरिफ को 18 प्रतिशत तक घटाया गया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी।

चुनिंदा उत्पादों पर जीरो टैरिफ

जेनेरिक दवाएं, रत्न और हीरे और विमान पार्ट्स पर पूरी तरह टैरिफ खत्म किया जाएगा, जिससे इन क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

30 ट्रिलियन डॉलर के बाजार तक पहुंच

भारतीय एमएसएमई, किसान, मछुआरे, महिलाओं और युवा उद्यमियों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रवेश।

निर्यात क्षेत्रों में बढ़ावा

टेक्सटाइल, चमड़ा और फुटवियर, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, ऑर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, हस्तशिल्प और कुछ मशीनरी में नए अवसर।

सेक्शन 232 छूट

विमान पार्ट्स पर अमेरिकी सेक्शन 232 के तहत छूट मिलेगी।

ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ रेट कोटा

कुछ ऑटो कंपोनेंट्स के लिए अमेरिका में विशेष पहुंच मिलेगी।

जेनेरिक दवाओं पर बेहतर शर्तें

भारतीय जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स के लिए टैरिफ और नियामक नियमों में सुधार।

अविमुक्तेश्वरानंद पर बच्चों के यौन शोषण मामले में एफआईआर

पॉक्सो एक्ट में हुआ केस; शंकराचार्य बोले- मुकदमा करने वाला हिस्ट्रीशीटर, सच सामने आएगा

प्रयागराज, एजेंसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के मामले एफआईआर दर्ज कर ली गई है। प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज एफआईआर में शंकराचार्य के शिष्य मुकुंदानंद का भी नाम है। झूंसी थाना प्रभारी महेश मिश्रा के मुताबिक, 2-3 अज्ञात के खिलाफ भी पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज की याचिका पर प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट ने शनिवार को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कोर्ट में 2 बच्चों को पेश करके गंभीर आरोप लगाए थे। कोर्ट में कैमरे के सामने बच्चों के बयान दर्ज हुए थे। अदालत ने 13 फरवरी को अपना आदेश रिजर्व रख लिया था।

शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया था कि हम दर-दर भटक रहे थे। पुलिस के पास जा रहे थे। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। इसलिए न्याय के मंदिर में आए। आज लगा कि न्याय अभी जिंदा है। न्यायालय ने हमें आज न्याय दिया। मैं अब साफ-साफ कहना चाहता हूं कि शिष्यों के साथ यौन शोषण और समलैंगिक अपराध किया गया। इसकी पुष्टि न्यायालय ने कर दी है। वहीं, अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि रामभद्राचार्य के शिष्य मुकुंदानंद ने केस किया है। वह हिस्ट्रीशीटर है। जांच में हम सहयोग करेंगे। सच सामने आ जाएगा।

रामभद्राचार्य ने अपने चेले से मुकदमा कराया

कोर्ट के फैसले के बाद शंकराचार्य ने कहा था कि यौन शोषण का केस फर्जी साबित होगा। ये बनाया हुआ मामला है। वह (आशुतोष महाराज) रामभद्राचार्य का एक चेला है। हिस्ट्रीशीटर है। उसने पहले भी लोगों के ऊपर झूठे केस किए हैं। वह लोगों को धमकाता है, धन उगाही करता है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा था कि रामभद्राचार्य से हम लोगों का वाकयुद्ध चलता रहता है। यह तो सभी लोग जानते ही हैं। उन्होंने हमारे ऊपर अपने चेले को आगे करके फर्जी मुकदमा करवाया है। वो चाहते हैं कि हम सरकार के खिलाफ गोमाता की रक्षा की आवाज नहीं उठाएं। इसलिए हमारे ऊपर यह सब हो रहा है। शंकराचार्य ने कहा था- न्यायालय का एक प्रोसीजर है, उसका हम सहयोग करेंगे। इसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। हमको पछतावा तब होता, जब हम कुछ इस तरह के होते। जब हम ऐसे हैं ही नहीं, तब क्या? बनावटी केस तो बनावटी ही रहने वाला है। इसलिए हम चाहते हैं कि जल्दी से जल्दी जांच हो जाए। पुलिस सरकार के अंडर में ही काम करती है। सीएम योगी सदन में खड़े होकर जब हमारे खिलाफ बोलते हैं, तो इसलिए नहीं बोलते कि उनको बोलना है। वह पुलिस को मैसेज देते हैं कि ये करना है। उन्होंने शीश महल के आरोपों पर कहा- यह खुला मठ है। इसमें 100-200 लोग रहते है। हर कोई आता-जाता रहता है।

एक बांग्लादेशी समेत 8 संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली।दिल्ली पुलिस ने रविवार को 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 6 तमिलनाडु और 2 पश्चिम बंगाल से अरेस्ट किए गए। पुलिस के मुताबिक यह सभी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआईऔर बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के इशारे पर आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। संदिग्धों में एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है। इनके पास से 12 से ज्यादा मोबाइल फोन और 16 से ज्यादा सिम कार्ड बरामद हुए हैं। तमिलनाडु के तिरुप्पुर से जिन 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल हैं। इन लोगों ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थीं। 3 आरोपियों को उथुकुली, 3 को पल्लादम और एक आरोपी तिरुमुरुगनपोंडी से पकड़ा गया। ये सभी फर्जी आधार कार्ड के जरिए पहचान छिपाकर तिरुप्पुर में गारमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे थे।

एआई समिट में कांग्रेसियों का विरोध प्रदर्शन गंदी और नंगी राजनीति- पीएम मोदी

मेरठ, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मेरठ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी राजनीति के चक्कर में देश के गौरव और राष्ट्रीय कार्यक्रमों को नुकसान पहुंचा रही है। पीएम मोदी ने दिल्ली में हुए एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के दौरान कांग्रेस नेताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन को गंदी और नंगी राजनीति बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई इम्पैक्ट समिट हुआ, जिसमें 80 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि एक तरफ देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस और उसका इकोसिस्टम भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहा है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि विदेशी मेहमानों के सामने कांग्रेस नेताओं ने बिना शर्ट के विरोध प्रदर्शन किया, जिससे देश की गरिमा को ठेस पहुंची है। पीएम ने कहा कि मैं कांग्रेस से पूछता हूं कि देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो, फिर कपड़े उतारने की क्या जरूरत पड़ी? उन्होंने कहा कि एआई ग्लोबल समिट बीजेपी का नहीं, बल्कि पूरे देश का कार्यक्रम था। पीएम मोदी ने अफसोस जताते हुए कहा कि मर्यादा तोड़ने के बाद भी कांग्रेस के नेता शर्मिंदा होने के बजाय बेशर्मी दिखा रहे हैं।

पोरबंदर तट पर ईरानी नाव पकड़ी

ईरान के 4 नागरिक गिरफ्तार, बोट में छिपाकर रखी गई 5 करोड़ की विदेशी सिगरेट जब्त

पोरबंदर, एजेंसी। भारतीय तटरक्षक बल ने एक बड़े समुद्री अभियान के तहत गुजरात के पोरबंदर के पास एक संदिग्ध विदेशी नाव को रोककर जांच की। इस नाव पर ईरानी चालक दल सवार था और इसमें तस्करी कर लाई जा रही विदेशी ब्रांड की बड़ी मात्रा में सिगरेट बरामद की गई। सिगरेट की बाजार कीमत 5 करोड़ के आसपास आंकी गई है। यह कार्रवाई कुछ दिन पहले हुए एक अन्य बड़े समुद्री अभियान के बाद हुई है। 17 फरवरी की रात भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड के साथ मिलकर खुफिया सूचना के आधार पर एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया था। नाव को आगे की जांच के लिए पोरबंदर लाया गया है। तटरक्षक बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि 21 फरवरी को भारतीय तटरक्षक जहाज ने द्वारका से लगभग 115 समुद्री मील पश्चिम में भारतीय क्षेत्र के भीतर एक संदिग्ध विदेशी नाव को रोका था। जांच के दौरान नाव की पहचान 'अल मुख्तार' के रूप में हुई, जिस पर चार ईरानी नागरिक चालक दल के रूप में मौजूद थे। तलाशी लेने पर नाव के होल्ड में छिपाकर रखे गए 200 कार्टन बरामद किए गए, जिनमें करीब एक लाख पैकेट विदेशी ब्रांड की सिगरेट छिपाई गई थीं। पकड़ी गई नाव और चालक दल को हिरासत में लेकर आगे की पूछताछ के लिए पोरबंदर लाया जा रहा है, जहां अन्य एजेंसियों के साथ संयुक्त जांच की जाएगी।

कांग्रेस को झटका, असम के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने थामा बीजेपी का दामन

डब्रूगढ़, एजेंसी। असम कांग्रेस के पूर्व चीफ भूपेन बोरा ने कई अटकलों के बीच बीजेपी का दामन थाम लिया है। असम बीजेपी चीफ दिलीप सैकिया और बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा की मौजूदगी में उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। एक दिन पहले ही बोरा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। बोरा ने असम के सीएम हिमंत विश्व सरमा, बैजयंत पांडा और लखीमपुर के विधायक मनाब डेका की मौजूदगी में शाह से मुलाकात की थी। बैठक के बाद बोरा ने पत्रकारों को बताया कि सीएम सरमा ने उन्हें शाह से मिलने के लिए कहा था, इसलिए वह उनसे शिष्टाचार भेंट करने आए थे। उन्होंने दावा किया कि 8 मार्च तक आत्मसम्मान और राज्य के प्रति राष्ट्रवादी भावना रखने वाले करीब 50 फीसदी कांग्रेस सदस्य बीजेपी में शामिल होंगे। हालांकि उन्होंने रविवार 22 फरवरी को ही बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली। बोरा पिछले सोमवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि पार्टी आलाकमान ने इसे स्वीकार नहीं किया और वरिष्ठ नेता उनके आवास पर मिलने पहुंचे थे। राहुल गांधी ने भी उनसे फोन पर बात की थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बोरा से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था, लेकिन अगले दिन असम सीएम सरमा उनके आवास पर पहुंचे और घोषणा की कि बोरा 22 फरवरी को बीजेपी में शामिल होंगे।

कर्नाटक सरकार 16 साल से कम उम्र के छात्रों के मोबाइल इस्तेमाल पर लगाएगी बैन

सीएम सिद्धारमैया ने सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से मांगी राय

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार 16 साल से कम उम्र के छात्रों के मोबाइल फोन इस्तेमाल पर बैन लगाने पर विचार कर रही है। राज्य के सीएम सिद्धारमैया ने इस विषय पर सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से राय मांगी है। सरकार का ये कदम छात्रों में बढ़ती सोशल मीडिया की लत और नशीली दवाओं के संपर्क में आने के खतरों को रोकने के लिए उठाया जा रहा है। सीएम ने ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य देशों के उदाहरण देते हुए छात्रों के व्यवहार, शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर मोबाइल के प्रभाव को लेकर गहरी चिंता जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम सिद्धारमैया ने सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में इस विषय पर राय मांगी है। सीएम ने बैठक में जोर देकर कहा कि आज हम इस पर चर्चा कर रहे हैं कि बच्चे आज सोशल मीडिया के प्रति जुनूनी हो रहे हैं जो उनके भविष्य के लिए चिंताजनक है। उन्होंने कुलपतियों से चर्चा करते हुए कहा कि मोबाइल के जरिए बच्चे नशीली दवाओं के शिकार भी हो रहे हैं। सरकार का मानना है कि मोबाइल फोन के अनियंत्रित इस्तेमाल से छात्रों की शिक्षा और उनके आचरण पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए ही नाबालिग छात्रों के लिए कैंपस में मोबाइल बैन करने पर विचार किया जा रहा है।

बैठक में सीएम ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया समेत कई अन्य देश पहले ही छात्रों के लिए मोबाइल फोन पर बैन लगा चुके हैं।

शरद पवार की फिर बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में किया भर्ती, डॉक्टर कर रहे निगरानी

मुंबई,, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के संस्थापक शरद पवार को रविवार को फिर पुणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले कुछ दिनों से उनकी सेहत में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। उनकी बेटी और बारामती की सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक शरद पवार पिछले कुछ दिनों से खांसी और गले के संक्रमण से जूझ रहे थे। शनिवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वे अपने आवास पर थे, लेकिन रविवार सुबह उन्हें अत्यधिक कमजोरी और शरीर में पानी की कमी महसूस हुई। डॉक्टरों की सलाह पर परिवार ने उन्हें तुरंत जांच और चिकित्सकीय देखरेख के लिए अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय लिया। सुप्रिया सुले ने एक्स पर लिखा- हम बाबा को फॉलो-अप टेस्ट और हाइड्रेशन के लिए पुणे के अस्पताल में भर्ती कर रहे हैं। हम सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 85 साल के शरद पवार को पिछले हफ्ते भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उन्हें सांस लेने में कठिनाई और सीने में संक्रमण की शिकायत थी।

इतवारी मंडी बाजार में नहीं है पेयजल व्यवस्था!!

लाखो रु टैक्स वसूलने के बाद भी अब तक नही किए गए पेयजल के इंतेजाम

रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

संपूर्ण नगर में 24 घंटे पेयजल उपलब्ध कराने के लिए भले ही नगर पालिका ने जल आवर्धन योजना के नाम से 38करोड़ रु फूक दिए हो लेकिन नगर में अब भी पेयजल की किल्लत बनी हुई है।पेयजल के लिए करोड़ों रुपए फुकने के बाद भी जहां-तहां पानी की समस्या देखी जा रही है।हैरानी की बात तो यह है कि नगर पालिका, इतवारी मंडी बैठकी बाजार के नाम पर सब्जी विक्रेताओं से रोजाना टैक्स वसूल रही है बावजूद इसके भी उन सब्जी विक्रेताओं के लिए पेयजल का उचित प्रबंध नहीं किया गया है।जिसके चलते वहां के चिल्लर सब्जी व्यापारियों और सब्जी खरीदने आने वाले लोगो को पीने के पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिस पर सब्जी व्यापारियों और आम नागरिकों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए बाजार परिसर में पेयजल की उचित व्यवस्था बनाए जाने की मांग की है

पानी टँकी की महीनों से नही हुई साफ सफाई

बात अगर इतवारी गंज सब्जी बाजार की करें, तो जिले में थोक सब्जी का सबसे बड़ा बाजार इतवारी बाजार है। जहां रोजाना लाखों रुपए की सब्जियां दूरदराज व अन्य राज्यों से बिक्री के लिए आती है जहा नपा द्वारा व्यवस्था बनाने के नाम पर लाखों रुपए का टैक्स भी वसूला जाता है बावजूद इसके भी यहां आने वाले व्यापारियो व चिल्लर सब्जी विकेताओ को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है।यहां एक जगह पर पानी की प्लास्टिक टँकी है।लेकिन उस टँकी की साफ सफाई भी महीनों से नही हो पाई है।

कबाड़ हो चुकी ठंडे पानी की मशीन,2014 के बाद से नही दिया गया ध्यान

बताया जा रहा है कि 29 दिसंबर 2014 में इतवारी बाजार पीपल के पेड़ के नीचे शुद्ध पेय जल के लिए ठंडे पानी की मशीन लगाई गई थी, जहां पेयजल की व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एक कक्ष का निर्माण भी कराया गया था। जिसके उद्घाटन समारोह में तत्कालीन कृषि मंत्री गौरीशंकर बिसेन ,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी और तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष अनिल धुवारे ने सब्जी व्यापारियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का दावा करते हुए बाजार परिसर में पेयजल की कमी नहीं होने देने की बात कही थी।लेकिन आज आलम यह है कि उक्त कक्ष के अंदर रखी पानी की मशीन कबाड़ में तब्दील होते नजर आ रही है,वहीं लंबे समय से पानी की आपूर्ति के लिए रखी गई मशीन व पानी टंकी की साफ सफाई कई महीनों से नहीं हुई है जिसके चलते बाजार पहुंचने वाले व्यापारी ,सब्जी विक्रेता अपने घर, मंदिर या फिर होटल से बोतल में पानी लाने के लिए मजबूर हैं।या फिर पानी की केन खरीदकर अपनी प्यास बुझाने के लिए मजबूर है।

पानी कक्ष में सब्जी व्यापारियों ने कर रखा है कब्जा

आपको बताएं कि वर्ष 2014 में पेयजल व्यवस्था के लिए लगाई गई मशीन को सुरक्षित करने के लिए एक कक्ष का निर्माण कराया गया था।जिसके भीतर मशीन को रख कक्ष के बाहर नल के माध्यम से पानी का वितरण करने की व्यवस्था की गई थी,लेकिन अब इस कक्ष में सब्जी व्यापारियों ने अपना कब्जा कर रखा है जहां सब्जी व्यापारी सब्जी भाजी की थैलियां बोरे, इलेक्ट्रॉनिक तौल काटे व अन्य सामग्री रखने के लिए उस कक्ष का उपयोग कर रहे हैं।

20 रु की केन खरीदकर बुझा रहे प्यास

बात अगर पेयजल समस्या की करें तो इतवारी बाजार के कई चिल्लर व ठोक सब्जी विक्रेता पैसों से पानी खरीद कर अपनी प्यास बुझा रहे हैं जहां पेयजल के उचित इंतजाम ना होने से सब्जी व्यापारी मंदिर ,हैंडपंप ,बोरिंग,किसी की दुकान या किसी के घर से पानी लाने के लिए मजबूर हैं तो वहीं कई सब्जी विक्रेता 12 महीने 20रु प्रति केन के हिसाब से पानी खरीद कर अपनी प्यास बुझा रहे है।

टैक्स के अनुरूप यहां सुविधाएं नही है-उर्मिला बाई

चर्चा के दौरान नेतरा निवासी सब्जी विक्रेता उर्मिला बाई ने बताया कि वह 25-30 वर्षों से सब्जी की दुकान लगा रही हैं सब्जी धोने के लिए उन्हें बोरिंग जाना पड़ता है तो वहीं पीने का पानी वे हनुमान मंदिर से लाती हैं हम दुकान लगाते हैं तो चिट्ठी के नाम पर रोजाना 40 रु टैक्स देते हैं पर यहां सुविधाएं कुछ भी नहीं दी जा रही हैं।हमारी मांग है की व्यवस्थाएं अच्छी होनी चाहिए क्योंकि पानी के लिए हमें दुकानदारी छोड़कर दुसरो की दुकानों में जाना पड़ता है।

पानी की व्यवस्था स्वयं करनी पड़ती है- राजू यादव

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान सब्जी विक्रेता राजू यादव ने बताया कि बाजार में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है यहां एक सार्वजनिक नल है उसमें जंग लगा गंदा पानी आता है।नपा ने अब तक प्याऊ की व्यवस्था नहीं की है यहां पानी की व्यवस्था स्वयं करनी पड़ती है।इसलिए 2-3 दुकानदार मिलकर रोजाना पानी की केन खरीद लेते है।कभी पानी खत्म हो जाता है तो आजू बाजू वालों के यहां रोजाना जो केन आती है हम उनसे पूछकर बॉटल में पानी भर लेते है।

इतने बड़े बाजार में पानी की व्यवस्था होनी चाहिए- जायसवाल

वही पूर्व पार्षद विनय कुमार जायसवाल ने बताया कि वे सब्जी खरीदने के लिए इतवारी बाजार आए थे।यह सब्जी विक्रेताओं द्वारा शिकायत की जा रही है कि यहां शीतल पेयजल के इंतेजाम नही है।यहां पर एक पानी की पुरानी टँकी भी है लेकिन उसका रख रखाव ठीक नही है।इतने बड़े बाजार में पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, नपा ने इस ओर ध्यान देना चाहिए।

सभी व्यापारियों के यहां पानी की केन आती है- शुभम कुम्भलवार

सब्जी मर्चेंट के यहां काम करने वाले शुभम कुम्भलवार, ने बताया कि मंडी में करीब 13 दलाल है।बाकी लोग थोक व चिल्लर दुकान लगाकर सब्जी बेचने का काम करते है।यहां पानी की कोई व्यवस्था नही है।इसलिए सभी दुकानदार पानी की केन बुलाकर अपनी प्यास बुझाते है।नपा ने यहां शीतल पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए।

तो इंदौर जैसे हालत यहां भी बन जाएंगे-आशीष

वही सब्जी खरीदने आए कांग्रेस पार्टी के पूर्व महामंत्री आशीष शुक्ला ने बताया कि यहां पर एक हैडपम्प लगा हुआ है, जिसमें जंग लगा पानी आता है पेयजल के कोई इंतजाम नहीं है। नपा की जिम्मेदारी बनती है कि जब वह टैक्स ले रही है तो पेयजल की व्यवस्था भी करनी चाहिए। हैंडपंप के आसपास भी काफी गंदगी पड़ी हुई है ऐसा ही चला रहा तो यहां इंदौर जैसे हालात बालाघाट में भी देखने मिल सकते हैं।नपा ने भी इस ओर ध्यान देना चाहिए।

समस्या का निराकरण किया जाएगा-कतरोलिया

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया ने बताया कि इतवारी बाजार परिसर से अब तक पानी की समस्या को लेकर कोई हमारे पास नहीं आया है, स्थानीय व्यापारियों ने अभी तक इसकी कोई शिकायत नहीं की है। यह मामला आपके द्वारा संज्ञान में लाया गया है। कर्मचारियो को भेज कर पता लगाया जाएगा।वहां पानी की समस्या होगी तो जल्द ही उसका निराकरण किया जाएगा।

आदिवासी प्रीमियर लीग सीजन-1 में रोमांचक मुकाबले, दूसरे दिन खेले गए लगातार चार मैच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में आयोजित आदिवासी प्रीमियर लीग सीजन-1 का रोमांच लगातार जारी है। 21 फरवरी से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में 10 दिनों तक प्रतिदिन चार-चार मैच खेले जा रहे हैं। इस लीग में लगभग 16 टीमें भाग ले रही हैं और सुबह से ही मुकाबलों का सिलसिला शुरू हो जाता है। 22 फरवरी को भी आयोजन समिति द्वारा लगातार मैच कराए गए। दिनभर चले मुकाबलों के दौरान मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया तथा प्रतिभावान खिलाड़ियों का सम्मान भी किया गया। मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साह और दर्शकों की मौजूदगी ने माहौल को और भी गरमा दिया। 22 फरवरी को सुबह पहला मैच नेटिव किंग्स बनाम रूट्स यूनाइटेड के बीच मैच हुआ जिसमे नेटिव किंग्स ने 10 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 93 रन बनाए। जवाब में रूट्स यूनाइटेड ने 8.3 ओवर में 7 विकेट खोकर 94 रन बनाते हुए 3 विकेट से जीत दर्ज की। दूसरा मैच माइटी आर्चल बनाम भूमकाल वारियर्स के बीच हुआ जिसमे माइटी आर्चल ने निर्धारित ओवरों में 81 रन बनाए। जवाब में भूमकाल वारियर्स ने 134/6 का स्कोर खड़ा करते हुए 53 रनों से शानदार जीत हासिल की। मुकाबला 8 ओवर का रहा। तीसरा मैच नेटिव किंग्स बनाम भूमकाल वारियर्स के बीच हुआ जिसमे नेटिव किंग्स ने 7.2 ओवर में 3 विकेट पर 72 रन बनाए, जबकि भूमकाल वारियर्स 7.5 ओवर में 66 रन पर ऑल आउट हो गई। नेटिव किंग्स ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। चौथा मैच माइटी आर्चल बनाम रूट्स यूनाइटेड के बीच हुआ जिसमे माइटी आर्चल ने 8 ओवर में 4 विकेट पर 89 रन बनाए। जवाब में रूट्स यूनाइटेड ने 6.5 ओवर में 4 विकेट खोकर 94 रन बनाते हुए 6 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। आयोजन समिति ने बताया कि आगामी दिनों में भी इसी तरह रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। लीग का उद्देश्य आदिवासी अंचल के युवाओं को खेल के माध्यम से मंच प्रदान करना और उनकी प्रतिभा को निखारना है। खेलप्रेमी बड़ी संख्या में मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं।

बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ शुरू हुआ मूल्यांकन कार्य

पहले चरण में 25000 से अधिक कापियों की हो रही जांच, 250 मूल्यांकनकर्ताओं में से पहले दिन 80 मूल्यांकनकर्ता पहुचे केंद्र

पदमेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं कक्षा 12वीं की परीक्षाएं अब अपने अंतिम चरण में है। जहां कक्षा दसवीं बारहवीं की शुरू परीक्षाओ के बीच बोर्ड स्तर से रिजल्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिसके तहत 22 फरवरी रविवार से कक्षा बारहवीं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य शुरू कर दिया गया है। जबकि पहले चरण के तहत कक्षा दसवीं की उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय नहीं पहुंची है। बताया गया कि कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की 4 चरणों में उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कर ओएमआर शीट में रोल नंबर और प्राप्तांक दर्ज कर इसकी रिपोर्ट ऑनलाइन बोर्ड को भेजी जाएगी।उम्मीद जताई जा रही है कि सभी जिलों की उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने के बाद रिजल्ट तैयार किया जाएगा।जहां बोर्ड द्वारा मार्च के अंत तक सभी चारो चरण के तहत 10वी,12वी की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य पूरा कर, अप्रैल के पहले सप्ताह में कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने की सम्भावनाएं जताई जा रही है।

पहले चरण में 25000 से अधिक उत्तर पुस्तिकाओ का किया जा रहा मूल्यांकन

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा शुरू किए गए,इस मूल्यांकन कार्य के पहले चरण में बालाघाट जिले में दूसरे जिले से ,कक्षा 12वीं की उत्तर पुस्तिकाएं जांचने के लिए पहुंचाई गई है।जहां मूल्यांकन केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय में अब तक कक्षा 12वीं की 25000 से अधिक उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन के लिए पहुँचाई गई हैं। जहां अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, भौतिक शास्त्र और पशुपालन विषय की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य रविवार से शुरू किया गया है। बताया गया कि जल्द ही दूसरे चरण के तहत कक्षा दसवीं की उत्तर पुस्तिकाएं भी मूल्यांकन केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचाई जाएगी और इसी तरह तीसरे और चौथे चरण की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य सीमा पर पूर्ण करके रोजाना बोर्ड को अंक भेजे जाएगे, जिसके आधार पर बोर्ड द्वारा रिजल्ट तैयार किया जाएगा।

मूल्यांकन कार्य में शिक्षक नहीं दिखा रहे रुचि

प्रथम चरण में कक्षा 12वीं की 25000 से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए कॉपियां आई है।बताया गया कि इस कार्य के लिए करीब 250 से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं को केंद्र पहुंचने के लिए कहा गया था। लेकिन पेपर शुरू होने और मूल्यांकन के लिए समय का अभाव होने के चलते 250 मे से महज 80 मूल्यांकनकर्ता केंद्र पहुँचकर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर रहे है। बताया यह भी जा रहा है कि मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा पहले दिन मूल्यांकन कार्य में रुचि नही दिखाई गई।जिसके चलते पहले दिन एवरेज दिनों की तुलना में अधिक कॉपियों का मूल्यांकन नहीं हो पाया है वही समय सीमा को देखते हुए मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या बढ़ाने की बात कही जा रही है।

समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाएगा मूल्यांकन कार्य- उपाध्याय

इस पूरे मामले को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि चार चरणों में मूल्यांकन कार्य पूर्ण होना है ,इसके पहले चरण में कक्षा 12वीं की 25000 से अधिक उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचाई गई है। इसके पहले दिन 80 मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा मूल्यांकन का कार्य किया गया है ,उन्होंने बताया कि इस मूल्यांकन कार्य के लिए 250 से अधिक शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है, लेकिन पहला दिन होने और संबंधित विषय की उत्तर पुस्तिकाएं ना होने के चलते ज्यादा मूल्यांकनकर्ता केंद्र नहीं पहुंचे हैं, आज अंग्रेजी ,अर्थशास्त्र, भौतिक शास्त्र, और पशुपालन शास्त्र के मूल्यांकनकर्ताओं ने केंद्र पहुंचकर कॉपियों की जांच की है। हमें उम्मीद है कि और भी अधिक मूल्यांकनकर्ता केंद्र पहुंचेंगे और जल्द से जल्द प्रथम चरण का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके बाद कक्षा दसवीं और 12वीं के अन्य विषयों की कॉपियां भी मूल्यांकन केंद्र पहुंचाई जाएगी संभवत मार्च के अंत तक कॉपियों के मूल्यांकन का यह कार्य चलेगा। हमें भी उम्मीद है कि अप्रैल के पहले सप्ताह में बोर्ड द्वारा परीक्षा परिणाम की घोषणा की जा सकती है।

सावित्री रंगलानी का दुखद निधन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी की धर्मपत्नी सावित्री रंगलानी का अस्वस्थता के चलते रविवार 22 फरवरी की शाम 5.30 बजे दुःखद निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गयी हैँ. उनकी पार्थिव देह का अंतिम संस्कार कल सोमवार 23 फरवरी की दोपहर स्थानीय मोक्षधाम में किया जावेगा। उनके निधन का समाचार मिलते ही उनके निवास पर स्नेहीजनों का श्रद्धांजलि देने का तांता लगा रहा।

सरदार सुरजीत सिंह भाटिया के निधन से बैहर शोकाकुल

पदमेश न्यूज। बैहर। नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता सरदार सुरजीत सिंह भाटिया का 21 फरवरी 2026 को प्रात: 11ः30 बजे उनके निवास स्थान पर 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही नगर में शोक की लहर दौड़ गई। शोक सूचना पाते ही उनके स्नेहीजनों, रिश्तेदारों एवं परिचितों का उनके निवास पर तांता लग गया। दुर्ग से उनकी छोटी बहन एवं भतीजे, वहीं भिलाई और डोंगरगढ़ से परिजन बैहर पहुंचे। नगर के गणमान्य नागरिकों ने निवास स्थान पर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

भाजपा ध्वज में दी गई अंतिम विदाई

दूसरे दिन प्रात: भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा उनके पार्थिव शरीर पर भाजपा का ध्वज अर्पित कर सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दी गई। इसके पश्चात भव्य शवयात्रा मोक्षधाम के लिए रवाना हुई। अंतिम यात्रा में समाज के सभी वर्गों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने कंधा देकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।मोक्षधाम में उनके सुपुत्र सतबीर सिंह भाटिया ने नम आंखों से अपने पिता को मुखाग्नि दी। उपस्थित जनसमूह की आंखें भी नम हो उठीं।

नगर और पार्टी के लिए अपूर्ण क्षति

शोकसभा में भाजपा पदाधिकारी प्रमोद नेमा ने स्वर्गीय भाटिया द्वारा बैहर नगर के विकास और सामाजिक सरोकारों के लिए किए गए कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सुरजीत सिंह भाटिया ने पार्टी के विभिन्न संगठनों और पदों पर रहते हुए पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से सेवा की। उनका निधन नगर और पार्टी के लिए अपूर्ण क्षति है।सभा मंचों पर जब भी उन्हें बोलने का अवसर मिलता था, उनकी ओजस्वी वाणी और निर्भीक शैली के कारण लोग उन्हें बैहर का शेर कहकर संबोधित करते थे।

अंत में आयोजित शोकसभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

अल्लाह की रजा के लिए 5 साल के आरिश और आशिरा फातिमा ने रखा रमजान का रोजा

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शुरुवाती गर्मी के बीच,पवित्र माह रमजान में मुस्लिम धर्मावलंबियों की इबादातों का दौर जारी है।जहां अधिकतम 33 डिग्री तापमान में भी रोजेदारों के रोजे गर्मी पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। कंठ सुखा देने वाली इस गर्मी में भी मुस्लिम बच्चों का उत्साह कम होने का नाम नहीं ले रहा है जहां अब महज 5 वर्ष के बच्चे भी इस रमजान में रोजे रख अल्लाह की इबादत कर रहे हैं।जिसका एक नजारा रविवार की शाम नगर के वार्ड नं 10 स्थित जामेआ नूरिया मदरसा परिसर में देखने को मिला।जहा वार्ड नं.10 रजा नगर निवासी मो.इमरान कुरैशी के 5 वर्षीय पुत्र मो.आरिश कुरैशी ने माहे रमजान का रोजा रख गुनाहों से निजात पाने की दुआएं मांगी।इस तरह वार्ड नं.10 इमाम बाडा बैहर रोड निवासी कलीम अहमद की 5 वर्षीय बेटी आशिरा फातिमा ने भी रमजान का पहला रोजा रख ,रोजेदारों में अपना नाम दर्ज कराया आपको बताएं कि मुस्लिम धर्मावलंबियों का सबसे पवित्र माह रमजान 19फरवरी से शुरू हो चुका है।जहां मुस्लिम धर्मावलंबियों के द्वारा कंठ सुखाने वाली इस गर्मी में 13 घंटे से अधिक समय तक निर्जल रोजा रख इबादतें की जा रही है। ऐसे कठिन समय और गर्मी में भूखे प्यासे रहकर रोजा रखने पर मो आरिश के दादा मो अकबर कुरैशी, दादी वाहिदा कुरैशी, बड़े पाप मो अरशद कुरैशी, चाचा मो इरफान कुरैशी, भाई फैज, उवैश सहित अन्य ने फूल मालाओ से आरिश का स्वागत कर, उसकी हौसला अफजाई के लिए तरह तरह के गिफ्ट भेंट किए है। साथ ही सामुहिक रोजा अफ्तार कर उनके हक में नेक दुवाए की है।

सुरक्षा कर्मी की बंपर भर्ती
योग्यता 10 वी 12वीं पास
सैलरी 15 से 20 हजार रूपए,
पीएफ ईएसआईसी लीव सैलेरी बोनस की सुविधा
सनफ्लैग स्टील प्लांट भंडारा (वरठी)
संपर्क-7030497666, 9766188388

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
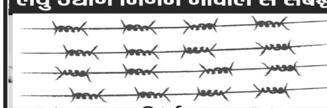
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

'उस रात बड़ी संख्या में लोग देवी तालाब की खुदाई का विरोध कर रहे थे, तब स्थिति तनाव पूर्ण हो गयी थी!!'

कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती ने कहा - सीएमओ के मौखिक आदेश पर खुदाई का काम रात में चल रहा था

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

आज देवी तालाब में खुदाई प्रकरण में पुलिस ने सारे तथ्यों का खुलासा किया. कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती ने बताया कि तब उस क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु वाहनों की जब्ती हुई थी . थाना प्रभारी ने तथ्यों की जानकारी देते हुए अफवाहों से बचने अपील भी की. उनके अनुसार उस रात नगरपालिका सीएमओ के मौखिक आदेश पर खुदाई का कार्य चल रहा था. जिससे एक पक्ष आक्रोश में था.तब स्थिति को काबू करने और देर रात ?ानून व्यवस्था की स्थिति को सँभालने के लिए काम बंद करवा कर वाहनों को सुरक्षा के लिहाज से थाने लाया गया था.उस दौरान कुछ लोग इतने आक्रोशित थे कि वाहनों को आग लगाने की बात कर उकसा रहे थे. सूचना मिलने पर हालात को देखते हुए पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप किया और दोनों डंपर व जेसीबी को जब्त कर थाने लाकर खड़ा कर दिया, ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि संबंधित कार्य मुख्य नगर पालिका अधिकारी के मौखिक निर्देश पर किया जा रहा था।

देवी तालाब से मलमा ले जाए जाने को लेकर उत्पन्न विवाद के बाद कोतवाली पुलिस द्वारा दो डंपर और एक जेसीबी को जब्त किए जाने के मामले में कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती ने पद्मेश न्यूज़ को विस्तृत जानकारी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि उन्हें स्थानीय लोगों के फोन आये थे, जिनमें देवी तालाब क्षेत्र में विवाद की स्थिति बनने की सूचना दी गई थी। मौके पर स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई थी कि कुछ लोग जेसीबी और डंपरों को आग के हवाले करने की बात कह रहे थे। संभावित अप्रिय स्थिति को देखते

हुए पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप किया और दोनों डंपर व जेसीबी को जब्त कर थाने लाकर खड़ा कर दिया, ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर में कुछ लोग तथ्यहीन और भ्रामक जानकारी फैला रहे हैं कि कोतवाली पुलिस ने कार्य को रुकवाया है, जबकि ऐसा नहीं है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि संबंधित कार्य मुख्य नगर पालिका अधिकारी के मौखिक निर्देश पर किया जा रहा था। बताया गया कि महेंद्र सुराना की शिकायत के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना था, न कि कार्य को रोकना।

बीते दिनों देवी तालाब से भटेरा ओवरब्रिज निर्माण के लिए मलमा ले जाए जाने को लेकर विवाद की स्थिति बन गई थी। जानकारी के अनुसार दो डंपर और एक जेसीबी द्वारा देवी तालाब से मिट्टी खुदाई कर ले जाई जा रही थी। बताया गया कि शासन के निर्देश पर देवी तालाब के सौंदर्यीकरण एवं गहरीकरण का कार्य प्रस्तावित था। इसी संदर्भ में मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा भटेरा ओवरब्रिज निर्माण से जुड़े कार्य के लिए संबंधित एजेंसी को मौखिक रूप से देवी तालाब से मलमा ले जाने की अनुमति दी गई थी। हालांकि इस संबंध में कोई लिखित आदेश जारी नहीं किया गया था। जब एजेंसी के वाहन मौके पर पहुंचे और मिट्टी खोदना प्रारंभ किया गया, तो स्थानीय निवासियों ने इसका विरोध किया। विरोध बढ़ने पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इसी बीच दो डंपर और एक जेसीबी को कोतवाली थाने लाकर खड़ा कर दिया गया, जिसके बाद शहर में यह चर्चा फैलने लगी कि एनजीटी नियमों के तहत होने वाले सौंदर्यीकरण कार्य में कोतवाली पुलिस बाधा बन रही है। इस पूरे मामले पर कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती ने पद्मेश न्यूज़ को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें महेंद्र सुराना द्वारा शिकायत प्राप्त हुई थी कि देवी तालाब में मिट्टी ले जाए जाने को लेकर विवाद की स्थिति है। थाना प्रभारी ने बताया कि जब वे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तो पाया कि बड़ी संख्या में लोग खुदाई का विरोध कर रहे थे और कुछ लोग वाहनों को जलाने की बात भी कर रहे थे। संभावित अप्रिय घटना को रोकने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने दोनों डंपर और जेसीबी को थाने लाकर खड़ा किया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी के मौखिक निर्देश पर सेतु विभाग द्वारा बनाए जा रहे ओवरब्रिज कार्य के लिए मिट्टी ले जाई जा रही थी, किंतु विभागीय स्तर पर कोई लिखित अनुमति उपलब्ध नहीं थी। जांच के उपरांत स्थिति स्पष्ट होने पर वाहनों को छोड़ दिया गया। थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि कुछ लोग उन्हें ही देवी तालाब के सौंदर्यीकरण में बाधक बताकर भ्रामक प्रचार कर रहे हैं, जो कि पूरी तरह गलत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस ने किसी भी शासकीय कार्य में बाधा नहीं डाली, बल्कि प्राप्त शिकायत के आधार पर केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कार्रवाई की थी।

फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस प्रकरण में युवक गोंदिया से गिरफ्तार

लालबर्रा निवासी आरोपी से पुलिस की पूछताछ, कई दिनों से आरोपी फरार था

सिटी रिपोर्टर
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गोंदिया से एक गिरफ्तारी की है! फर्जी तरीके से ड्राइविंग लायसेंस के मामले के सामने आने के बाद से यह आरोपी फरार हो गया था। खबर है कि बालाघाट पुलिस को स्थानीय निवासी समाजसेवी विशाल बिसेन से एक शिकायत मिली थी कि लालबर्रा निवासी उनका ड्राइवर गलत तरीके से लाइसेंस बनवाता है.और छात्र छात्राओं से राशि भी अधिक वसूलता है.कोतवाली पुलिस ने कहा मामले में जांच और कार्रवाई जारी है. उधर, खबर के मुताबिक उक्त आरोपी ड्राइवर को गोंदिया से पुलिस ने एक सूचना पर गिरफ्तार किया.पुलिस उक्त आरोपी ड्राइवर युवक से पूछताछ कर रही है.यह भी पूछताछ का विषय है कि परिवहन विभाग के किन किन अधिकारी, कर्मचारियों की इस मामले में संलिप्तता रही है?

कोतवाली पुलिस ने कहा मामले में जांच और कार्रवाई जारी

कोतवाली पुलिस ने लालबर्रा क्षेत्र के एक युवक को बीती रात महाराष्ट्र के गोंदिया से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक विशाल बिसेन का वाहन चालक था। जानकारी के अनुसार, वाहन चालक गाड़ी चलाने के साथ-साथ पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं और विशाल बिसेन के परिचितों के फर्जी तरीके से ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने का काम भी करता था। मामले की जानकारी लगने के बाद स्वयं विशाल बिसेन ने इसकी सीधी शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद से ही आरोपी चालक फरार चल रहा था। सूत्रों के मुताबिक, बीती रात विशाल बिसेन और कोतवाली पुलिस के संयुक्त प्रयासों से आरोपी को गोंदिया से पकड़कर बालाघाट लाया गया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि फर्जी लाइसेंस बनाने का नेटवर्क कितना बड़ा है और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

जिले में बीते कुछ वर्षों से यह लगातार देखने में आ रहा है कि अधिक धन कमाने की लालच में कुछ लोग शासन द्वारा जारी किए जाने वाले महत्वपूर्ण प्रमाण पत्रों को गलत तरीके से तैयार कर आम नागरिकों से मोटी रकम वसूल रहे हैं। पूर्व में भी जिला मुख्यालय में जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों के फर्जी तरीके से बनाए जाने के मामले सामने आ चुके हैं, जिन पर प्रशासन ने कार्रवाई भी की थी। अब एक और मामला फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाने को लेकर सामने आ रहा है। इस संबंध में पवार समाज के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने जानकारी देते हुए बताया कि कुछ माह पूर्व उन्हें पता चला कि उनका ही वाहन चालक, जो लालबर्रा क्षेत्र की एक ग्राम पंचायत का निवासी है, उनके परिचितों और कई छात्र-छात्राओं से अधिक पैसे लेकर गलत तरीके से ड्राइविंग लाइसेंस बनवा रहा था। आरोप है कि संबंधित युवक ने फर्जी लाइसेंस तैयार कर उन्हें उपलब्ध कराया कर्ता था । मामले की जानकारी मिलते ही विशाल बिसेन ने इसकी शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई। शिकायत के बाद चालक फरार हो गया था। बताया जा रहा है कि 21 फरवरी की रात्रि को कोतवाली पुलिस ने विशाल बिसेन के सहयोग से आरोपी को महाराष्ट्र के गोंदिया से गिरफ्तार कर बालाघाट लाया। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद कुछ अन्य छात्र-छात्राएं भी शिकायत लेकर कोतवाली पहुंचे हैं। पुलिस ने शिकायतकर्ताओं के बयान दर्ज करना प्रारंभ कर दिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि यदि जांच में फर्जीवाड़े की पुष्टि होती है तो संबंधित धाराओं में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गोंदिया से युवक को गिरफ्तार किया गया हैं - कामेश कुमार

फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस मामले को लेकर जब हमारे द्वारा कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती से चर्चा की, तो उन्होंने अनौपचारिक बातचीत में पुष्टि की कि मामला प्रथम दृष्टया सही प्रतीत हो रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि विशाल बिसेन की शिकायत के आधार पर मामले की जांच प्रारंभ की गई थी। इसी क्रम में एक युवक को महाराष्ट्र के गोंदिया से गिरफ्तार कर बालाघाट लाया गया है। उन्होंने आगे बताया कि ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित विषय होने के कारण परिवहन विभाग के अधिकारियों से भी चर्चा की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि लाइसेंस किस प्रक्रिया के तहत और किस माध्यम से बनाए गए। साथ ही शिकायतकर्ताओं के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। फिलहाल पूरा मामला जांच के दायरे में है। थाना प्रभारी ने कहा कि जांच पूर्ण होने के बाद ही इस प्रकरण पर अंतिम निष्कर्ष सामने आ पाएगा और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पानी की टंकी बनने के पहले उसके बोरवेल ने तोड़ा दम

पानी के लिए गांव में विभाग जगह-जगह करवा रहा बोरवेल

पदमेश न्यूज। किरनापुर । जिले के किरनापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम नेवारा में जल जीवन मिशन से बन रही पानी टंकी अब विफल साबित होती दिखाई दे रही है। विभाग द्वारा करवाए गए अचानक बोरवेल ने दम तोड़ दिया और अब उस बोरवेल से पानी आना बंद हो गया है। ठेकेदार द्वारा पानी टंकी निर्माण कार्य के लिए पानी हेतु अब गांव में पाईप बिछाकर पानी लाने का काम किया जा रहा है। वही ग्रामीणों ने गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े कर दिए है बोर की स्थिति अभी से ऐसी है तो भला पानी टंकी भरेगी कैसे लोगों के घर तक नल से जल पहुंचेगा कैसे।और भी अनेक अनियमिताएं निर्माण कार्य स्थल में नज ?र आ रही है। जानकारी अनुसार चूंकि हाल ही में कुछ ही दिन पहले विभागीय अधिकारियों का निरीक्षण कार्य स्थल पर पहुंच कर किया गया है मौके पर आज भी साइन बोर्ड तक उपलब्ध नहीं है जिससे ग्रामीणों को निर्माणधीन पानी टंकी की लागत का पता नहीं चल पा रहा है । पानी की तराई भी सही तरीके से नहीं हो पा रही है। लोगो के जीवन में अब उदासी के हालात बनते दिखाई दे रहे है, ऐसे में सकारात्मक बदलाव की नई कहानी कैसे लिखी जा सकती है ।गर्मी के दिनों में हैंडपंप दूर होने से जलस्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन पानी की टंकी को भरने के लिए विभाग द्वारा जगह जगह बोर खनन करवाए जा रहे जो बार बार विफल साबित होते जा रहे है। पानी की समस्या गंभीर और विकराल होते जा रही है। पानी लाने में रोजाना खूब मेहनत करनी पड़ती है जिससे काफी समय भी खर्च होता है । घर घर पर अब नल जल योजना का कनेक्शन मिला है घर के आंगन में लगे नल में नियमित रूप से शुद्ध पेयजल कैसे उपलब्ध होगा। परिवार को स्वच्छ पानी नही मिलने से स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ भी बढ़ जायेगी ।इस योजना से गांव की महिलाओं को राहत नही मिल पायेगी । अब उन्हें पानी के लिए लंबी दूरी तय करना पड़ेगा। ग्राम नेवारा में नल से जल की सुविधा बेहतर बनाने के लिए सबसे पहले तो बन रही पानी टंकी में पानी कैसे पहुचेगा, चूंकि प्रारंभ में ही बोर ने दम तोड़ दिया है गर्मी अभी बाकी है ।स्वच्छ पानी की उपलब्धता से स्वास्थ्य शिक्षा और दैनिक जीवन को एक नई एक दिशा मिलती है ।ग्रामीणों की निराशा इस बात की गवाही देती है कि जब योजनाओं का संचालन सही तरीके नही होने बोर से निकलने वाला पानी अचानक बंद हो जाए ।ऐसे में घर-घर नल घर-घर जल कैसे हो पहुंच पाएगा । पानी टंकी निर्माण कार्य शुरू हो और पानी टंकी निर्माण कार्य के लिए आप गांव में पानी के लिए चक्कर लगा रहे हो । जब स्थिति प्रारंभ में ही ऐसी है तो गर्मी के दिनों में ग्रामीणों को पानी कैसे मिलेगा क्या हाल होगा । जल जीवन मिशन से ग्राम नेवारा में ग्रामीणों को सुकून कैसे मिल पाएगा यह विचारणीय है।

हनुमान चौक में पुलिस के साथ झूमाझपटी के बीच फ़ूंका कैलाश विजयवर्गीय का पुतला

अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस का बालाघाट में प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। विधानसभा सदन के भीतर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पर चर्चा के दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गी द्वारा की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने जिले में प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आवाहन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दो दिन बाद स्थानीय हनुमान चौक स्थित कांग्रेस कार्यालय से रैली निकाली। रैली हनुमान चौक पहुंची, जहां मंत्री कैलाश विजयवर्गी का पुतला दहन किया गया। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा। जैसे ही पुतला आधा जला, पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप करते हुए पुतला कांग्रेस कार्यकर्ताओं से छीन लिया । कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मंत्री द्वारा सदन में की गई टिप्पणी लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध है और वे इसके विरोध में आवाज उठाते रहेंगे।

22 फरवरी को स्थानीय हनुमान चौक में शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। मामला विधानसभा सदन के भीतर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पर चर्चा के दौरान की गई कथित अभद्र टिप्पणी से जुड़ा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस मुद्दे को लेकर 20 फरवरी को प्रदेश के सभी जिलों और ब्लॉकों में पुतला दहन के निर्देश दिए थे। हालांकि बालाघाट शहर कांग्रेस कमेटी ने यह कार्यक्रम 20 फरवरी के बजाय 22 फरवरी को दोपहर 2 बजे आयोजित किया। कांग्रेस कार्यालय से रैली निकालकर कार्यकर्ता हनुमान चौक पहुंचे, जहां मंत्री कैलाश विजयवर्गी का पुतला दहन किया गया। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि कांग्रेस आज विपक्ष की भूमिका निभा रही है और सदन के भीतर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा तथ्यों के साथ सरकार की नीतियों का विरोध किया गया था। उनका आरोप था कि सरकार उद्योगपतियों को लाभ पहुंचा रही है और इसी विषय पर चर्चा के दौरान मंत्री द्वारा अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया, जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत है। उन्होंने कहा कि यदि मंत्रीगण मर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं करेंगे तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज कराती रहेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यह विरोध की शुरुआत है और यदि कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस मंत्रीगण के निवास के सामने भी प्रदर्शन करेगी। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मंत्री के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया। हनुमान चौक पर आयोजित पुतला दहन कार्यक्रम में शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी, पार्षद प्रवीण मदनकर, पूर्व पार्षद अनिल सोनी, सेवादल से जीतू बर्वे सहित युवा कांग्रेस और महिला कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विरोध प्रदर्शन के मद्देनज़र सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई थी। स्वयं नगर पुलिस अधीक्षक मयंक कुमार तिवारी, कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती सहित यातायात थाना और कोतवाली थाना का पुलिस बल बड़ी संख्या में मौके पर तैनात रहा। जैसे ही पुतला आधा जला, पुलिस कर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए अग्निशमन उपकरणों की सहायता से पुतले को कार्यकर्ताओं से छीनकर आग बुझा दी।

युवती का पीछा, अश्लील टिप्पणिया और सोशल मीडिया पर बदनाम करने की धमकी देने का मामला

आरोपी बबलू उर्फ भीष्म डुलानी गिरफ्तार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। नगर के कोतवाली थाना क्षेत्र में निवासरत एक युवती ने पड़ोस में रहने वाले युवक के खिलाफ लगातार पीछा करने, अश्लील टिप्पणियां करने, सोशल मीडिया पर निजी चैट साझा करने और बदनाम करने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में बबलू उर्फ भीष्म डूलानी पिता लखनलाल डुलानी 22 वर्ष के विरुद्ध मामला कायम कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 वर्षीय पीडिता, जो पीजी कॉलेज में एम.कॉम. की छात्रा है। आरोपी बबलु उर्फ भीष्म युवक उसी मोहल्ले का निवासी है और बचपन से परिचित है।। वह पिछले कई महीनों से पीड़िता को लगातार फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से परेशान कर रहा था। युवती द्वारा विवाह प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद आरोपी बबलू उर्फ भीष्म ने कथित रूप से उसके साथ हुई सामान्य व्हाट्सएप बातचीत के स्क्रीनशॉट इंस्टाग्राम पर साझा करना शुरू कर दिया था और वह कई बार पीड़िता के घर के पास डोंगरी तालाब क्षेत्र में बैठकर उसे को घूरते रहता था और आपत्तिजनक टिप्पणियां और इशारेबाजी करते रहता था। 4 जनवरी 2026 की रात को पीड़िता जब अपने भाई-बहन के साथ जा रही थी। तब आरोपी बबलू उर्फ भीष्म ने मोटरसाइकिल से पीछा किया और रास्ते में गाड़ी रुकवाने की कोशिश की। गाड़ी न रुकने पर कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी ।इसके बाद 17 फरवरी 2026 को दोपहर में भी डोंगरी तालाब के पास आरोपी बबलु उर्फ भीष्म द्वारा फिर से अशोभनीय व्यवहार किया गया। 19 फरवरी को पीड़िता ने अपने पिता को घटना की जानकारी दी और उनके साथ महिला थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। महिला पुलिस थाने में आरोपी युवक बबलू उर्फ भीष्म के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता धारा 78(1)(ii)(iii), 79, 296(बी) एवं 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला कायम कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है ।मामले की विवेचना महिला पुलिस थाना द्वारा की जा रही है।

आस-पास की खबरें

ईमलाबाई डहरवाल का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत धरपीवाड़ा के रोजगार सहायक शिवेन्द्र डहरवाल की माताश्री 62 वर्षीय श्रीमती ईमलाबाई डहरवाल का शनिवार-रविवार की दरमियानी रात्रि में हद्‌यगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 22 फरवरी को दोपहर 1 बजे स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार धरपीवाड़ा रोजगार सहायक शिवेन्द्र डहरवाल की माताश्री ईमलाबाई डहरवाल कुछ दिनों से अस्वस्थ थी और बीती रात्रि में अचानक तबियत खराब होने एवं हद्‌यगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित-परिचित एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. श्रीमती ईमलाबाई डहरवाल अत्यंत मृदुभाषी, मिलनसार और धार्मिक स्वभाव की महिला थी और सामाजिक कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भागीदारी हमेशा सराहनीय रहती थी। उनके निधन को समाज और परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है। जो अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई है। स्व. श्रीमती ईमलाबाई डहरवाल का गुरूवार को दोपहर 1 बजे धरपीवाड़ा स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन

कल से कलेक्टोरेट सभाकक्ष में वन अधिकार अधिनियम पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रावधानों पर 24 फरवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 तक कलेक्टोरेट परिसर सभाकक्ष, बालाघाट में दो दिवसीय क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन अधिकारों एवं धारा 3(1)(6) में उल्लेखित सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन संबंधी अधिकारों को मान्यता देने की प्रक्रिया को स्पष्ट करना है। प्रशिक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को वन अधिकार पट्टा स्वीकृति की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, दावे के परीक्षण एवं अनुमोदन की कार्यवाही सहित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में वन विभाग, राजस्व विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग के अनुभाग एवं जनपद स्तर के अधिकारी भाग लेंगे। प्रशिक्षण के माध्यम से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया जाएगा।

हम संगठित रहेंगे तभी हमारे अधिकार सुरक्षित रहेंगे- अनुभा

शौर्य के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज की आदमकद प्रतिमा का हुआ अनावरण

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय (सांदीपनी स्कूल) के सामने छत्रपति शिवाजी कुनबी समाज के द्वारा 22 फरवरी को शौर्य और साहस के प्रतीक श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज की आदमकद प्रतिमा का गरिमामयी समारोह में अनावरण किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, शिवाजी कुनबी समाज के ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश फुंडेकर की अध्यक्षता एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम दोपहर में सिवनी मार्ग स्थित लॉन से डीजे की धुन पर भव्य रैली निकाली गई। डीजे की धुन और जय भवानी-जय शिवाजी के जयघोष के साथ निकली इस रैली ने पुरे नगर का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची। इस रैली में शिवाजी महाराज, माता जीजाबाई और अन्य महापुरुषों के स्वरूप सजीव चित्रण के रूप में शामिल थे, जो आकर्षण का केन्द्र रहा। वहीं मंचीय कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों के हस्ते विधि-विधान से पूजा अर्चना कर श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज की आमदकद प्रतिमा का अनावरण किया गया, जिसके मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक पदाधिकारियों ने कहा कि शिवाजी महाराज माँ भवानी का आशीर्वाद लेकर रणभूमि में उतरते थे और उनका साहस आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्त्रोत है। शिवाजी महाराज के पदचिन्हों पर चलकर सभी समाजोत्थान एवं देशहित में काम करें। साथ ही यह भी कहा कि हर गांव में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा स्थापित करें और प्रतिवर्ष जयंती मनाये ताकि उनकी प्रतिमा को देखकर उन्हे प्रेरणा मिल सके। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि देश की आजादी के लिए स्वाभिमान के लिए जिन लोगों ने बलिदान दिया है। ऐसे महापुरूषों की वंदना हमेशा होनी चाहिए, यदि किसी भी महापुरूष की प्रतिमा लगाने की चर्चा होती है तो उसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए, अपनी सहभागिता दर्ज करानी चाहिए और प्रतिमा लगानी चाहिए। श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज एक बहुत बड़े योध्दा थे और वह अपनी कुलदेवी माता तुलजा भवानी का आशीर्वाद लेकर वह रणभूमि पर उतरते थे इसीलिए हम सभी लोग हमेशा जय भवानी, जय शिवाजी बोलते हैं और रणभूमि में ऐसी विजय गाथा लिखते थे कि हम वर्तमान में उनकी वीरगति सुनकर उत्साहित होते हैं। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि आज लालबर्रा क्षेत्र के लिए गौरव का दिन है और महापुरूषों की प्रतिमाएं केवल पत्थर की मूर्तियां नहीं, बल्कि हमारे मार्गदर्शक हैं। शिवाजी महाराज ने मुगल काल में धर्म और जाति पर हो रहे प्रहारों के खिलाफ तलवार उठाई थी। यदि हमें अन्याय के खिलाफ लड़ना और आत्मसम्मान की रक्षा करना सीखना है, तो हमें शिवाजी महाराज के जीवन को देखना होगा। साथ ही सभी संगठित, एकजुट रहे क्योंकि संगठित रहने पर ही हमारे अधिकार सुरक्षित रहेंगे। जब हमारा उद्देश्य साफ होता है, तो स्वयं ईश्वर भी उसे पूरा करने में हमारी मदद करते हैं। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन गेंदलाल कारे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर शिवाजी कुनबी समाज लालबर्रा अध्यक्ष दिनेश फुंडेकर, उपाध्यक्ष युगलकिशोर चारमोडे, प्रमोद सपाटे, सचिव वासुदेव लानगे, कोषाध्यक्ष ओमशंकर भगत, सदस्य शैलेष आश्वले, शंशांक लानगे, हरिलाल तितरमारे, गेंदलाल कारे, कोमल ढबाले, शैलेष भोयर, जितेन्द्र सार्वे, गणेश आश्वले, ढुलीचंद बोंदरे, घनश्याम कानतोड़े, प्रीतम हिंगे, झनकलाल लानगे, बलिराम कातुरे, संजय कातुरे, संतोष डोरस, मनीष बांते, तेजराम अंगुरे, खिलेन्द्र सार्वे, किसनाजी गोमासे, हिराराम तितरमारे, येवन भोयर, जितेन्द्र लानगे, राजेन्द्र अंगुरे, युवराज कातुरे, व्यंकट चौड़े, हेमराज नखाते, धर्मेन्द्र नखाते युवाक र्यकारिणी अध्यक्ष राधेश्याम भोयर, उपाध्यक्ष प्रदीप पंचबुध्दे, विजय भगत, सचिव सुनिल ठौकर, कोषाध्यक्ष कपिल ढबाले सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य व स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हमारे मार्गदर्शक है छत्रपति शिवाजी - दिनेश

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिवाजी कुनबी समाज के ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश फुंडेकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक राजा नहीं, बल्कि एक विचार हैं जो हमें शून्य से शिखर तक पहुंचने की प्रेरणा देते हैं। आज की युवा पीढ़ी को शिवाजी महाराज के रण-कौशल के साथ-साथ उनके नैतिक मूल्यों को भी अपनाना चाहिए। उन्होंने जिस तरह मां भवानी का आशीर्वाद लेकर और मुट्ठी भर साथियों के साथ बड़े साम्रा 'यों को चुनौती दी। वह सिखाता है कि साहस और आत्मविश्वास हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। श्री फुंडेकर ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का साहस और उनका स्वराज का सपना आज भी युवाओं के लिए सबसे बड़ा प्रेरणा स्त्रोत हैं। जो हमारे मार्गदर्शक है, हमें उनके बताये मार्ग पर चलकर समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। साथ ही सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करें।

बैठक में डॉ. अंबेडकर की आदमकद मूर्ति का अनावरण करने सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह समिति की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी निवासी, सामाजिक कार्यकर्ता लवकुश रंगारे के निवास स्थान में रविवार को फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर की जयंती समारोह के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में विभिन्न जयंती एवं डॉ. अंबेडकर की आदमकद मूर्ति का अनावरण करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर सर्वसम्मति से गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी महात्मा फुले जी एवं डॉ. अंबेडकर जी की संयुक्त जयंती समारोह 14 अप्रैल 2026 को मनाने का निर्णय लिया गया है। चर्चा में फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी 14 अप्रैल को संयुक्त रूप से महात्मा फुले जी एवं डॉ अंबेडकर जयंती मनाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि 6 दिसंबर 2025 को महापरिनिर्वाण दिवस पर संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जी की आदमकद मूर्ति स्थापित करने एवं मूर्ति का अनावरण बौध्द भिक्षु संघ के द्वारा किये जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि 11 अप्रैल को महात्मा फुले जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया जायेगा और 14 अप्रैल को फुले जी एवं डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर संयुक्त जयंती के अवसर पर सुबह मोटरसाइकिल निकाली जायेगी, जिसके बाद डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की मूर्ति का अनावरण, नगर रैली, मंचीय कार्यक्रम के बाद कव्वाली का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह समिति तहसील लालबर्रा के पदाधिकारी देवानंद बोरकर, झंकारसिंह उइके, आनंद चौहान, विजय खोब्रागढ़े, विनोद चौहान, राजेश डोंगरे, मिथलेश मेश्राम, तरूण गजभिये, मुकेश खोब्रागढ़े, परमानंद डोंगरे, राजकुमार वरकड़े, संतोष मेश्राम, ताराचंद कावडे, जितेंद्र तरवरे, राजकुमार बेलेकर, संजीवराव, लवकुश रंगारे सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

लालबर्रा केन्द्र में एससी/एसटी वर्ग के 4 बच्चों ने दी परीक्षा, 1 छात्र अनुपस्थित रहा

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के प्रतिभावान जनजातीय विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए आयोजित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (उकवा एवं बैहर) की कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 22 फरवरी को संपन्न हुई। नगर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय (सांदीपनी स्कूल) को इस परीक्षा के लिए केंद्र बनाया गया था। इस अवसर पर प्रात: 9.30 बजे से ही अभिभावक अपने बच्चों को लेकर परीक्षा केंद्र पहुंचे। वहीं परीक्षा केन्द्र में प्रारंभिक प्रक्रिया के बाद बच्चों को प्रवेश दिया गया। यह परीक्षा प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुई जो दोपहर 12 बजे संपन्न हुई। आयोजित परीक्षा में लालबर्रा विकासखण्ड से कक्षा 5 वीं में अध्ययनरत एससी/एसटी वर्ग के कुल 5 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ था। जिनमें से 4 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और सभी ने ओएमआर शीट के माध्यम से पर्चा हल किया। साथ ही इस परीक्षा में मेरिट के आधार पर चयनित होने वाले विद्यार्थियों को उकवा और बैहर स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रवेश मिलेगा। इन विद्यालयों की खास बात यह है कि यहां विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय की तर्ज पर उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ-साथ नि:शुल्क आवास, भोजन और अन्य सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। जिससे ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्र के बच्चे भी अपना भविष्य बेहतर बनाये। लालबर्रा के शासकीय उत्कृष्ट (सांदीपनी स्कूल) में एकलव्य आदर्श आवासीय प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

चर्चा में केन्द्राध्यक्ष डॉ. जागेश्वर अजीत ने बताया कि एकलव्य आदर्श आवासी प्रवेश परीक्षा लालबर्रा के शासकीय उत्कृष्ट (सांदीपनी स्कूल) में संपन्न हुई। इस परीक्षा में कुल दर्ज 5 में से 4 एसटी/एससी वर्ग के कक्षा 5 वीं में अध्ययनरत बच्चें शामिल हुए और ओएमआर सीट में पर्चा हल किया है। साथ ही यह भी बताया कि इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले बच्चें का चयन उकवा एवं बैहर स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए होगा और इस विद्यालय में जवाहर नवोदय विद्यालय की तर्ज पर सभी सुविधाएं मिलेगी।

ददिया में पंचायत स्तरीय 31 हजार रूपये ईनामी क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया में पोटियापाठ क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में हाई स्कूल खेल मैदान में 22 फरवरी को पंचायत स्तरीय 31 हजार रूपये ईनामी क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम सरपंच श्रीमती ऋषी पंक्षी भलावी, जनपद सदस्य प्रतिनिधि मनीराम भोयर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम अतिथियों के हस्ते टास किया गया और प्रथम दिन शो-मैच खेला गया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने कहा कि इस पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए क्लब के समस्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और खिलाड़ियों से कहा कि खेल को खेल की भावना से खेले। साथ ही यह भी कहा कि इस तरह के आयोजन होने से ग्रामीण स्तर के प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर के साथ ही एक अ%छा मंच मिलता है और खेल खेलने से शरीर का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है इसलिए सभी को कोई न कोई खेल खेलते रहना चाहिए। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 22 फरवरी को पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया है और रोजाना मैच भी खेले जा रहे है। साथ ही यह भी बताया कि इस पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 31,111 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 15,015 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 1100 रूपये निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर जिलेभर की क्रिकेट टीम के खिलाडियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील समिति अध्यक्ष जितेन्द्र आश्वले, उपाध्यक्ष रेखेन्द्र बोपचे, सचिव लोकेश कड़ोकर, कोषाध्यक्ष सोहेन्द्र मोहबे, संरक्षक लकेश पंचेश्वर, विशाल क्षीरसागर, गुंजन बोपचे, नितेश ढबाले, सदस्य बंटी आश्वले, हेमराज भोयर, लक्ष्मण सपाटे, मेशुप्रसाद बोपचे, बंटी भोयर, राजेश बोपचे, लकेश बिसेन, रजत बोपचे, गणेश आश्वले, नरेन्द्र भोयर, हितेश बोपचे, मनोज बोपचे, देवराज कड़ोकर, दिनेश बिसेन, लीलाधर बोपचे, शिवकुमार ठाकरे, लितेश बोपचे, प्रमोद बोपचे, कृष्णकुमार धार्मिक, आनंद आश्वले, देवेन्द्र बोपचे, राकेश मोहबे, शिवम दुबे, विशाल बोपचे, गोलू भोयर, विजय मड़ावी, दीपक मोहबे, महेन्द्र बोपचे, नवीन रहांगडाले, डालीराम कारे, मनीष ठाकरे, नवीन जोन, प्रकाश लानगे, राकेश भोयर, शुभम दुबे, खिलेन्द्र बोपचे, तरूण कोहरे, आनंद बोपचे, पुरूषोत्तम ढबाले, आशीष बिसेन, विवेक बोपचे, हितेश भोयर, आनंद बोपचे, रूपेन्द्र कड़ोकर, अतुल सपाटे, अतुल ठाकरे, जितेन्द्र धार्मिक, मोहित भोयर, संजय मडावी, दिनेश कडोकर, विनय भोयर, निश्चय मात्ते, प्रदीप भुसारी, पंकज बाहेश्वर, संदीप कटंगकार सहित अन्य सदस्यों ने की है।

घोर लापरवाही: लाख शिकायतें और योजना सफेद हाथी!!

विडम्बना: जलजीवन मिशन, सरंडी में बूंद-बूंद पानी को तरसते लोग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सरंडी में नल जल योजना संचालन में ट्यूबवेल समस्या बनी हुई है। जहां पर आगामी समय में योजना में खराबी आने की संभावना बनी हुई है, जिसको लेकर ग्रामीणों के द्वारा पीएचई विभाग से पूर्व की शिकायतों पर संज्ञान लेने की मांग की जा रही है। क्योंकि वर्तमान में नल जल योजना दो ट्यूबवेल के माध्यम से संचालित की जा रही है जिससे लोगो को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा हैं। योजना के चार ट्यूबवेल खराब पड़े हुए हैं जिसकी सफाई और सुधार कार्य की जरूरत है। जिसके लिए विभाग को पंचायत के द्वारा पत्र भी लिखा गया है किंतु वर्तमान तक इस पर विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया है। जिससे नल जल योजना को लेकर लोग डरे हुए हैं क्योंकि आगे गर्मी का मौसम आने वाला है। जिससे ट्यूबवेल के जल स्तर पर फर्क पड़ेगा।

नलजल योजना में दो ट्यूबवेल चालू चार ट्यूबवेल बंद

सरंडी में मध्य प्रदेश शासन के द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत ग्राम में नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। जिसमें ७५००० लीटर की पानी की टंकी एवं २०००० लीटर का सम्पवेल ग्राम में हर घर नल हर घर जल उपलब्ध कराने के लिए निर्माण किया गया। इस नल जल योजना की पानी टंकी को भरने के लिए ग्राम में ६ ट्यूबवेल का खनन किया गया। जिसके माध्यम से टंकी एवं संपवेल में पानी भरकर नल जल योजना के माध्यम से ग्राम में वितरण किया जाता था। परंतु समय के साथ एक ट्यूबवेल खराब हो गया जिसके बाद तीन ट्यूबवेल भी बंद हो गए। इस प्रकार वर्तमान में दो ट्यूबवेल के माध्यम से पूरी योजना चल रही है और अब गर्मी का मौसम आने वाला है। जिसमें स्वत: भूमिगत जल स्तर कम होता है ऐसे में समस्या प्रारंभ हो गई है वैसे भी ग्राम में समस्त ग्रामीणों को पर्याप्त पानी प्राप्त नहीं हो पा रहा है। जरूर से कम पानी हर किसी को मिल रहा है जिसका कारण लगातार ट्यूबवेल खराब होना है। निकट भविष्य में ग्रामीणों को होने वाली पानी की समस्या परेशान कर रही है। जिसको लेकर ग्राम पंचायत के माध्यम से पूर्व में कई बार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को मौखिक और शिकायत पत्र देकर शिकायत की जा चुकी है। किंतु विभाग के द्वारा वर्तमान तक इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया है जिसका कारण है कि उक्त ट्यूबवेल यथावत स्थिति में पड़े हुए हैं।

ग्रामीणों को नही मिल रहा पर्याप्त पानी-रवि गौतम

ग्रामीण रवि गौतम ने बताया कि नल जल की स्थिति ग्राम में यह है कि हमारे यहां पीएचई के माध्यम से योजना तैयार की गई है। उसमें ६ नलकूप खोदे गए थे उसमें दो नलकूप वर्तमान में चालू है एक नलकूप बंद हो गया है। तीन नलकूप में पानी बचा नहीं है वाटर लेवल अब नीचे जा रहा है इस नलकूप को साफ करवाना बहुत जरूरी है। इसके लिए विभाग को पंचायत के द्वारा दो बार पत्र जारी कर सूचना भी दी गई है। परंतु वर्तमान तक पीएचई विभाग के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया है। नल जल योजना से समस्या तो है ही पानी सभी को मिल रहा है परंतु जरूरत के अनुसार नहीं मिल रहा है जैसे एक परिवार को १०० लीटर पानी की जरूरत है तो उसे ६० लीटर पानी ही मिल पा रहा है। पंचायत भी सक्षम नहीं है इसमें पंचायत दोषी नहीं दोषी पीएचई है जो ध्यान नहीं दे रही है। इस नलकूप को साफकरवरकर पर्याप्त पानी की व्यवस्था विभाग को करनी चाहिए।

विभाग की लापरवाही से ग्रामीणजन परेशान है- पंकज राहगंडाले

पंकज राहगंडाले ने बताया कि ग्राम में नल जल योजना संचालित है जिससे लोगों को पानी भी मिल रहा है। परंतु पर्याप्त पानी नहीं मिलने से पानी की समस्या गांव में बनी है क्योंकि सही तरीके से पानी नहीं मिल रहा है। इसका प्रमुख कारण हमारे यहां चार ट्यूबवेल बंद पड़े हुए हैं उसे साफ कर चालू करने की जरूरत है। परंतु पीएचई विभाग इस पर ध्यान नहीं दे रही है और ना ही समस्या का समाधान कर रहा है। इसमें विभाग लापरवाही बरत रहा है ६ में दो नलकूप चालू है और आगे गर्मी आनी है। लोगों को पानी की समस्या वैसे भी होगी क्योंकि जल स्तर घटेगा समस्या बढ़ेगी उसे ध्यान में रखते हुए पीएचई विभाग को कम करना चाहिए कहीं ऐसा ना हो कि पानी के अभाव में योजना बंद हो जाये।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १ हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के प्रारंभ में स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थल पर २२ फरवरी को प्रगतिशील कुनबी समाज संगठन के तत्वाधान में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य वक्ता श्रीरंग देवरस , विशाल खोगल, एसन लानगे ,परमेश्वर कुथे सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात छत्रपति शिवाजी महाराज और मां भवानी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद उपस्थित जनों के द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि आज हम एक ऐसी विभूति का स्मरण कर रहे हैं जिनका नाम सुनते ही धमनियों में साहस का संचार होने लगता है वह छत्रपति शिवाजी महाराज हैं। वे केवल एक कुशल योद्धा या राजा नहीं थे बल्कि वे एक राष्ट्र निर्माता और स्वराज की संकल्पना के जनक थे। वह वास्तव में शौर्य और सुशासन के प्रतीक हैं शिवाजी महाराज का जन्म उस दौर में हुआ था जब भारत विदेशी आक्रांताओं के दमन से जूझ रहा था। उन्होंने मुट्ठी भर मावलों के साथ मिलकर दुनिया की तत्कालीन महाशक्तियों मुगल और बीजापुर सल्तनत को चुनौती दी। उनकी गनिमी कावा छापामार युद्ध नीति आज भी दुनिया भर के सैन्य रणनीतिकारों के लिए शोध का विषय है। प्रतापगढ़ का युद्ध हो या सिंहगढ़ की विजय उनका हर कदम बुद्धिमत्ता और वीरता का अद्भुत मिश्रण था। शिवाजी महाराज का शासन केवल किलों को जीतने तक सीमित नहीं था। उनका असली पराक्रम उनके लोक कल्याणकारी प्रशासन में दिखता है। उन्होंने सख्त नियम बनाए थे कि युद्ध के दौरान भी महिलाओं और बच्चों को कोई क्षति ना पहुँचे। उन्होंने एक व्यवस्थित मंत्रि परिषद बनाई जो आधुनिक लोकतंत्र के शुरुआती स्वरूप जैसा था। उन्होंने समुद्र की रक्षा के महत्व को समझा और एक सशक्त नौसेना तैयार की जिसके कारण उन्हें फादर ऑफ इंडियन नेवी कहा जाता है। शिवाजी महाराज का जीवन हमें सिखाता है कि संसाधन कम होने पर भी यदि संकल्प दृढ़ हो तो इतिहास बदला जा सकता है। उनका हिंदवी स्वराज किसी एक जाति या धर्म का नहीं बल्कि हर अन्याय पीड़ित व्यक्ति का राज्य था। आज के युवाओं के लिए उनके विचार एक मशाल की तरह हैं। इस अवसर पर शरद आड़े, प्रणय श्रीवास्तव, संतोष लिल्हारे ,टी आर मेढेकर, टी सी डायरे, विजय वाहिले ,अजय साखरे ,हीरासिंह चंदेल ,संतोष चौहान, संगीता वाहिले ,प्रमिला डायरे ,मीना बिसेन ,दीपाली साहू ,वर्षा वहिले ,कमलेश डायरे ,योगेश डायरे ,नानू वहिले ,नवनीत वहिले सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सर्वधर्म प्रार्थना कर लॉर्ड बेडेन पावेल किया गया याद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय माध्यमिक शाला नेवरगांव वॉ में २२ फरवरी को स्काउट गाइड के जनक लॉर्ड बेडेन पावेल की जयंती मनाई गई। यह कार्यक्रम भारत स्काउट गाइड मध्य प्रदेश भोपाल के वार्षिक कार्यक्रम अनुसार डीईओ अश्विनी कुमार उपाध्याय के निर्देश पर आयोजित किया गया। जिसमें स्काउट के जनक लॉर्ड बेडेन पावेल की जयंती के उपलक्ष्य में स्काउट गाइड के विद्यार्थियों के साथ स्कूल परिसर में सर्वधर्म प्रार्थना प्रारंभ की गई। जिसमें सामूहिक प्रार्थना करने के उपरांत स्काउट के जनक को याद किया गया। तत्पश्चात उपस्थित विद्यार्थियों को लॉर्ड बेडेन पावेल के जीवन पर प्रकाश डालकर विस्तार पूर्वक बताया गया कि किस प्रकार उन्होंने स्काउट गाइड की स्थापना की। इस अवसर पर गाइड कैप्टन श्रीमती लक्ष्मी पटले ,श्रीमती नीता बोपचे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

मानेगांव में वीर बिरसा मुंडा प्रतिमा का हुआ अनावरण

बिरसा मुंडा ने जल जंगल जमीन की लड़ाई लड़ी-रामकुमार नगपुरे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मानेगांव में आदिवासी महारानी दुर्गावती गोंडवाना समिति मानेगांव के तत्वाधान में भगवान वीर बिरसा मुंडा प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ,समाजसेवी थानसिंह नगपुरे के मुख्य आतिथ्य एवं अध्यक्ष आदिवासी विकास परिषद दिनेश धुर्वे की अध्यक्षता ,सरपंच मंजूषा कैलाश कुंजाम, जनपद सदस्य पूजा नगपुरे ,जिला अध्यक्ष सेवादल रेशमा कुमरे एवं अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जहाँ जननायक मूल निवासी शहिद बिरसा मुण्डा की प्रतिमा स्थापना समारोह बहुत ही धुमधाम से मनाया गया। जिसमें सुबह बड़ादेव पुजन एवं प्रभात फेरी कलश यात्रा निकाल कर पूरे ग्राम का भ्रमण किया गया । तत्पश्चात कार्यक्रम स्थल पहुंचकर यात्रा का समापन कर प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। तत्पश्चात महाप्रसादी वितरण की गया। वहीं आदिवासी सांस्कृति कार्यक्रम रात्री ९ बजे से आदिवासी गायिका प्रियांशी भलावी आरकेस्ट्रा ग्रुप जबलपुर का कार्यक्रम रखा गया जिसमें मनमोहन गीतों की प्रस्तुति दी जाती रही। इस मंचीय कार्यक्रम के समय उपस्थित अतिथियों के द्वारा वीर बिरसा मुंडा की प्रतिमा का विधिवत पूजन अर्चन करने के उपरांत अनावरण किया गया। वहीं धरती आबा वीर बिरसा मुंडा अमर रहे के नारे भी लगाए गए। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने जल जंगल जमीन की लड़ाई लड़ी। अंग्रेजों को किस प्रकार परेशान किया कि अंग्रेजों ने कायरता पूर्ण तरीके से उनकी हत्या कर दी। वहीं उनके दिए गए संदेश को लगातार आगे बढ़ाने के लिए समाज को प्रेरित भी किया गया। इस अवसर पर संदेश सय्याम, जैयराम पिपलेवार ,शुभम उइके ,रेशमा कुंभरे ,प्रकाश उके, सरोज मेश्राम ,घनश्याम चांडक ,अभिषेक सेलोकर, दिपक सेलोकर ,लिखेन्द्र मेश्राम, नकुल कृपगये, सहादेव तुरकर, मुकेश मर्सकोले ,अजय मरकाम ,दिनेश मर्सकोले ,जितेन्द्र मर्सकोले ,दिवाकर कुंजाम सहित आदिवासी महारानी दुर्गावती गोंडवाना समिति मानेगांव के पदाधिकारी सदस्य एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

भौरगढ़ सरपंच के खिलाफ ग्रामीणों ने की अनिश्चितकालीन हड़ताल

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर चार दिन से कर रहे हड़ताल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भौरगढ़ के सरपंच देवेन्द्र बारेवार के खिलाफ वहाँ के ग्रामीणों ने ग्राम हित में कार्य नही करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफमोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर बाजार चौक में स्थित सभा मंच के सामने १९ फरवरी से अनिश्चितकालीन कालीन हड़ताल पर बैठ गए है। फिलहाल विगत तीन दिनों से किसी भी जनप्रतिनिधि या अधिकारी के द्वारा हड़ताल स्थल पर आकर मुलाकात नही की गई है। जिससे ग्रामीण आक्रोशित है और भविष्य में मांगे पूरी नही होने पर भूख हड़ताल करने की बात कर रहे है।

यह है मामला

शिकायत कर्ता ग्रामीण सुरेंद्र बड़ीचारर्या, विक्रांत भंडारकर, थानेद्र बारेवार, सुशील उके, चन्द्रप्रकाश डोहरे, तारेंद बारेवार, नितेश मुड़े,संजय राउत सहित अन्य लोगों का आरोप है कि सरपंच देवेन्द्र बारेवार के द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि खसरा क्रमांक २५२/१,२५२/२ मनोरंजन भवन के पास प्रयाप्त भूमि होने के बावजूद भी वह उसे बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में निर्माण करवाना चाहते है जो कि न्यायसंगत नहीं है और उनका यह कार्य जनहित में नहीं है। हम सभी हड़ताल कर रहे लोगों के अलावा अन्य ग्रामवासियों ने कई बार सरपंच को मीटिंग के माध्यम से समझाने की कोशिश की है। लेकिन सरपंच ने हमेशा बातों को टाल दिया। वह हमेशा कहते है कि कांजीहाउस एवं मनोरंजन भवन की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक २५२/२ पर स्टे लगा हुआ है कहकर गुमराह करने का कार्य करते हुए सामुदायिक भवन का निर्माण नही कर रहे है। यह कि शासन प्रशासन के द्वारा प्रस्तावित भूमि पर स्थगन आदेश जारी करके ग्राम वासियों को गुमराह में रखना एवं जनहित के कार्य को बाधित करके रखना न्यायसंगत नहीं है। इस संबंध में शिकायत सीईओ खैरलांजी, जिला सीईओ बालाघाट, कलेक्टर बालाघाट, एसडीएम वारासिवनी को भी की गई है। लेकिन अब तक किसी प्रकार की कार्यवाही नही होने से सरपंच और उनके संबंधित सहयोगियों के हौसले बुलंद है और उनका मनोबल बढ़ रहा है।

ग्रामीणों की यह है मुख्य तीन मांगे

ग्रामीणों की मांग है कि प्रस्तावित भूमि खसरा क्रमांक २५२/२ से अतिक्रमण हटाया जाए, ग्राम पंचायत के द्वारा प्रस्तावित भूमि खसरा क्रमांक २५२/१,२५२/२ के अंश भाग में सामुदायिक भवन एवं शौचालय का निर्माण किया जाए, शासकीय आबादी भूमि खसरा क्रमांक २५२ पर स्थगन आदेश करने वाले संबंधित अधिकारी के विरुद्ध जांच कर निलंबित किया जाए। सभी का कहना है कि यदि आंदोलन के दौरान किसी प्रकार की कोई अप्रिय स्थिति निर्मित होती है तो उसके लिए सरपंच देवेन्द्र बारेवार प्रस्तावित भूमि के अतिक्रमणकारी सरपंच के सहयोगी एवं संबंधित शासन प्रशासन जिम्मेदार रहेंगे।

हम जनता के सहयोग में है स्टे हटने का इंतजार है- देवेन्द्र बारेवार

इस संबंध में सरपंच देवेन्द्र कुमार बारेवार ने बताया कि वह हमेशा जनता के सहयोग में है। अतिक्रमण वाली भूमि पर स्टे मिला है ऐसा मालूम हुआ है। जैसे ही स्टे हटता है हम उक्त भूमि सहित अन्य भूमि जहाँ सामुदायिक भवन प्रस्तावित है उस पर उचित ले आउट लेकर कार्य प्रारंभ कर देंगे।

इनका कहना है

मामला संज्ञान में है दोनों पक्षों के अपने अपने तर्क है। उच्चाधिकारियों के भी संज्ञान में यह मामला है। जैसे वरिष्ट अधिकारियों के आदेश होंगे उस आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

वृंदावन मीना
सीईओ जनपद पंचायत खैरलांजी

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के टिहलीबाई शासकीय माध्यमिक शाला प्रांगण में २२ फरवरी को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक विभिन्न संगठनों के जिलाध्यक्षो की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें सर्वसम्मति के माध्यम से वारासिवनी विकासखण्ड की कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें रोशनलाल नगपुरे ब्लॉक अध्यक्ष, कमल बोरकर सचिव, दिनेश वशिष्ठ कोषाध्यक्ष, जितेन्द्र तिवारी सहसचिव, रुपकिशोर बिसेन को संयोजक मनोनीत किया गया। तत्पश्चात् १४ फरवरी को सर्वप्रथम अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा की खैरलांजी विकासखण्ड की कार्यकारिणी का गठन किया गया था। ऐसे में वारासिवनी खैरलाँजी की कार्यकारणी का सम्मान किया गया। तत्पश्चात उपस्थित जनों के द्वारा अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के गठन का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार कर राष्ट्र का निर्माण करना एवं अध्यापको एवं शिक्षकों की समस्याओ के निराकरण जैसे प्रथम नियुक्त दिनांक से वरिष्ठता एवं अध्यापक संवर्ग को पुरानी पेंशन दिलाना मुख्य उद्देश्य के बारे में विस्तार पूर्व बताते हुए आगामी समय में किए जाने वाले कार्यों की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस ,मध्यप्रदेश शिक्षक संघ ,राज्य अध्यापक शिक्षक संघ ,प्रान्तीय शिक्षक संघ, शासकीय अध्यापक शिक्षक संघ, एनएमओपीएस संघ ,पीएमयूएम संघ के जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

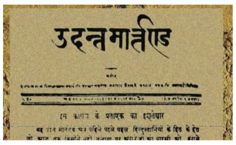
उदन्तमार्त्तण्ड

बृहस्पतिवार को इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से डरता नहीं है, बल्कि उसने इसमें अपना भविष्य देखा है।

देश की मेधा क्षमता पर भरोसा

दिग्गज डिजिटल कंपनी गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने नई दिल्ली में चल रहे एआई शिखर सम्मेलन में अगर एआई के क्षेत्र में भारत की मौजूदा स्थिति को अद्वितीय बताया, तो उसकी मुख्य वजह है-उपयोगकर्ताओं की बड़ी आबादी, नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रतिभाओं का विशाल पुल और नियम आधारित वैश्विक एआई शासन में भारत का दमदार हस्तक्षेप। बृहस्पतिवार को इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से डरता नहीं है, बल्कि उसने इसमें अपना भविष्य देखा है। एआई के सुरक्षित, जिम्मेदार और सहयोगात्मक उपयोग के लिए वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माने जाने वाले इस सम्मेलन में पिचाई ने विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर की लागत से एआई हब बनाने की गूगल की प्रतिबद्धता को दोहराया, जो देश में गीगावाट क्षमता वाली कंप्यूटिंग सुविधा और अंतरराष्ट्रीय सब-सी केबल गेटवे के विकास में महत्वपूर्ण है। भारत-अमेरिका कनेक्ट के तहत घोषित सब-सी केबल गेटवे के विकास से दो महाद्वीपों के बीच संचार संपर्क को बढ़ाने में मदद मिलेगी और इंटरनेट ट्रैफिक सुचारु होगा। इसके अलावा, गूगल द्वारा छात्रों एवं युवा पेशेवरों के लिए एआई से संबंधित पेशेवर सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू करने से कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा। पिचाई का यह कहना समझा जा सकता है कि भारत में एआई सदियों पुरानी कमियों को दूर करने और नए अवसर पैदा करने का मौका देता है, क्योंकि यहां उद्यमिता का परिवेश तेजी से विकसित हो रहा है और कई स्वदेशी कंपनियां तेजी से विकास कर रही हैं। भारतीय उद्यमिता परिवेश के बारे में सुंदर पिचाई की सकारात्मक टिप्पणी दिग्गज तकनीकी कंपनियों की भावनाओं को दर्शाती है, जो भारत की क्षमता पर भरोसा करती हैं और यहां निवेश की खातिर उत्साहित भी हैं। वास्तव में, कंपनियों के इस उत्साह के पीछे सरकार की नीतिगत पहल का भी हाथ है, जिसके चलते न केवल भारत में व्यापार सुगमता बढ़ी है, बल्कि नियामक स्थिरता ने भी निवेशकों को आश्वस्त किया है। पर जैसा कि कई तकनीकी दिग्गजों ने रेखांकित किया, वैश्विक प्रतिस्पर्धा में प्रमुख दावेदारी करने के लिए भारत को अपने मौजूदा 1.2 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ाना होगा। अनुसंधान एवं विकास पर खर्च बढ़ाने से आम लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान करने के अवसर तो मिलेंगे ही, रोजगार की नई संभावनाएं भी पैदा होंगी।

भारत की कहानी फिर से कहने का वक्त

-एस प्रसन्नराजन संपादक, ओपन मैगजीन

जैसा हमने पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया के वक्त देखा, जब अंतरराष्ट्रीय मीडिया ऐतिहासिक तथ्यों की अनदेखी करते हुए भारत और पाकिस्तान को एक ही पलड़े पर दिखाने के लिए उतारू हो, यह जरूरी हो जाता है कि हम दुनिया को उस भारत की कहानी याद दिलाएं, जिसका आरंभ सैकड़ों ईसा पूर्व हुआ था।

यह ऐसा समय है, जब भारत को अपनी कहानी दुनिया को बताने की आवश्यकता महसूस हो रही है, जो प्रचलित ज्ञान को जटिलताओं से चुनौती देते वक्त रूढ़िबिद्ध धारणाओं और कुछ मामलों में तो आदर्शों पर वापस आ जाती है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की प्रभावी सैन्य प्रतिक्रिया, अंतरराष्ट्रीय मीडिया में कुछ लोगों के लिए एक और अवसर था, जिससे धार्मिक आतंकवाद के सबसे मुखर प्रवर्तक (पाकिस्तान) द्वारा शुरू किए गए संघर्ष को घृणा और अविवेक से प्रेरित दो परमाणु शक्तियों के बीच अपरिहार्य निकट-युद्ध परिदृश्य में बदल दिया गया, तथा इस ऐतिहासिक तथ्य को कम महत्व दिया गया कि यह असमानों के बीच संघर्ष था।

एक तरफ एक सैन्य-इस्लामी शासन है, जिसका लोकतांत्रिक आवरण कमजोर है। दूसरी तरफ एक लोकतांत्रिक देश है, जिसके पास वह सब कुछ है, जो एक लोकतंत्र ऐसे समाज में प्राप्त कर सकता है, जो एकरूपता और वैचारिक द्वैधता को चुनौती देता है। इसने उन विश्लेषणों को नहीं रोका है, जो क्षेत्र पर एक प्रामाणिक विवाद में भयावहता की उत्पत्ति की तलाश करते हैं-जब कोई विवाद नहीं होता है, लेकिन केवल एक आधे-अधूरे राज्य के दावे होते हैं। कभी-कभी राष्ट्रों को रूढ़िवाद से छनकर आई सच्चाई से भरी दुनिया को अपनी कहानियां बताने की जरूरत होती है। भारतीय कहानी बताने का सही समय आ गया है। शायद उक्त अनुच्छेद का जिक्र किए बगैर भी मैं ब्रिटिश संग्रहालय की महत्वाकांक्षी प्रदर्शनी में प्रवेश कर सकता था। कई बार सुर्खियों को इतिहास के दूर के छोर से स्पष्ट किया जाता है। एनसिएंट इंडिया: लिविंग ट्रेडिशंस सभ्यतागत स्मृति के माध्यम से पवित्र भूमि की एक विस्तृत और उत्कृष्ट खोज है।

200 ईसा पूर्व से 600 ईसवी तक फैले हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म के प्राचीन स्वरूप का पता लगाते हुए यह जीवंतता सामने आती है कि कैसे मूल रूप से प्रकृति से प्रेरित और तात्विक परिशुद्धता के साथ गढ़े गए रूपांकनों और रूपकों ने उस दुनिया के द्वार खोल दिए, जो कहती थी- भक्ति ही नियति है। सर्वाधिक दयालु यक्ष और यक्षी, अपनी टेराकोटा अभिव्यक्तियों में क्रूर हैं, लेकिन उनकी मनोदशाएं आस्था के दूरस्थ पहलुओं को भी दर्शाती हैं। ब्रिटिश संग्रहालय के सेन्सबरी बिंग के कमरा नंबर 30 में ये आदिम व्यक्तित्व हमें धर्मों की पृष्ठभूमि की ओर ले जाते हैं, जिनमें मानवरूपी देवी देवता, भगवान और अवतार हैं, और उनमें से नाग और नागिनियां अपने कुंडलित रहस्य के साथ खड़े हैं। यह प्रदर्शनी भारत में जन्मे तीन महान धर्मों को आस्था के बारे में प्राच्य रूढ़िवादिता से मुक्त करने के लिए पर्याप्त स्थान देती है, जो कि शाश्वत रूप से नीरस है।

विष्णु के अवतारों, गणेश की दृष्टि, 50 ईसा पूर्व से भक्तों के बीच बुद्ध की एक अवशोषित अनुपस्थिति का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व, जैन जगत के तीन भाग, उन लोगों की कल्पना में बताई गई आस्था की विकासात्मक कहानी में से कुछ नाम हैं, जिन्होंने इसे पहले जीया और यही भारतीय संस्कृति की आधारभूत समृद्धि है। यह प्रदर्शनी इन धर्मों की यात्रा को दर्शाती है, तथा भक्ति के चित्रण में औपचारिक बदलाव करते हुए भारत से आगे श्रीलंका और दक्षिण-पूर्व एशिया तक की यात्रा को दर्शाती है। शायद यह आस्था की तरलता ही है, जिसने हिंदू धर्म को प्रबुद्ध लोगों की निगरानी और शास्त्रीय परंपराओं की कैद से मुक्त जीने की अनुमति दी। प्रदर्शनी का उपशीर्षक, %जीवित परंपराएं%, दर्शकों को याद दिलाता है कि मनुष्य की शाश्वतता की भावना सांस्कृतिक स्मृति की ऋणी है। कुछ दर्शक हमारे समय के सांस्कृतिक प्रलोभन के आगे झुक सकते हैं: अतीत को वर्तमान के टूटे हुए चश्मे से देख सकते हैं। वे तर्क दे सकते हैं कि महान त्रिदेवों की सुंदर समरूपता और प्राचीन ज्ञान एवं भक्ति के अद्भुत चित्रण वाले इस तरह के शो से निश्चित रूप से हिंदू राष्ट्रवादियों में ऊर्जा का संचार होगा, जो हमेशा अपने सांस्कृतिक शस्त्रागार को फिर से भरने के लिए प्राचीन वस्तुओं की तलाश में रहते हैं।

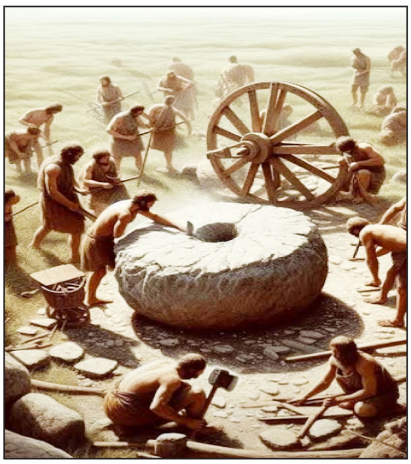

शानदार पुस्तक द सिल्क रोड्स ए न्यू हिस्ट्री ऑफ द वर्ल्ड के लेखक एवं इतिहासकार पीटर फ्रैंकोपन ने फाइनेंशियल टाइम्स में प्रदर्शनी की समीक्षा करते हुए आशंका जताई है- इन धर्मों की स्थानीय उत्पत्ति पर जोर देकर, प्रदर्शनी उन्हें स्वदेशी उत्पत्ति, उत्पादन और प्रसार के संदर्भ में रखती है-कुछ ऐसा, जो भारत में तेजी से बढ़ते समकालीन राजनीतिक रुझानों की ओर मजबूती से खड़ा होता है, जहां ईसाई धर्म सहित अन्य धर्मों, लेकिन इस्लाम को परतों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिन्हें हटाया जा सकता है और (कुछ लोगों के विचार में) हटाया जाना चाहिए।

क्या यह वास्तव में यहां कोई मुद्दा है? यह सिर्फ यह दर्शाता है कि हम अपने अतीत के विशाल परिदृश्य में वर्तमान राजनीतिक रूढियों के अधीन हुए बिना यात्रा नहीं कर सकते। हमने फ्लॉयड की हत्या के बाद के अमेरिका में उस दृष्टिकोण की तीव्रता देखी है, जब पूंजीवाद द्वारा सांस्कृतिक क्रांति को पुन: लागू किया गया, जब इतिहास को वर्तमान की प्रगतिशील मांगों के अनुरूप संशोधित किया गया। कुछ भी पवित्र नहीं था। हर चीज के लिए नई नैतिकता की पुष्टि की जरूरत होती थी। क्या हम राजनीतिक धार्मिकता के बोझ के बिना देखने, पढ़ने और समझने की मासूमियत को पुन: हासिल नहीं कर सकते? अगर हम ऐसा करेंगे, तो प्राचीन भारत को एक अद्भुत कहानी के रूप में बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा।

अब बात आती है लैंगिक गांधीवाद की। इस तनावपूर्ण समय में गांधी का तर्क देना एक उपयोगी आह्वान है, यह अपने आप में एक खबर है। जब ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि जैविक लिंग ही एक महिला को परिभाषित करता है, तो एक बैरिस्टर ने इसे ट्रांस कार्यकर्ताओं की पसंदीदा दुश्मन अंग्रेजी की सबसे अमीर लेखिका, जेके रोलिंग की आलोचना करने का मौका समझा। नवीनतम संडे टाइम्स रिच लिस्ट के अनुसार, उनकी संपत्ति 94.5 करोड़ पाउंड है। संयोग से, वह भी अदालत के विचार से सहमत हैं। अपनी %पुरानी शैली% वाली लैंगिक स्थिति के कारण उन्हें जैसी धमकी का सामना करना पड़ता है, उसकी कोई सीमा नहीं है। विवादास्पद बैरिस्टर, जिन्होंने पहले एक साक्षात्कार में कहा था कि वह गांधी से प्रेरित हैं, ने लेखिका को नारीवाद विरोधी कहा है। इसके बाद सोशल मीडिया पर विवाद शुरू हो गया, जिसमें उन्होंने लिखा: महिलाओं के जीवविज्ञान को खारिज करके महिला शब्द को पुन: परिभाषित करने का प्रयास केवल उन पुरुषों को लाभ पहुंचाता है, जो महिलाओं के संरक्षित स्थानों, खेल, अवसरों और सम्मानों के लिए उत्सुकता से खुद की मदद कर रहे हैं और (बैरिस्टर जैसे प्रचारक) मानते हैं कि वे इतिहास में लिंगवाद के गांधी के रूप में जाने जाएंगे। बेचारे गांधी, हमेशा की तरह वह बिना किसी बहस में हिस्सा लिए ही हार गए।

मनुष्य का कर्तव्य है कि वह स्वयं को सुधारे, अपने मन को विकसित करे, और जब वह स्वयं को भटकता हुआ पाए, तो नैतिक नियमों को खुद पर लागू करे। शांति हम सबके हृदय से शुरू होती है।

-इमैनुएल कांट(विचारक / लेखक)

शांति स्वप्न नहीं, लक्ष्य है

शांति कोई संयोग नहीं है, न ही यह केवल तलवारों का चुप हो जाना है। यह एक ऐसी व्यवस्था है, जो स्वतंत्रता, न्याय और नैतिकता पर आधारित है। मैंने सपना देखा है कि राष्ट्र एक संघ बनाएं, जहां कोई देश दूसरे पर आधिपत्य न जमाए। गणतांत्रिक शासन शांति की नींव है। यदि आप चाहते हैं कि युद्ध का अंत हो, तो प्रत्येक राष्ट्र को गणतांत्रिक होना चाहिए, क्योंकि जनता, जो युद्ध का दुख भोगती है, कभी इसे स्वेच्छा से नहीं चुनेगी। मेरे विचार में, व्यापार और आतिथ्य का अधिकार भी शांति को बढ़ावा देता है, क्योंकि जब लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं, तो वे युद्ध के बजाय सहयोग चुनते हैं। कोई भी गुप्त संधि नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह युद्ध को जन्म देती है। शांति केवल तभी संभव है, जब मनुष्य अपने कर्तव्यों को तर्क और नैतिकता के आधार पर निभाए। मनुष्य का कर्तव्य है कि वह स्वयं को सुधारे, अपने मन को विकसित करे, और जब वह स्वयं को भटकता हुआ पाए, तो नैतिक नियमों को अपने ऊपर लागू करे। शांति हम सबके हृदय से शुरू होती है। युद्ध की जड़ें अज्ञानता और स्वार्थ में हैं। यदि आप शांति चाहते हैं, तो अपने भीतर के अहंकार को हराओ। शांति कोई स्वप्न नहीं, बल्कि एक लक्ष्य है। एक ऐसी दुनिया बनाएं, जहां तर्क और नैतिकता का राज हो, जहां कोई भय न हो, केवल प्रेम और सहयोग हो। यह हमारा कर्तव्य है, क्योंकि शांति के बिना मानवता का कोई भविष्य नहीं। पृथ्वी पर शांति स्थापित करने के लिए, मनुष्यों को नए प्राणियों के रूप में विकसित होना चाहिए।

जीवन में स्थायी शांति प्राप्त करने के लिए मानव चेतना में एक मौलिक बदलाव की आवश्यकता है। इसका तात्पर्य है कि हमारा वर्तमान दृष्टिकोण, जो अक्सर व्यक्तिगत या सीमित समूह हितों पर केंद्रित होता है, को एक अधिक समग्र दृष्टिकोण में विकसित होने की आवश्यकता है, जो सभी चीजों की परस्पर संबद्धता को पहचानता है और सामूहिक कल्याण को प्राथमिकता देता है। बिना विषय-वस्तु के विचार खोखले हैं, बिना अवधारणाओं के अंतर्ज्ञान अंधे हैं, समझ कुछ भी नहीं समझ सकती, इंद्रियां कुछ भी नहीं सोच सकतीं। केवल उनके मिलन से ही ज्ञान उत्पन्न हो सकता है। मनुष्य और उसकी नैतिक प्रगति की क्षमता के बिना, संपूर्ण वास्तविकता एक निर्जन स्थान, एक व्यर्थ चीज होगी, और उसका कोई अंतिम उद्देश्य नहीं होगा। शाश्वत शांति केवल मृत्यु के बाद ही मिलती है, लेकिन जब तक हम जीवित हैं, हमेशा आगे बढ़ते हैं। मनुष्य अपनी अज्ञानता और दूसरों पर निर्भरता से मुक्त होकर, अपनी समझ और तर्क का उपयोग करके, स्वतंत्र रूप से सोचने और कार्य करने की क्षमता प्राप्त करता है और यहीं से जीवन में शांति के बीज अंकुरित होते हैं। शांति जीवन का गीत है। मन की चुप्पी, प्रेम की भाषा और न्याय का मार्ग है।

सूत्र- खुद को सुधारते रहें

हमारे जीवन का एक ही कर्तव्य है कि जब तक हमारी सांस चल रही है, तब तक स्वयं को सुधारें, अपने भीतर के अहंकार को नष्ट करें। अपना ध्यान स्वयं की शांति पर केंद्रित करें, जिससे आपके आसपास सब कुछ शांत और सुंदर हो जाएगा। जब भी स्वयं को भटकता हुआ पाएं, तो नैतिक नियमों को अपने ऊपर लागू करें।

दूसरा पहलू

अर्थ ओवरशूट डे की तिथि हर साल पीछे खिसकती जा रही है। बीते वर्ष से यह तारीख इस बार आठ दिन पीछे आ गई है।

सातवें महीने में ही साल भर के संसाधन खत्म

अर्थ ओवरशूट डे सिद्धांत का प्रतिपादन सर्वप्रथम ब्रिटेन की न्यू इकनॉमिक्स फाउंडेशन में कार्यरत एंड्र्यू सिम्स ने 2006 में किया था। उनके अनुसार, पृथ्वी एक साल में जितने संसाधनों का उत्पादन करती है, दुनिया भर की आबादी उन संसाधनों का उपभोग वर्ष पूरा होने से पहले जिस दिन तक कर लेती है, उस अनुमानित तिथि को अर्थ ओवरशूट डे कहा जाता है। यह पृथ्वी की जैव-क्षमता और मानवता के पारिस्थितिक पदचिह्न के बीच अंतर को दर्शाता है।

1971 में पूरे वर्ष के लिए उपलब्ध संसाधन जहां 25 दिसंबर तक उपभोग किए जाते थे, जो इस बार 24 जुलाई को ही समाप्त हो रहे हैं।

ग्लोबल फुटप्रिंट नेटवर्क के अनुसार, 2025 में अर्थ ओवरशूट डे 24 जुलाई को पड़ेगा। अर्थात मानवता, पृथ्वी द्वारा उपलब्ध कराए गए प्राकृतिक संसाधनों और सेवाओं के वार्षिक बजट का उपभोग वर्ष के 205वें दिन में ही पूरा कर लेगी। शेष 160 दिनों तक वह संसाधनों के जिस हिस्से का उपभोग करेगी, वह प्रकृति या भावी पीढ़ी से लिया जाने वाला उधार होगा। दरअसल, बढ़ती आबादी, संसाधनों के विवेकपूर्ण नियोजन के अभाव, उपभोक्तावादी संस्कृति के प्रसार और टिकाऊ विकास नीतियों की कमी के कारण अर्थ ओवरशूट डे की तिथि साल-दर-साल पीछे की ओर खिसक रही है। वर्ष 1971 में पूरे वर्ष के लिए उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन जहां 25 दिसंबर तक उपभोग किए जाते थे, अब ये 24 जुलाई यानी वर्ष के सातवें महीने में ही समाप्त होने जा रहे हैं। वर्ष 2024 (एक अगस्त) की तुलना में यह तिथि आठ दिन और पीछे खिसक चुकी है। अर्थ ओवरशूट डे की घटती अवधि बताती है कि मानव द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का बड़ी तेजी से दोहन किया जा रहा है। मानवता के समस्त उपभोगों को पूरा करने के लिए आज एक पृथ्वी की नहीं, अपितु 1.8 पृथ्वी की आवश्यकता पड़ेगी। सवाल यह है कि संसाधनों की आवश्यकता से अधिक उपभोग की प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर हम भावी पीढ़ी के लिए उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का कौन-सा हिस्सा सहेज कर रख पाएंगे? औद्योगिक और आधुनिक विकास के नाम पर आज जिस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय किया जा रहा है, उसके कारण न सिर्फ संसाधनों के स्रोत समाप्त हो रहे हैं, बल्कि प्रदूषण, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, जल संकट, जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ आर्थिक विषमता की समस्या भी गहराती जा रही है। हालांकि, उरुग्वे दुनिया का पथ-प्रदर्शक है, जिसका अर्थ ओवरशूट डे इस वर्ष 17 दिसंबर को है। संसाधन नियोजन और नवीकरणीय संसाधनों पर जोर देकर वह संसाधनों के बेतहाशा दोहन को रोकने में कामयाब रहा है। इस दिशा में सभी देशों को ठोस पहल करने की दरकार है।

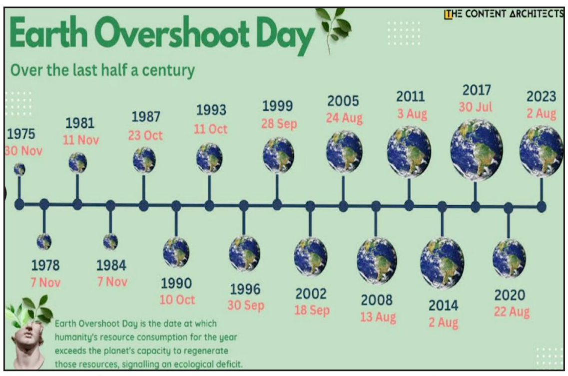

अर्थ ओवरशूट डे की घटती अवधि बताती है कि प्राकृतिक संसाधनों का बड़ी तेजी से दोहन किया जा रहा है। समस्त उपभोगों को पूरा करने के लिए आज एक पृथ्वी की नहीं, अपितु 1.8 पृथ्वी की आवश्यकता पड़ेगी।

-सुधीर कुमार (लेखक)

मुद्दा

हाईवे जितना ही जरूरी है हादसे रोकना

यह बात बहुत हैरान करने वाली है कि भारत में दुनिया के सिर्फ एक प्रतिशत वाहन हैं, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतें 11 प्रतिशत हैं। पिछले चार वर्षों में भारत की सड़कों पर इतने लोग काल के गाल में समा गए, जितनी फिनलैंड की कुल आबादी है। रोड एक्सीडेंट इन इंडिया रिपोर्ट बताती है कि 2018 से 2022 के बीच पांच वर्षों में 7.77 लाख मौतें हुईं। इनमें सबसे ज्यादा 1.08 लाख उत्तर प्रदेश, 84 हजार तमिलनाडु और 66 हजार के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रहा।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में बताया कि वर्ष 2024 में लगभग पांच लाख दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1.80 लाख लोगों की मौतें हुईं। इससे भी ज्यादा विचलित करने वाली बात यह है कि हर दिन औसतन 42 बच्चे और 31 किशोर सड़कों पर जान गंवा बैठते हैं। सड़क पर एक भी बच्चे की मौत एक पूरे परिवार को जीवन भर के लिए अवसाद में डाल देती है। जैसा भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ हुआ। हैदराबाद में तेज रफ्तार से सुपरबाइक चलाते हुए उनके बेटे और भतीजे की दुर्घटना में मौत हो गई। एक और ऐसी सडक दुर्घटना हुई, जिसके बारे में विशेषज्ञ भी बातें करते हुए चिंतित हो जाते हैं। उस दुर्घटना में टाटा संस के पूर्व चेयरमैन और टाटा मोटर्स के शीर्ष अधिकारी सायरस मिस्त्री की सड़क पर ही मौत हो गई। वह एक लग्जरी कार की पिछली सीट पर बैठे हुए थे, लेकिन उन्होंने सीट बेल्ट नहीं बांधा था, जिससे वह कार की विंडो से बाहर गिर गए। यह दुर्घटना एक उदाहरण है कि कैसे भारत में पढ़े-लिखे जानकार लोग भी लापरवाही करते हैं। यहां जागरूकता का सवाल नहीं है। यहां तो सिर्फ और सिर्फ लापरवाही का मामला है। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ का मानना है कि भारत में इतनी ज्यादा मौतों पर सभी को जगना होगा, कानूनों का सख्ती से पालन करना होगा, सड़कों को सुरक्षित बनाना होगा व सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। देश में हर दिन 34 किलोमीटर हाईवे बन रहे हैं, पर सड़क दुर्घटनाओं से बचने के बारे में वहां पर कोई ठोस समाधान नहीं है। डिजाइन संबंधी बदलाव तो हुए हैं और कुछ काम भी हुए हैं, लेकिन अभी काफी कुछ करना होगा। आंकड़े भयावह हैं। तेज गति में गाड़ी चलाने से 75.2 प्रतिशत, गलत दिशा में गाड़ी चलाने से 5.8 प्रतिशत और शराब या नशे के प्रभाव में ड्राइविंग करने से 2.5 प्रतिशत मौतें होती हैं। हादसों में 86 प्रतिशत पुरुष और 14 प्रतिशत महिलाओं की मौत रिकॉर्ड की गई है। 67.2 प्रतिशत मौतें ग्रामीण इलाकों में और 32.2 प्रतिशत शहरी इलाकों में होती हैं। हादसों के लिए नेशनल हाईवे सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। वर्ष 2022 में हर सौ किलोमीटर पर 45 मौतें दर्ज की गईं। निमहांस/रासी के अनुसार, 24 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में हुए हादसों में जान जाती है, जिनमें से 50 प्रतिशत घटनास्थल पर ही दम तोड़ देते हैं। अधिकतर मामलों में सिर या शरीर के निचले हिस्से में चोट लगती है। 82 प्रतिशत घातक सड़क दुर्घटनाएं बच्चों के साथ हुईं। स्पीड थ्रिल्स बट किल्स की थ्योरी के अनुरूप, भारत में बाइक दुर्घटनाओं की तादाद हर दिन बढ़ती जा रही है। उत्साही नौजवान न केवल लापरवाही से दोपहिया चलाते हैं, बल्कि हेलमेट भी नहीं पहनते। इसका नतीजा है कि हर साल ऐसे 10,000 चालकों की मौत हो जाती है। एनसीआरबी की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, 14 वर्ष तक के 25 प्रतिशत और 14 से 17 वर्ष के 75 प्रतिशत किशोर सड़क हादसों के शिकार हुए। दस राज्यों में 40 प्रतिशत बच्चों और किशोरों की सड़क हादसों में मौत हुई। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें पैदल चलने वालों और दोपहिया सवारों की होती हैं। इनमें 40.7 प्रतिशत दोपहिया चालक, 16.9 प्रतिशत पैदल यात्री भारी वाहनों की चपेट में आए। वहीं 14.1 प्रतिशत कार सवार, 8.8 प्रतिशत ट्रक/लॉरी और 4.5 प्रतिशत तिपहिया (ऑटो रिक्शा) सवार हादसे का शिकार हुए। आज के बच्चे कल के नागरिक हैं, इसलिए उन्हें स्कूल, कॉलेजों से ही यातायात के नियमों का पालन करने के लिए प्रोरित किया जाना चाहिए।

-मधुरेंद्र सिन्हा

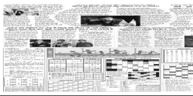

तेल-तिलहन और कपास बाजार में दबाव, सोयाबीन तेल में मामूली सुधार

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार की ओर से पुराने स्टॉक की बिक्री और नयी फसल की आवक शुरू होने से सरसों और सरसों तेल-तिलहन के दाम गिर गए। अगले 10-15 दिन में आवक बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों पर और दबाव रहेगा। महंगे सरसों तेल की खपत तभी बढ़ेगी जब इसका दाम सोयाबीन तेल से 5-7 रुपये प्रति किलो कम होगा। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की कमजोर स्थानीय मांग और सरकारी बिक्री के कारण सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई। हालांकि, सोयाबीन तेल की आयात कम होने और मांग बने रहने से कीमतों में मामूली सुधार देखा गया। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही, वहीं मजबूत आय वर्ग में साबुत मूंगफली और गुणवत्ता वाले तेल की स्थिर मांग बनी है। मूंगफली की खराब धारणा से बिनौला तेल के दाम भी नीचे गए। मलेशिया एक्सचेंज में तेजी के कारण पाम और पामोलीन के दाम बढ़े। अमेरिकी शुल्क फैसले के रद्द होने का असर अगले सप्ताह स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 235 रुपये की गिरावट के साथ 6,675-6,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 400 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 65-65 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,325-2,425 रुपये और 2,325-2,470 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश: 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 5,275-5,325 रुपये और 4,875-4,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,000 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 11,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरकारी बिकवाली के दबाव में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही। मूंगफली तिलहन 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,950-7,425 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,675-2,975 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। बीते सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 75 रुपये के सुधार के साथ 11,800 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 13,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 75 रुपये के सुधार के साथ 12,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का दाम भी 100 रुपये की गिरावट के साथ 12,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर लगा ब्रेक!

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली अंतरिम व्यापार समझौते (ट्रेड डील) पर बातचीत फिलहाल टल गई है। दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों की जो अहम बैठक 23 फरवरी से वॉशिंगटन में शुरू होने वाली थी, उसे अब आगे की तारीख के लिए टाल दिया गया है। इस बैठक में भारत की ओर से वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव दर्पण जैन मुख्य वार्ताकार थे और भारतीय टीम तीन दिन तक अमेरिका में चर्चा करने वाली थी। इस बैठक का मकसद अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी दस्तावेज को अंतिम रूप देना था। दरअसल, यह पूरा मामला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ फैसलों से जुड़ा हुआ है। ट्रंप ने हाल ही में सभी देशों पर पहले 10 प्रतिशत और फिर बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है। इससे पहले अमेरिका ने 2025 में भारत पर कुल 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया था, जिसमें से 25 प्रतिशत पहले ही हटाया जा चुका है। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल में ट्रंप के पुराने टैरिफ फैसलों को अवैध बताया था और कहा था कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों से ज्यादा कदम उठाए। इसी वजह से अब व्यापार नीति को लेकर स्थिति थोड़ी अनिश्चित बनी हुई है। अगर नई 15 प्रतिशत ड्यूटी लागू होती है, तो यह पहले से लगने वाले आयात शुल्क के ऊपर लगेगी। यानी किसी उत्पाद पर अगर पहले 5 प्रतिशत ड्यूटी है, तो कुल मिलाकर वह 20 प्रतिशत हो जाएगी।

अगले महीने होना था ट्रेड डील पर हस्ताक्षर

दोनों देशों ने पहले ही इस साल मार्च तक अंतरिम ट्रेड डील पर हस्ताक्षर करने और अप्रैल से उसे लागू करने का लक्ष्य रखा था। यह समझौता भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारत के करीब 18 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को जाते हैं। 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार करीब 186 अरब डॉलर का रहा था।

इस ट्रेड डील के कारण भारत का टैरिफ घटा था

कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने 7 फरवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के साथ ट्रेड डील की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है। इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपए) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई। इसके बाद अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क जारी किया गया था। इसके तहत ही भारतीय सामान पर अमेरिका का टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी हटा लिया गया था।

भारत पर कितना टैरिफ लगेगा

अब ट्रम्प के टैरिफ में बदलाव से भारत पर लगे टैरिफ को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है कि भारत को 18 प्रतिशत टैरिफ देना होगा या 15 प्रतिशत। इसकी दो वजहें हैं-राष्ट्रपति ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह पहले की तरह आगे बढ़ेगी। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया ब्रिटेन, भारत और यूरोपीय संघ सहित अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों को अब धारा 122 के तहत 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ का ही सामना करना पड़ेगा, न कि उस टैरिफ दर का जिस पर उन्होंने पहले बातचीत की थी। इस आधार पर शनिवार के ऐलान के बाद 15 प्रतिशत रहेगा। भारत पर कुल टैरिफ 18 प्रतिशत घटकर 15 प्रतिशत रह जाएगा, जबकि ट्रम्प का बयान 18 प्रतिशत टैरिफ की ओर इशारा कर रहा है।

टैरिफ बदलाव से भारत-अमेरिकी ट्रेड डील संकट में

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर सहमति बन गई थी और इसे लेकर फ्रेमवर्क जारी हो चुका है। दोनों देशों ने कहा था कि इस फ्रेमवर्क को जल्द लागू किया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह फ्रेमवर्क 13 फरवरी 2025 को शुरू हुई भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते वार्ता को आगे बढ़ाएगा।

शेयर बाजार पर दिखेगा अमेरिकी आयात शुल्क में बदलाव का असर

मुंबई। एजेंसी। भारत का शेयर बाजार पिछले सप्ताह तेज बढ़त के साथ बंद हुआ और निवेशकों की निगाहें अब इस सप्ताह पर टिकी हैं। इसका प्रमुख कारण अमेरिका में आयात शुल्कों में हाल ही में हुए बदलाव हैं, जो वैश्विक व्यापार और निवेश धाराओं पर सीधे असर डालते हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए ऊंचे आयात शुल्कों को रद्द कर दिया, जिससे वैश्विक बाजारों में नई उम्मीदें जगी हैं। इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन ने 20 फरवरी को घोषणा की कि सभी देशों के लिए 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत आयात शुल्क लागू होगा, जो 24 फरवरी से प्रभावी होगा। हालांकि, 21 फरवरी को ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी गई है, लेकिन अभी तक

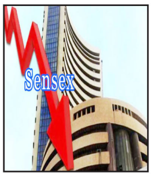

इसके लिए कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। इस कदम से वैश्विक व्यापार और अमेरिकी आयात नीति पर अस्थिरता के बावजूद, निवेशकों में सकारात्मक उम्मीदें बनी हैं। भारत-अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का प्रावधान किया था। अगर अमेरिकी प्रशासन वास्तव में इस दर को 10-15 प्रतिशत तक कम करता है, तो भारतीय उत्पाद अमेरिका में सस्ते होंगे, जिससे निर्यात बढ़ सकता है। यह स्थिति भारतीय कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन और विदेशी निवेश प्रवाह के लिए लाभकारी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी आयात शुल्क में संभावित कमी से भारतीय शेयर बाजार में लिवाल निवेशकों की संख्या बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप पिछले सप्ताह की तेजी इस सप्ताह भी जारी रहने की संभावना है। विशेष रूप से उन सेक्टर्स में, जो अमेरिका के निर्यात पर निर्भर हैं, निवेशकों की रुचि अधिक रहेगी।

बिजली की बढ़ती खपत से कोयले की मांग में तेजी आने की उम्मीद

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में बिजली की खपत में बढ़ोतरी के चलते कोयले की मांग आने वाले दिनों में तेज होने की संभावना है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के एक प्रमुख अ ?धिकारी ने बताया कि अक्टूबर और नवंबर में बिजली की मांग में नकारात्मक वृद्धि देखने को मिली, लेकिन दिसंबर में यह 6.3 फीसदी बढ़ गई। जनवरी में भी कड़ाके की सर्दी और आर्थिक गतिविधियों में सुधार की वजह से बिजली की खपत बढ़ती रही।

हालांकि, चालू वित्त वर्ष में कोयले की मांग कमजोर बनी हुई है। देश का कोयला क्षेत्र एक अरब टन उत्पादन का रिकॉर्ड बनाने के बाद अचानक मांग में गिरावट का सामना कर रहा है। इससे बड़ी सार्वजनिक कंपनियों और नई वाणिज्यिक खनन कंपनियों की विस्तार योजनाओं में अनिश्चितता पैदा हुई है। एमजंक्शन, जो सेल और टाटा स्टील का संयुक्त उद्यम है, 24-25 फरवरी को कोलकाता में 19वां भारतीय कोयला बाजार सम्मेलन कोआलोसेम- द कोल बैटलग्राउंड का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन में कोयला, बिजली, सीमेंट, स्टील और लॉजिस्टिक्स सहित 36 प्रमुख उद्योगपति अपनी राय साझा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली की खपत में बढ़ोतरी के चलते आने वाले महीनों में कोयले की मांग में मजबूती देखने को मिल सकती है।

जेवर में एचसीएल-फॉक्सकॉन का ओएसएटी संयंत्र लगेगा

2028 तक शुरू होगी 3,700 करोड़ की परियोजना, सरकार देगी 60-70 फीसदी प्रोत्साहन

नई दिल्ली। एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम बुद्ध नगर के जेवर में स्थापित होने जा रहे एचसीएल-फॉक्सकॉन के संयुक्त ओएसएटी संयंत्र को भारत की सेमीकंडक्टर क्षमता के लिए ऐतिहासिक पहल बताया। वर्चुअल माध्यम से आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत तेजी से उन देशों की श्रेणी में शामिल हो रहा है जो आधुनिक उपकरणों के लिए उन्नत चिप्स का निर्माण करते हैं। उन्होंने जोर दिया कि देश सॉफ्टवेयर के साथ-साथ हार्डवेयर क्षेत्र में भी समान गति से प्रगति कर रहा है। करीब 3,700 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस परियोजना का नाम इंडिया ?चिप प्राइवेट लिमिटेड रखा गया है। यह 60-40 की साझेदारी पर आधारित है, जिसमें एचसीएल ग्रुप और फाक्सकॉन शामिल हैं। परियोजना के 2028 तक पूरी तरह संचालित होने की संभावना है। कुल निवेश का लगभग 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा केंद्र और राज्य सरकारों की प्रोत्साहन योजनाओं, विशेषकर इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। यह संयंत्र 48 एकड़ क्षेत्र में विकसित होगा, जिसमें पहले चरण में 15 एकड़ में ओएसएटी सुविधा स्थापित की जाएगी। प्रस्तावित इकाई प्रतिमाह लगभग 20 हजार वेफर्स की प्रोसेसिंग कर सकेगी। यह देश की पहली डिस्प्ले ड्राइवर इंटीग्रेटेड सर्किट ओएसएटी इकाई होगी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अश्विनी और एचसीएल समूह की चेयरपर्सन ने कहा कि यह परियोजना भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मेष- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला परिणाम लेकर आएगा, लेकिन सही सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण से आप इसे अपने पक्ष में मोड़ सकते हैं। मन में किसी के प्रति ईर्ष्या या द्वेष की भावना रखने से बचें, क्योंकि इससे आपकी ऊर्जा व्यर्थ होगी और मन अशांत रहेगा।

वृषभ- आज भाग्य आपका साथ देगा और आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। आप अपनी आय बढ़ाने के नए अवसरों पर ध्यान देंगे और भविष्य को लेकर योजनाएँ भी बनाएंगे। कोर्ट-कचहरी से जुड़ा कोई मामला आपके पक्ष में जा सकता है, जिससे मन को बड़ी राहत मिलेगी। जिन लोगों से रिश्तों में खटास थी, वे बातचीत से सुलझ सकती है और माहौल हल्का महसूस होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए संतुलन और सकारात्मकता लेकर आएगा। आप किसी धार्मिक या आध्यात्मिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं, जिससे मन को शांति मिलेगी। राजनीति या सार्वजनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज ज्यादा उत्साह में आकर निर्णय लेने से बचना चाहिए। आप अपने रहन-सहन के स्तर को बेहतर बनाने के प्रयास करेंगे और खुद पर खर्च करने का मन भी बना सकते हैं।

कर्क- आज का दिन सामान्य लेकिन संतुलित रहेगा। आप किसी नए काम की शुरुआत का विचार कर सकते हैं, लेकिन अनजान लोगों पर तुरंत भरोसा करने से बचें। आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी और इसी कारण आप सही दिशा में कदम बढ़ा पाएंगे। साझेदारी में काम शुरू करने का विचार भी बन सकता है। जीवनसाथी के साथ बिताया गया समय रिश्ते को और गहरा बनाएगा। किसी काम में मदद की जरूरत पड़ेगी और वह समय पर मिल भी जाएगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए खास अनुभव लेकर आएगा। यदि आप दांपत्य जीवन में सामंजस्य बनाकर चलेंगे तो परिवार और भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं, लेकिन आपकी सूझबूझ के आगे उनका प्रयास सफल नहीं होगा। संतान की संगति पर ध्यान देना जरूरी रहेगा, ताकि वे सही दिशा में आगे बढ़ें। घूमने-फिरने की योजना बन सकती है, जिससे मन को ताजगी मिलेगी।

कन्या- आज आपके दिल की कोई इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे मन में संतोष और खुशी दोनों महसूस होंगे। आप जीवनसाथी के लिए कोई खास उपहार लेकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करेंगे। माता-पिता की सेवा में समय देना आपको आत्मिक संतुष्टि देगा। कार्यक्षेत्र में यदि कोई समस्या चल रही है तो वरिष्ठों से खुलकर बातचीत करना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

तुला- आज आपको अपने बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत होगी। कामकाज में व्यस्तता अधिक रहेगी और कुछ ऐसे खर्च सामने आ सकते हैं जिन्हें टालना संभव नहीं होगा। संतान की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है, जिससे मन थोड़ा परेशान रहेगा। किसी पारिवारिक मामले को लेकर भी मानसिक दबाव महसूस होगा, लेकिन धैर्य से स्थिति संभल जाएगी।

वृश्चिक- आज आपके मन में किसी निर्णय को लेकर असमंजस बना रह सकता है, लेकिन अपनी मेहनत पर भरोसा रखना ही आपको सही दिशा देगा। सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी और आप लोगों से जुड़ने में रुचि लेंगे। कामकाज में थोड़ी सावधानी जरूरी है और गुस्से पर नियंत्रण रखना आज सबसे बड़ी सीख साबित होगा।

धनु- आज का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा और आपको अपने जरूरी काम टालने से बचना होगा। पारिवारिक मामलों को मिल-बैठकर सुलझाना ही बेहतर रहेगा, इससे रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। जीवनसाथी के साथ मिलकर किसी नए काम की शुरुआत करने का विचार बन सकता है। मन में चल रही चिंता को पिताजी से साझा करेंगे तो समाधान मिल सकता है।

मकर- आज आपको जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ काम करना होगा। नया प्रोजेक्ट या नई जिम्मेदारी मिलने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। निवेश से जुड़े फैसले लाभदायक साबित हो सकते हैं। खान-पान की आदतों में सुधार लाने से स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। किसी काम में लापरवाही करने से बचें, क्योंकि यही आपकी सफलता की कुंजी है।

कुंभ- आज का दिन चुनौतियों के साथ सीख भी लेकर आएगा। परिवार और दोस्तों का सहयोग आपको हर परिस्थिति में मजबूत बनाए रखेगा। दूसरों के मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप से बचना बेहतर रहेगा। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। लंबी दूरी की यात्रा के योग बन रहे हैं और यह यात्रा आपके लिए अनुभवों से भरी होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए सामाजिक और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में प्रगति का संकेत दे रहा है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और आपके कामों की सराहना होगी। आर्थिक मामलों में किए गए प्रयास सफल होंगे और नौकरी के नए अवसर भी सामने आ सकते हैं। माता-पिता के साथ संपत्ति से जुड़ा कोई मुद्दा उठ सकता है, इसलिए संयमित व्यवहार जरूरी होगा। वाणी पर नियंत्रण रखने से आप कई संभावित विवादों से बच जाएंगे।

शब्दजाल - 8179

श	रा	रो	ज	गा	र	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	का	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	का	म	गा	र	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	अं	गा	र
व	रा	द	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	द	प	ह	ला	उ	ड़	न	आ
श्रं	ट	बु	अं	गा	म	ट	ह	द	ह	गा
गा	जी	वा	ला	र	र	सौ	न	ट	गा	र
र	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	र
र	ल	भं	गा	र	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बे	गा	र	ह	ट

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'गार' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

रोजगार, कामगार, उदगार, भंगार, बेगार, पगार, मददगार, श्रंगार, आगार, अंगार

शब्दजाल - 8178 का हल

प्र	अ	मे	क	रा	म	रा	ज	र	प	म
न	द	क	म	व	डे	ने	ग	ति	मा	हा
अ	रा	र	ला	ण	ग	अं	द	ह	प	रा
जी	ज	ल	का	रा	न	स	ध	ह	लि	ज
त	अ	अ	र	ज	जा	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	धि	त	ह	र	वि
ए	स्व	रा	ज	व	अ	ला	रा	मा	न	रा
त	न	भा	र	प	र्व	त	रा	ज	वि	ज
रा	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
ज	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	मे	घ	रा	ज	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.31 बजे से
चंद्र	मेष में	मेष	09.01 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.41 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.40 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.53 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	17.09 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.21 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.32 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.46 ब.से
राहुकाल		धनु	02.02 बजे से
7.30 से 9.00		मकर	04.08 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.54 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 54 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 09.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 16.34 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 10.19 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 09.10 बजे तदनन्तर गर 20.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 5.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 09° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872629
जूलियन दिन 2461094.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सफलता का मंत्र

एक बार गुरु नानक किसी गांव में प्रवचन कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'सफलता के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आशावा दी होना चाहिए।' प्रवचन खत्म होने के बाद एक भक्त ने पूछा, 'गुरु जी, क्या किसी चीज की आशा करना ही सफलता की कुंजी है?' नानक ने कहा, 'नहीं, केवल आशा करने से कुछ नहीं मिलता। मगर आशा रखने वाला मनुष्य ही कर्मशील होता है।' उस व्यक्ति ने कहा, 'गुरु जी, आप की गूढ़ बातें मेरी समझ में नहीं आ रही हैं।' उस समय खेतों में गेहूं की कटाई हो रही थी। नानक ने कहा, 'चलो मेरे साथ। तुम्हारे प्रश्न का उत्तर वहीं दूंगा।' नानक उस व्यक्ति को अपने साथ लेकर खेतों की तरफचले गए। उन्होंने देखा कि एक खेत में दो भाई गेहूं की कटाई कर रहे थे। बड़ा भाई तेजी से कटाई करता आगे था दूसरा भाई पीछे। नानक उस व्यक्ति के साथ वहीं एक आम के पेड़ के नीचे बैठ गए। दोपहर का समय था। छोटा भाई बोला, 'भइया, आज तो पूरी कटाई हो नहीं पाएगी। अभी तो कटने को बहुत बाकी है। क्यों न कल सुबह आकर काट लेंगे।' बड़े भाई ने कहा, 'अब ज्यादा कहां बचा है। देखता नहीं, थोड़ा ही तो रह गया है। जब हम इन दो कतारों को काट लेंगे तो बाकी बारह कतारें रह जाएंगी। इतना तो आराम से काट लेंगे। कल पर क्यों टालता है।' बड़े भाई की बात सुन कर छोटा भाई जोश में आ गया और उसका हाथ भी तेजी से चलने लगा। नानक ने उस व्यक्ति से कहा, 'तुम्हारे प्रश्न का उत्तर सामने है। छोटा भाई पहले निराश होकर काम बंद करने को कह रहा था लेकिन बड़े भाई ने उसमें जोश जगाया तो छोटा भाई भी तेजी से कटाई करने लगा। इसे कहते है आशावाद। बड़ा भाई आशावादी था। आशावाद का दूसरा नाम संकल्प है। मन में आशा जगेगी तभी संकल्प करोगे और संकल्प में ही मनुष्य की ताकत छुपी हुई है।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7123

1		2		3		■	4		5
	■		■		■	6		■	
7	8		■	9	10	■	11	12	
■		■	13				■		■
14		15		■		■	16		17
	■	18		19	■	20		■	
21	22		■		■		■	23	
■		■	24	■	25	■	26	■	
27						■		■	■
	■	■		■	28				

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 7122

क	ल	यु	ग	■	जा	न	ए	म	न
भी	■	वा	■	दि	ल	■	ला	■	या
अ	क्स	■	शि	वा	■	खा	न	दा	न
ल	■	ठि	का	ना	■	मो	■	■	शा
वि	■	■	र	■	आ	शी	र्वा	द	■
दा	मि	नी	■	भा	ई	■	■	ह	स्ती
ना	■	ल	क्ष्य	■	ना	ला	य	क	■
क	स	म	■	स	■	ट	■	■	मं
ह	■	■	दौ	ड़	■	सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क	■	क	री	ब	■	■	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7432

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7431 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 8647

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	■	8	9		10	■	
11		12	■		■	13		
■	■	14		■	15		■	■
16			■	17	■	18		19
	■	■	20		21	■	■	
22	23	■		■		■	24	
■	25			■	26			■

बाएँ से दाएँ

1. पाबंदी, संयम, पाश-3
3. मनुष्य, इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2
6. नलका, टूंटी
8. प्रलय, महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण, निर्मिती-3
14. हुनर, आर्ट-2
15. उम्मीद, आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल, अनुतीर्ण-3
20. आभास, भास-3
22. वध-2
24. जी, इच्छा, चित-2
25. सब्जी का सड़ना, बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

ऊपर से नीचे

1. हड़ताल, स्थिर, रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम, राहत-3
4. मछली, मत्स्य, राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त, मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण, आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान, इमारत-3
21. कमी, थोड़ा-3
23. तज देना-2
24. इंकार, मनाही-2

शब्द पहेली -8646 का हल

न	भ	■	न	र	म	■	मा	त
म	■	शा	म	■	द	म	■	प
क	न	क	■	ज	■	ना	प	ना
■	मा	■	ख	न	क	■	र	■
रा	ज	द्रो	र	■	स	रो	व	र
■	गा	■	ल	गा	म	■	रि	■
र	ह	न	■	ल	■	मि	श	न
म	■	ख	त	■	पा	त्र	■	जा
ल	य	■	बा	च	क	■	ता	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

पूर्णाहूति के साथ संपन्न हुआ दुल्हापुर में माँ जगतारिणी ग्राम देवी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सामारोह

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

क्षेत्र के ग्राम दुलापुर गांधी चौक में नव निर्मित माँ जगतारिणी ग्राम देवी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव जो कि 17 फरवरी से आयोजित किया गया था जिसका समापन पूर्णाहूति के साथ 22 फरवरी को हुआ। आयोजित कार्यक्रम को लेकर समिति के अध्यक्ष ताराचंद कुचलाहे एवं उपाध्यक्ष भुपेन्द्र रहमतकर सहित सदस्यों ने बताया कि हमारे ग्राम दुलापुर में नव निर्मित माँ जगतारिणी देवी मंदिर में मुख्य रूप गर्भ गृह में माँ दुर्गा देवी की प्रतिमा स्थापित की गई। साथ ही मंदिर में श्री गणेशी जी, शिव लिंग, नदी महाराज, श्री हनुमान जी, श्री भैरवनाथ जी एवं माँ दुर्गा नौ रूप की प्रतिमाऐं प्राण प्रतिष्ठित की गई है। कार्यक्रम के तहत 17 फरवरी को प्रथम दिवस प्रातः बेला में प्रतिमाओं का जल दर्शन, कलश शोभा यात्रा, दशविद्य स्नान, पंचांग पूजन, प्राश्चित संकल्प, पंचानन पूजन, इन्द्रध्वज पूजन, नंदीमुख, श्राद्ध देव दर्शन मंडप प्रवेश का आयोजन किया गया। दुसरे दिन 18 फरवरी को

प्रातः बेला में देव आव्हान, मंडप पूजन, श्री विग्रह जलाधिवास, अग्नि स्थापन संपन्न हुआ। तीसरे दिन 19 फरवरी को प्रातः बेला में मण्डल पूजन, श्री विग्रह अन्नाधिवासी, फलाधिवास एवं पूष्पा धिवास, अग्रिहोत्र, फलाधिवास संपन्न कराने के उपरांत चौथे दिन 20 फरवरी को प्रातः बेला में देव पूजन, श्री गणपति सहस्त्रार्चन, अंबा सहस्त्रार्चन, अग्निहोत्र शय्याधिवास संपन्न कराया गया। 21 फरवरी को प्रातः देव पूजन, श्री विग्रह मंगला शासन देव, अंगादिलेपन, औषधी लेपन, अभृत्य स्नान, श्री विग्रह न्यामर्चन, शंत कुमादि महाभिषेक, अग्निहोत्र आरती संपन्न हुई। कार्यक्रम के अंतिम दिन 22 फरवरी को प्रातः बेला में यज्ञाचार्य जनार्दन भाई द्विवेदी एवं उनकी टोली के द्वारा विशेष मंत्रोच्चारण कर प्रतिमाओं का अभिषेक पूजन देव पूजन, शिखर पूजन, ध्वजा पूजन, प्राण प्रतिष्ठा सर्व उपचार पूजन, आदित्य दर्शन, नेत्रोमिलान, देव दीक्षा अग्निहोत्र उपरांत यज्ञ पूर्णाहूति संपन्न कराकर महाआरती की गई। अंत में ग्राम भोज का आयोजन समिति के द्वारा किया गया है।

विधायक करहि ने गांधी चौक में किया नवनिर्मित बॉउण्ड्री वॉल का लोकार्पण

कार्यक्रम के अन्तर्गत 22 फरवरी को 5वें वित्त आयोग निधि से ग्राम पंचायत दुलापुर के द्वारा नव निर्मित बाउण्ड्री वॉल का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसका विधिवत फीता काटकर लोकार्पण विधायक राजकुमार करहि के द्वारा किया गया। इस दौरान ग्राम सरपंच ताराचंद कुचलाहे, मंदिर समिति के उपाध्यक्ष भुपेन्द्र रहमतकर सहित बडी संख्या में समस्त ग्रामीण जन, भाजपा कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

जीवनारा गांव में पूर्णाहुति के साथ तीन दिवसीय पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम जीवनारा में भक्ति भाव के साथ तीन दिवसीय पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन 20 फरवरी से लेकर 22 फरवरी तक माँ गायत्री प्रज्ञा टोली ग्राम जीवनारा के तत्वावधान में गांधी चौक स्थित प्रांगण में किया गया था। जिसका समापन महाप्रसाद वितरण कर 22 फरवरी को किया गया। बतादे कि आयोजित धार्मिक अनुष्ठान के अन्तर्गत 22 फरवरी को प्रातः 11 बजे से यज्ञ हवन प्रारंभ किया गया जिसका पूर्णाहुति के साथ महाप्रसाद वितरण कर समापन किया गया। संपूर्ण अनुष्ठान परम पू'यनीय गुरूजी गुहाराम यादव एवं लक्ष्मीबाई के द्वारा यज्ञ आहुति संपन्न कराई गई। यज्ञ वेदी लगभग 50 जोड़ो सहित ग्रामीण जनों के द्वारा आहुति डाली गई। संपूर्ण आयोजन में प्रमुख रूप से रमेश वशिष्ठ, राजू वशिष्ठ, नरेन्द्र वरिष्ठ, आलोक सान्डे, रोहित सान्डे, पृथ्वीराज सान्डे, राकेश पटले, देवेश पटले, अमित वशिष्ठ, सुधीर रघुवंशी, दुर्गेश मेहर, शुभम मेहर, बालकृष्ण वशिष्ठ, राजेश सान्डे, सुर्या सान्डे, सतीश ठाकरे, प्रहलाद सान्डे, तेजेश मेहर, रवि वशिष्ठ, मोहित सान्डे, योगेश वशिष्ठ, अर्जुन वशिष्ठ, निर्भय सान्डे, माँ गायत्री परिवार, प्रज्ञा टोली ग्राम जीवनारा का विशेष योगदान रहा।

चिल्लौद के जुनूनी युवक लोकेश गजाम ने कामयाबी की इबारत लिखी

इंजीनियरिंग के बाद शुद्ध शहद और जैविक खेती से आत्मनिर्भर बने

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की लालबर्रा तहसील के ग्राम चिल्लौद के युवा लोकेश गजाम ने यह साबित कर दिया है कि यदि जुनून और मेहनत साथ हो तो सफलता किसी भी क्षेत्र में हासिल की जा सकती है। जहां अधिकांश युवा इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद बड़े शहरों की ओर रुख करते हैं, वहीं लोकेश ने प्रकृति की गोद में रहकर स्वरोजगार का रास्ता चुना और मधुमक्खी पालन के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखी है।

लोकेश ने वर्ष 2016 में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल से बी.ई. मेकेनिकल की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के बाद उन्होंने नौकरी की बजाय उद्यमिता को अपनाने का निर्णय लिया। मशीनों की दुनिया छोड़कर उन्होंने 'मौन पालन' यानी मधुमक्खी पालन को अपना करियर बनाया।

सीखने का जुनून और संघर्ष

मधुमक्खी पालन में उनकी रुचि शुरू से ही थी। इसे व्यावसायिक रूप देने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील किसानों से प्रशिक्षण लिया। विशेष रूप से महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के वरोरा के प्रसिद्ध किसान रवींद्र जोड़ी से उन्होंने मधुमक्खी पालन की बारीकियां सीखीं।

साल 2023 में लोकेश ने मात्र 5 बॉक्स के साथ अपने उद्यम की शुरुआत की। उन्होंने विदेशी प्रजाति 'एपिस मेलिफेरा' (Apis mellifera) से काम शुरू किया। शुरुआती दौर आसान नहीं था। अनुभव की कमी के कारण 5 में से केवल 1 बॉक्स ही बच पाया। लेकिन असफलता ने उन्हें कमजोर नहीं किया, बल्कि और मजबूत बनाया। निरंतर प्रयास और सीखने की लगन के चलते आज उनके पास 100 बॉक्स का सफल सेटअप है, जिनमें 50 एपिस मेलिफेरा और 50 एपिस सेराना इंडिका शामिल हैं।

उत्पादन और तकनीकी समझ से मिली मदद

लोकेश बताते हैं कि एक स्वस्थ मधुमक्खी बॉक्स से प्रति सप्ताह लगभग 2 से 3 किलो शुद्ध शहद प्राप्त किया जा सकता है। यदि फूलों की उपलब्धता और देखरेख उचित हो, तो यह उत्पादन नियमित बना रहता है। उन्होंने आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर अपने उत्पादन को स्थिर और गुणवत्तापूर्ण बनाया है।

'जुगराज संस हाइव' का उद्देश्य

लोकेश ने अपने ब्रांड 'जुगराज संस हाइव' (Jugraj SonÓs Hive) के माध्यम से शुद्ध और मिलावट रहित शहद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। उनका मानना है कि बाजार में मिलावटी शहद की भरमार है, ऐसे में ग्राहकों को सीधे फार्म से शुद्ध उत्पाद उपलब्ध कराना आवश्यक है।

लोकेश अपने मधुमक्खी बॉक्स उन किसानों के खेतों में भी रखते हैं, जो जैविक खेती करते हैं। इससे मधुमक्खियों द्वारा परागण की प्रक्रिया बेहतर होती है और फसलों की पैदावार बढ़ती है। फूलों और सब्जियों की खेती वाले क्षेत्रों में मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाएं हैं। मधुमक्खियां फूलों से मधु एकत्र करती हैं, जिससे परागण क्रिया सशक्त होती है और उत्पादन में वृद्धि होती है। वहीं अधिक फूल उपलब्ध होने से शहद उत्पादन भी बेहतर होता है। इस तरह खेती और मधुमक्खी पालन एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं।

युवाओं के लिए प्रेरणा

एक मैकेनिकल इंजीनियर से सफल उद्यमी बनने तक का लोकेश गजाम का सफर आज के युवाओं और किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि गांव में रहकर भी आधुनिक सोच, तकनीकी ज्ञान और दृढ़ संकल्प के बल पर सफलता हासिल की जा सकती है।

लोकेश की यह कहानी न केवल आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को साकार करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो सफलता निश्चित है।

एकलव्य आवासीय विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर एवं महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थानों में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु हुई चयन परीक्षा

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित मध्य प्रदेश विशेष एवं आवासीय विद्यालय चयन परीक्षा 22 फरवरी 2026 को प्रदेश भर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। यह परीक्षा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों, कन्या शिक्षा परिसरों तथा महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थानों में आगामी सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आयोजित की गई थी।

परीक्षा केंद्र क्रमांक 7809, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लॉजी में भी यह चयन परीक्षा सुचारु रूप से पूरी हुई। इस केंद्र पर कुल 40 परीक्षार्थी नामांकित थे, जिनमें से 29 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 11 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। छात्रों की बैठक व्यवस्था दो कक्षों में की गई थी।

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की नकल या अनुचित गतिविधि की कोई घटना सामने नहीं आई और पूरा माहौल पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। परीक्षा की पूरी प्रक्रिया केन्द्राध्यक्ष प्राचार्य डी.के. फुल्लारे के नेतृत्व में संपन्न हुई। सहायक केन्द्राध्यक्ष जी.आर. चिखले, परीक्षा लिपिक छायाकिशोर घरते, तथा कक्ष पर्यवेक्षक बिरेश्वर सोनवाने एवं रविन्द्र कुमार नागदेवे ने अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया।

संपूर्ण परीक्षा की निगरानी आब्जर्वर आर.एस. घोरमारे प्राचार्य, उमावि मनेरी द्वारा की गई। उत्तीर्ण होने वाले छात्र निर्धारित मापदंडों के अनुसार जिले के विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश प्राप्त कर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। परीक्षा परिणाम जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर घोषित किए जाएंगे।

बालाघाट के संदीप कौकोटे का म.प्र. कबड्डी सिनीयर पुरूष टीम में चयन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिला कबड्डी संघ बालाघाट के महासचिव रमेश दीक्षित ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सिनीयर पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता राज्य स्तरीय खण्डवा में माह दिसंबर 2025 में आयोजित की गई थी। उत्कृष्ट खेल के आधार पर बालाघाट के खिलाड़ी संदीप कौकोटे का चयन म.प्र. कबड्डी सिनीयर पुरूष टीम में किया गया है। वे अभी प्रशिक्षण शिविर भोपाल में भाग ले रहे है। वे दिनांक 22 मार्च को बडौदा (गुजरात) में राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेंगे।बताया गया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 60 टीमो ने भाग लिया था जिसमें इनका चयन किया गया है जो गौरव की बात है। इस उपलब्धि पर श्रीमती अनुभा मुंजारे अध्यक्ष जिला कबडडी संघ विधायक बालाघाट ने शुभकामनाये प्रेषित की है एवं संघ के पदाधिकारी सुरेश बाघरेचा, राकेश सिंगारे, प्रकाश दुबे ,बृजेश मिश्रा, कमलजीत छाबड़ा, डॉ. वेदप्रकाश लिल्हारे, पूरनसिंह भाटिया, उमेश जायसवाल, जितेन्द्र कोचर, कारो लिल्हारे, रमेश दीक्षित, रामकिशोर राहंगडाले, भीमराज ठाकरे, खेमलाल वरकडे, उमेश सपाटे, रविशंकर उइके, राहुल बोरसा जिला एवं खेल युवक कल्याण अधिकारी, राजेन्द्र शिवहरे, तुफान मर्सकोले सहित सभी कबड्डी क्लब ने हर्ष व्यक्त किया है और उन्हें शुभकामनायें एवं बधाई दी है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कैग की रिपोर्ट में खुली मप्र की स्कूल शिक्षा की पोल

स्कूलों में शिक्षकों का टोटा, 1895 में एक भी शिक्षक नहीं

भोपाल। मप्र में एक तरफ सरकार सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों के बराबर खड़ा करने की कोशिश कर रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थिति यह है कि प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों के एक लाख से ज्यादा पद से खाली पड़े हुए हैं। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की यह चिंताजनक स्थिति भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 1 हजार 895 स्कूल ऐसे है जिनमें विद्यार्थी तो हैं पर इन स्कूलों में एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं हैं। वहीं 435 स्कूल ऐसे हैं जिनमें एक भी छात्र छात्राओं का नामांकन नहीं है पर इनमें 128 शिक्षक पदस्थ थे।

रिपोर्ट में शिक्षकों की युक्तियुक्तकरण में गंभीर खामियों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि सही तरीके से नियोजन न होने से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की संख्या में भारी अंतर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्कूल शिक्षा विभाग के 66 हजार 814 स्कूलों में, अगस्त 2023 तक, में से 435 स्कूलों में विद्यार्थियों का नामांकन शून्य था। इनमें से 105 स्कूलों में एक वर्ष से, 38 स्कूलों में दो वर्षों से, 33 स्कूलों में तीन वर्षों से तथा 259 स्कूलों में पिछले चार सालों से कोई नामांकन नहीं है। इनमें से 320 स्कूलों में शिक्षकों के लिए कोई पद स्वीकृत नहीं है। इसके बाद भी इन 320 स्कूलों में अगस्त 2023 तक 128 शिक्षक पदस्थ थे।

292 स्कूलों को बंद करने की प्रक्रिया चल रही

रिपोर्ट में कहा गया है कि विभाग ने उत्तर दिया कि शून्य नामांकन वाले स्कूलों एवं बिना किसी शिक्षक वाले 292 स्कूलों को बंद करने की प्रक्रिया चल रही है एवं शेष 143 स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों के तबादले की प्रक्रिया चल रही है। कैग ने कहा कि यह उत्तर स्वीकार्य योग्य नहीं है क्योंकि विभाग द्वारा अपने उत्तर के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीपीआई भोपाल के आंकड़ों के अनुसार राज्य में कुल 40 हजार 565 प्राइमरी एवं 19 हजार 131 मिडिल स्कूल संचालित थे। लेखा परीक्षण में पाया गया कि 6 हजार 878 प्रायमरी स्कूलों में छात्रों का नामांकन 20 से कम था, जिसमें 11 हजार 882 शिक्षक पदस्थ थे। इनमें से 374 स्कूल भी शामिल हैं जिनमें नामांकन शुन्य था, इनमें 174 शिक्षक पदस्थ थे। इसी तरह 76 मिडिल स्कूलों में दस से कम छात्रों का नामांकन था। इनमें 113 शिक्षक पदस्थ थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपर्याप्त नामांकन वाले 6 हजार 954 प्रायमरी एवं मिडिल स्कूलों में युक्तियुक्तकरण न किए जाने के कारण शासन पर 11 हजार 995 शिक्षकों का परिहार्य वित्तीय भार पड़ा। इन शिक्षकों को उनकी सेवाओं के सर्वोत्तम उपयोग हेतु अधिक नामांकन वाले स्कूलों में पदस्थ किया जा सकता था।

गांवों के स्कूलों की स्थिति चिंताजनक

कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश के बावजूद 66 हजार 814 स्कूलों से संबंधित आंकड़ों के विश्लेषण से पाया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग के 6 हजार 607 स्कूलों में 35 हजार 663 की स्वीकृत संख्या के सापेक्ष 47 हजार 396 शिक्षक पदस्थ किए गए थे, जिसके परिणामस्वरूप इन स्कूलों में 11 हजार 733 शिक्षकों का अधिशेष था। इसके विपरीत 29 हजार 116 अन्य स्कूलों में 2 लाख 13 हजार 416 पदों की स्वीकृत संख्या के सापेक्ष केवल 1 लाख 13 हजार 734 शिक्षक ही पदस्थ थे। जिससे इन स्कूलों में 99 हजार 682 शिक्षकों की कमी पाई गई। लेखा परीक्षा में आगे पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 62 हजार 213 स्कूल थे जिनमें स्वीकृत पद 2 लाख 81 हजार 887 के सापेक्ष लाख 98 हजार 175 शिक्षक पदस्थ थे। इसी तरह 4 हजार 601 शहरी स्कूलों में स्वीकृत पद 47 हजार 556 कके सापेक्ष 43 हजार 319 शिक्षक पदस्थ थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी क्षेत्रों के स्कूलों में जहां 91 फीसदी से अधिक शिक्षकों की पदस्थापना थी वहीं गांवों में यह प्रतिशत महज 70 था।

वर्ल्ड रिकॉर्ड के आधार पर चल रहा यह आयोजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राजधानी भोपाल में दिव्यांग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन पांच दिन तक बिना रुके क्रिकेट मैच खेलेंगे। चुनौतियों को स्वीकार कर खेल रहे है। यह आयोजन वर्ल्ड रिकॉर्ड के आधार पर चल रहा है। वहीं उन्होंने आयोजनकर्ताओं को बधाई भी दी हैं। भोपाल में अनूठा टूर्नामेंट आयोजित किया गया है। नेहरू नगर स्थित पुलिस लाइन ग्राउंड में दिव्यांग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज हुआ। जहां दिव्यांगजन लगातार 100 घंटे तक क्रिकेट मैच खेलेंगे। सीएम डॉ मोहन ने इस प्रतियोगिता का उद्घाटन किया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 100 घंटे लगातार क्रिकेट मैच चलता रहेगा, इससे खेलों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि कुशाभाऊ ठाकरे न्यास के जरिए मन की बात कार्यक्रम और दिव्यांग क्रिकेट महोत्सव का आयोजन किया गया है। इसके लिए सभी को बधाई। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि 5 दिन तक दिन रात बिना रुके क्रिकेट मैच चलेगा। दिव्यांग होने के बावजूद भी खिलाड़ी खेल में भी भाग ले रहे हैं। शरीर के साथ चुनौती होने के बावजूद भी वह क्षेत्र में भाग ले रहे हैं। चुनौतियों को स्वीकार कर खेल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज का आयोजन वर्ल्ड रिकॉर्ड के आधार पर चल रहा है।

सम्मानजनक पहचान दिलाने का प्रयास

कार्यक्रम संयोजक राघवेंद्र शर्मा ने कहा कि यह आयोजन केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अटूट विश्वास और आत्मबल का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि समाज में लंबे समय तक 'विकलांग' कहे जाने वाले लोगों को सम्मानजनक पहचान दिलाने का प्रयास इस महोत्सव के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'विकलांग' के स्थान पर 'दिव्यांग' शब्द के प्रयोग ने समाज की सोच को नई दिशा दी है। डिफरेंटली एबल यानी अलग-अलग क्षमताओं से संपन्न खिलाड़ी यहां अपनी प्रतिभा दिखाएंगे और यह संदेश देंगे कि हम अक्षम नहीं, बल्कि सक्षम हैं। राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि 100 घंटे तक लगातार चलने वाले इस महोत्सव में कुल 25 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें लगभग 50 टीमें और करीब 600 खिलाड़ी भाग लेंगे।

हर विधानसभा में बनेगा हेलीपैड युक्त स्टेडियम

- विधायकों को क्षेत्र में मिलेगी हवाई सुविधा

भोपाल। मप्र सरकार ने बजट में एक अहम घोषणा करते हुए प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर हेलीपैड युक्त स्टेडियम बनाने का प्रावधान किया है। इस फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। सरकार का दावा है कि इससे खेल अधोसंरचना मजबूत होगी, वहीं जनप्रतिनिधियों को क्षेत्रीय दौरे में सुविधा मिलेगी।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक प्रस्तावित स्टेडियम बहुउद्देश्यीय होंगे। इनमें स्थानीय खिलाड़ियों के लिए खेल मैदान, ट्रैक और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही प्रत्येक स्टेडियम परिसर में हेलीपैड का निर्माण किया जाएगा, ताकि मंत्री और विधायक सीधे अपने क्षेत्र में उतर सकें और विकास कार्यों की समीक्षा कर सकें। सरकार इस योजना को खेल प्रोत्साहन और प्रशासनिक दक्षता से जोड़कर देख रही है। तर्क दिया जा रहा है कि आपातकालीन परिस्थितियों में हवाई सुविधा उपयोगी साबित होगी। इसके अलावा बड़े आयोजनों और वीआईपी दौरों के लिए भी यह ढांचा काम आएगा। हालांकि विपक्ष इसे जनप्रतिनिधियों की सुविधा से जोड़कर सवाल खड़े कर सकता है। आलोचकों का कहना है कि प्रदेश में अभी भी कई क्षेत्रों में बुनियादी जरूरतें जैसे - सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा प्राथमिकता मांगती हैं। ऐसे में हेलीपैड युक्त स्टेडियम पर खर्च को लेकर बहस तेज होना तय है।

बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट

यदि यह योजना पूरी तरह लागू होती है तो यह प्रदेश के इतिहास की बड़ी अधोसंरचना परियोजनाओं में से एक मानी जाएगी। 230 विधानसभा क्षेत्रों में निर्माण के लिए जमीन चयन, बजट आवंटन और कार्यान्वयन की प्रक्रिया अहम होगी। इस पर विशेषज्ञों का मानना है कि यह योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि स्टेडियम वास्तव में स्थानीय खिलाड़ियों के उपयोग में आते हैं या नहीं। फिलहाल बजट प्रावधान के बाद अब अगला कदम प्रशासनिक मंजूरी और कार्ययोजना का है। आने वाले महीनों में यह साफ हो जाएगा कि यह घोषणा किस रफ्तार से जमीन पर उतरती है।

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट में खुलासा

मप्र में 21 साल में 175 प्रतिशत बढ़ीं अवैध कॉलोनियां

भोपाल। मध्य प्रदेश में विकास योजना (मास्टर प्लान) न बनने से भोपाल, इंदौर सहित पांच बड़े शहरों का अनियोजित विकास होता रहा। भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक (कैग) ने संचालक नगर तथा ग्राम निवेश संचालनालय (टीएंडसीपी) की इस कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आपत्ति जताई है। कैग ने संचालक टीएनसीपी और टीएंडसीपी के पांच जिलों (भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन) के कार्यालयों एवं इन जिलों की नगर निगमों के अप्रैल 2018 से मार्च 2023 तक की अवधि के अभिलेखों की जांच की। मप्र में विकास योजना (मास्टर प्लान) न बनने से भोपाल, इंदौर सहित पांच बड़े शहरों का अनियोजित विकास हुआ है। मप्र में 21 साल में 175 प्रतिशत अवैध कॉलोनियां बढ़ीं।

जांच में कैग ने पाया कि संचालक टीएंडसीपी ने बीना पेट्रोकेमिकल्स एवं औद्योगिक प्रदेश के अलावा, प्रादेशिक योजनाएं तैयार नहीं कीं। प्रादेशिक योजना का प्रारूप मार्च 2012 में प्रकाशित किया गया था लेकिन अंतिम अधिसूचना दिसंबर 2024 तक लंबित थी। विकास योजनाओं की तैयारी के लिए संयुक्त संचालक, टीएंडसीपी उज्जैन, जबलपुर, इंदौर एवं ग्वालियर द्वारा हितधारकों से प्रासंगिक रिपोर्ट, इनपुट का संग्रह नहीं किया गया। इन पांच शहरों में मलीन बस्तियां भी बढ़ीं। विकास योजना तैयार करते समय शासकीय विभागों, स्थानीय प्राधिकरणों एवं सार्वजनिक संस्थानों से प्रासंगिक प्रतिवेदन (विकास योजना के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्य) प्राप्त नहीं किए थे।

वार्षिक विकास योजना के प्रारूप पर विचार नहीं

मास्टर प्लान तैयार करते समय जिला योजना समिति के किसी भी पंचवर्षीय एवं वार्षिक विकास योजना के प्रारूप पर विचार नहीं किया। प्रादेशिक योजना तैयार नहीं होने से प्राकृतिक संसाधनों, जैव विविधिता के संरक्षण, अनियोजित विकास पर नियंत्रण, भूमि के नियोजित उपयोग की योजना प्रभावित हुई। नगर निगमों ने पर्यवेक्षण शुल्क पर जीएसटी एकत्र नहीं किया, जिसके परिणामस्वरूप 96.78 लाख के राजस्व का नुकसान हुआ। भोपाल, ग्वालियर, इंदौर एवं उज्जैन नगर निगमों ने सर्वेक्षण में 1586 अनधिकृत कॉलोनियों की पहचान की, लेकिन अनधिकृत विकास, निर्माण को हटाने एवं पुलिस अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की। टीएंडसीपी जिला कार्यालयों में मानव शक्ति की भारी कमी देखी। ये सभी दर्शाते हैं कि नगर तथा ग्राम निवेश विभाग काफी हद तक निष्क्रिय था। हालांकि सरकार ने इस बात को स्वीकारते हुए आश्वासन दिया है कि भविष्य में सभी प्रादेशिक योजनाओं को तैयार करने पर गंभीरता विचार करेगी। कैग ने इसको लेकर अनुशंसाएं भी की है।

मास्टर प्लान अधर में

भोपाल नगर निगम सीमा में वर्ष 1991 की तुलना में 2011 की जनसंख्या में 77 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2000 की तुलना में 2021 में अनधिकृत कालोनियां 175 प्रतिशत बढ़ीं। टीएंडसीपी ने अतिक्रमणों एवं अधिकतम भूमि सीमा की जानकारी भी नहीं दी। मास्टर प्लान के अभाव में सरकार के पास जनसंख्या वृद्धि, बढ़ते अनियोजित विकास एवं अनधिकृत कालोनियों से निपटने कोई माडल आधारित योजना नहीं है। 1975 से शासन ने केवल भोपाल के दो मास्टर प्लान को मंजूरी दी। भोपाल का पहला मास्टर प्लान 1991 में बना था। 195 ग्रामों को शामिल कर 2005 में दूसरा मास्टर प्लान बनाकर अधिसूचना जारी की गई।

बिजली दरों में 10.2 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव

भोपाल । प्रदेश में 1 अप्रैल 2026 से बिजली की दरों में 10.2 प्रतिशत वृद्धि के प्रस्ताव पर विद्युत नियामक आयोग 23 फरवरी से 26 फरवरी तक जनसुनवाई आयोजित करेगा। यह जनसुनवाई हाइब्रिड मोड में होगी, जिसमें उपभोक्ता ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से या भोपाल स्थित आयोग के कोर्ट कक्ष में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन उपभोक्ताओं ने लिखित आपत्तियां पहले ही प्रस्तुत कर दी हैं, वे निर्धारित तिथि पर अपने पक्ष को विस्तार से रख सकते हैं।

राज्यपाल ने प्रशिक्षु डीएसपी कैडेट्स और नव आरक्षक कैडेट्स के साथ सुनी मन की बात

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगु भाई पटेल के द्वारा प्रशिक्षु डीएसपी कैडेट्स और नव आरक्षक कैडेट्स के साथ मन की बात कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुना गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी के निदेशक विशेष पुलिस महानिदेशक रवि कुमार गुप्ता, उपनिदेशक डा. संजय कुमार अग्रवाल एवं अकादमी के सभी अधिकारी उपस्थित रहे। उपनिदेशक संजय अग्रवाल के द्वारा संस्थान में चलने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों सहित संस्थान की अन्य जानकारी दी गई। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय के द्वारा बताया गया कि जनता से सीधा संवाद करने वाले विभागों में पुलिस एक महत्वपूर्ण विभाग है, अत: प्रत्येक पुलिसकर्मी को मन की बात में प्रधानमंत्री के द्वारा बताई गई प्रेरणादायक बातों को ध्यान में रखते हुए अपनी कार्यशाली को उच्च स्तर का बनाना चाहिए। राष्ट्र के विभिन्न कोनों में होने वाले छोटे-छोटे बदलावों को मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा बताया जाता है, छोटी-छोटी बातें आम नागरिक के जीवन को उत्कृष्ट करते हुए वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। पुलिस बल में अनुशासन और जनता के प्रति सहानुभूति दोनों ही महत्वपूर्ण है तथा पुलिस को हर नागरिक के लिए धरातल पर जाकर कार्यवाही करनी चाहिए। प्रत्येक अवसर पर घटना का गहराई में जाकर परीक्षण करना पुलिस कर्मी की जिम्मेदारी है तथा कर्म का न्याय सदैव लागू होता है। वर्तमान समय में वर्दी सत्ता का नहीं बल्कि सहानुभूति का प्रतीक है यह सेवा संकल्प है हर भारतीय नागरिक को स्वच्छता जल संरक्षण, डिजिटल साक्षरता इन सभी पर कार्य करते हुए अपनी भागीदारी देश के विकास में देनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान नव आरक्षक कैडेट अवसी दलाल, उप पुलिस अधीक्षक कैडेट पूजा लक्ष्यकर एवं विनय कुमार के द्वारा प्रशिक्षण गतिविधियों एवं प्रशिक्षण में अपने अनुभवों के बारे में राज्यपाल महोदय को अवगत कराया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक निदेशक ज्योति उमठ के द्वारा किया गया एवं समाप्ति पर पुलिस अधीक्षक पीटीएस यास्मीन जहरा ने आभार व्यक्त किया।

शादी के 19 साल बाद कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह चौहान पर लगे दहेज प्रताड़ना के आरोप

भोपाल। राजधानी भोपाल में एक दहेज प्रताड़ना का एक हाईप्रोफाइल मामला सामने आया है। सीनीयर कांग्रेस लीडर महेंद्र सिंह पर उनकी पत्नी ने घरेलु हिंसा का मुकदमा दर्ज करवाया है। चौहान की पत्नी बैंक में मैनेजर हैं, बैंकर पत्नी ने अपने नेता पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है, कि नेता पति ने दहेज में दो करोड़ रुपए मांगे और पैसे न देने पर उनके साथ मारपीट की और घर से निकाल दिया है। पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर कांग्रेस नेता के खिलाफ मारपीट और दहेज प्रताड़ना की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेता महेंद्र सिंह चौहान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उनकी दूसरी पत्नी शिखा सिंह ने चौहान के खिलाफ हबीबगंज थाने में मारपीट और दहेज प्रताड़ना की एफआईआर दर्ज करवाई है। खास बात ये भी है, कि पत्नी और पति दोनों की ये दूसरी शादी है, और इस शादी को 19 साल हो चुके हैं। वहीं मामले को लेकर कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह का कहना है कि, पत्नी उन्हें 15 साल से ब्लैकमेल कर रही है, जब उन्होंने तलाक का नोटिस दिया तब पत्नी ने ये एफआईआर करवाई है, वहीं, पत्नि शिखा ने पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि, उनके पति ने जान से मारने की कोशिश की, पति ने एक दिन मुझे जूस में कोई जहरीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया, जिसे पीकर मेरी हालत बिगड़ने लगी और मैं बेहोश हो गई, जब मुझे होश आया तो मैं अस्पताल में थी। पीड़िता पत्नि शिखा ने पुलिस को बताया है कि, उनका बेटा हॉस्टल में रहता है, और वह भोपाल में अकेली रहती हैं। उन्हें अपने पति से जान का खतरा है, जिनके पास दो लाइसेंसी बंदूकें हैं। मामले में पुलिस अफसरो का कहना है कि महिला की शिकायत पर कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। अभी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जल्द ही जांच पूरी कर आगे की कार्यवाही की जाएगी। बताया गया है की दंपत्ति के बीच जारी यह विवाद 9 फरवरी को काफी बढ़ गया था। पत्नि शिखा का आरोप है कि दोपहर 2 बजे उनके पति ने घर में उनके साथ मारपीट की और उन्हें घर से बाहर निकालकर गेट पर ताला लगा दिया और धमकी दी कि अगर मायके से 2 करोड़ रुपये और कार लेकर नहीं आई तो जान से मार दूंगा। तुम ऑफिस जाती हो, रास्ते में तुम्हारे साथ कुछ भी कर सकता हूं। पुलिस इन आरोपों की भी जांच की बात कह रही है।

सीईओ की कमी से जूझ रहे विभाग को मिले अफसर

- पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग में 30 नए जनपद सीईओ किए गए पदस्थ

भोपाल। जनपद पंचायतों में मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की कमी से जूझ रहे पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने दो सालों में लोक सेवा आयोग की परीक्षा से चयनित उम्मीदवारों को 30 जनपदों में पदस्थ किया है। वे विकासखंड अधिकारी और मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर चयनित किए हैं। विभाग ने इनकी पदस्थापना के आदेश जारी कर 45 दिन का प्रशिक्षण 24 फरवरी से लेने के लिए निर्देश दिए हैं। इसके बाद ये विभाग की जिम्मेदारी जनपदों में जाकर पूरी तरह संभालेंगे। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित किए गए 2023 बैच के 13 विकासखंड अधिकारियों की पदस्थापना प्रभारी मुख्य कार्य पालन अधिकारी के पदों पर की गई है। इन सभी अधिकारियों की पदस्थापना 2 वर्ष की परिवीक्षा अवधि के आधार पर की गई है। विकासखंड अधिकारी के पद पर चयनित जिन अधिकारियों को प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी पदस्थ किया है उसमें रोहित कुमार उपाध्याय को समनापुर जिला डिंडोरी, शिवम दीक्षित को करंजिया जिला डिंडोरी, भारती धाकड़ को घाटीगांव जिला ग्वालियर, भारती ठाकुर को लवकुश नगर जिला छतरपुर, सचिन कुमार अग्रवाल को बजाग जिला डिंडोरी, शालू दोहरे को भिंड, स्वराज सांवलिया को निवाली जिला बड़वानी, झलकन को भैंसदेही जिला बैतूल, ऋतिक सोलंकी को डही जिला धार, संदीप मुझाल्दा को खरगोन, मनीषा रावत को कुक्षी जिला धार, प्रवीण डाबर को नर्मदापुरम, शुभम निनामा को खंडवा पदस्थ किया है।

दो साल की परिवीक्षा अवधि रहेगी

विभाग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा 2023 के मुख्य सूची से चयनित 12 मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर जिनकी पदस्थापना की गई है उसमें सिद्दी कौरव को शुजालपुर जिला शाजापुर, अंकित सिंघई को लांजी जिला बालाघाट, लोकेश साहू को सिवनी, आकाश जैन को घंसौर जिला सिवनी, रवि पाटीदार को रहली जिला सागर, मुस्कान गुप्ता को विजयपुर जिला श्योपुर, शिवानी कौरव को बंडा जिला सागर, अश्वनी को खातेगांव जिला देवास, राजेश्वरी को हरदा, निलेश मौर्य को राहतगढ़, निलेश बर्मन को लखनादौन जिला सिवनी तथा शिवम वर्मा को शाहनगर जिला पन्ना पदस्थ किया है। इसके अलावा राज्य सेवा परीक्षा 2024 की मुख्य सूची में चयनित मुख्य कार्य पालन अधिकारी के पद पर जिनकी 5 अफसरों की पोस्टिंग की गई है उसमें अंकित कुमार सिरोठिया को मानपुर जिला उमरिया, लक्ष्मी नारायण रावत को मझगंवा जिला सतना, सोनम जैन को शिवपुरी योगिता परमार को गुना तथा विकास राव को बल्देवगढ़ जिला टीकमगढ़ पदस्थ किया गया है।

कोरोना काल के बाद अंत्येष्टि के नाम पर पैसा निकालकर खा गए सरपंच-सचिव

भोपाल । मप्र में कोरोना काल के बाद के दो सालों में सरपंच और सचिवों ने सरकारी खजाने में जमकर लूट मचाई थी। पंचायतों में भ्रष्टाचार का इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि 21 जिलों की 596 पंचायतों ने मुख्यमंत्री संबल योजना के तहत पंजीकृत मजदूरों की अंत्येष्टि के नाम पर 1 करोड़ 27 लाख रुपए की राशि निकाल ली। साथ ही 200 करोड़ से ज्यादा के अनियमित भुगतान भी पकड़ में आए हैं। खास बात यह है कि पंचायतों ने ये कारनामे कोरोना काल के बाद अतिरिक्त कार्यकाल के दौरान किए थे। संचालनालय स्थानीय निधि संपरीक्षा प्रकोष्ठ द्वारा हाल ही में वर्ष 2021-22 की विधानसभा में पेश की गई रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है। स्थानीय निधि संपरीक्षा प्रकोष्ठ की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021-22 में ग्राम पंचायतों में मुख्यमंत्री संबल योजना में अंत्येष्टि सहायता राशि 1 करोड़ 27 लाख 65 हजार के अनियमित भुगतान का मामला सामने आया। रिपोर्ट में बताया कि कुछ सचिवों ने अंत्येष्टि की राशि अग्रिम निकाल ली थी। अंत्येष्टि राशि फर्जीवाड़े में सीहोर, शाजापुर, उज्जैन, सागर, बैतूल, नीमच, गुना जिला प्रमुख हैं। जबकि 21 जिलों की 596 ग्राम पंचायतों ने अंत्येष्टि राश में गड़बड़ी की थी।

नियमों को दरकिनार कर 69 करोड़ का अनियमित भुगतान

स्थानीय निधि संपरीक्षा प्रकोष्ठ की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश की 1461 ग्राम पंचायतों ने बिना टेंडर या कोटेशन के 69 करोड़ 25 लाख 26 हजार 938 करोड़ रुपए का अनियमित भुगतान किया। पंचायतों में सामग्री की भंडार प्रविष्टि भी नहीं मिली।

1197 पंचायतों में 34.36 करोड़ का हिसाब नहीं

स्थानीय निधि संपरीक्षा प्रकोष्ठ के अनुसार वर्ष 2021-22 के दौरान प्रदेश की 1197 पंचायतों में 34 करोड़ 36 लाख के भुगतान के अभिलेख ही नहीं दिए गए। इस राशि की संपरीक्षा नहीं की गई। न ही संपरीक्षा के निर्देश जारी किए गए।

कन्यादान, आवास योजना में 5.99 करोड़ का घपला

स्थानीय निधि संपरीक्षा प्रकोष्ठ की रिपोर्ट अनुसार प्रदेश की 7 जनपद सांची, विदिशा, चौरई, रीठी, तामिया, सेगांव, राहतगढ़ में सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, संबल, कन्यादान, पीएम आवास, स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं में 5 करोड़ 99 लाख 88 हजार रुपए का अनियमित भुगतान किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार सरपंच सचिव ने बिना मस्टर बिल के 20 करोड़ 99 लाख के अनियमित भुगतान कर दिए। जिसमें जनपदों ने नियमों की अवहेलना कर 4.89 करोड़ का भुगतान किया। जबकि पंचायतों ने 11 करोड़ 24 लाख निर्धारित सीमा से अधिक, बिना अनुमति के कामों पर 1.11 करोड़ और 3.74 करोड़ का अनियमित भुगतान किया।

11 मार्च से शुरू होंगे भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग

भोपाल। भाजपा अपने पदाधिकारियों को संगठन के कामकाज और रीति-नीति समझाने के लिए 11 मार्च से प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन करेगी। इस वर्ग में विभिन्न सत्रों के माध्यम से पदाधिकारियों को आगामी कार्यक्रम कैसे संचालित करें, इसकी जानकारी भी दी जाएगी। जिला स्तर पर दो रात तो मंडल स्तर पर एक रात प्रशिक्षण वर्ग में रुकना अनिवार्य होगा। भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति से अवगत कराने के लिए ट्रेनिंग देती है। वर्तमान में प्रदेश कार्यकारिणी के साथ-साथ जिलों में भी कार्यकारिणी का गठन किया जा चुका है। इन्हें ट्रेनिंग देने के उद्देश्य से प्रदेश, जिला और मंडल स्तर पर प्रशिक्षण वर्ग के आयोजन किए जाएंगे। गतदिवस भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी महेन्द्र सोलंकी, प्रशिक्षण वर्ग के प्रभारी केसी पटेल के साथ मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय संगठन प्रभारी अजय जामवाल विशेष रूप से मौजूद रहे। इसमें जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी और प्रत्येक जिले से 5-5 की संख्या में बुलाए गए प्रशिक्षण वर्ग की टोली के कार्यकर्ता थे। जामवाल ने भाजपा के पदाधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने जिलों में जनप्रतिनिधियों के साथ तालमेल बिठाकर काम करें, ताकि लोगों में सकारात्मक संदेश जाए। अगर सत्ता और संगठन दोनों एक साथ काम करेंगे तो आम लोगों में संगठन का महत्व बढ़ेगा, जिसके लिए संगठन जाना जाता है।

आज कनाडा, अमेरिका सहित कई देशों से खेल रहे भारतीय मूल के खिलाड़ी - प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में विदेशी टीमों से खेलते हुए नाम देश का नाम रौशन कर रहे भारतीय मूल के खिलाड़ियों की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज टी20 विश्वकप क्रिकेट को ही देख लें। इसमें खेल रहे दुनिया भर के कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी नजर आ रहे हैं जो वहां की टीमों से खेलते हुए दोनो देशों का नाम रौशन कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कनाडा से खेल रहे दिलप्रीत बाजवा, अमेरिका से खेल रहे मोनांक पटेल सहित कई खिलाड़ियों का नाम लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, जो खेले वो खिले, खेल हमें जोड़ता भी है। आजकल आप टी-20 विश्व कप के मैच देख रहे होंगे। इस दौरान किसी भारतीय को दूसरे देश की जर्सी पहने भी आपने देखा होगा। उसका नाम सुनकर आपकों लगता है कि ये तो अपने देश का है, तब दिल में खुशी भी होती है कि भारत से बाहर जाकर भी वह वह उस देश की ओर से खेलता है, जहां उसका परिवार बस गया है। वे अपने-अपने देशों की जर्सी पहनकर मैदान में उतरते हैं और पूरे मन से उस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ ही कहा, कनाडा की टीम क ही देख लें, इसमें सबसे ज्यादा भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। नवनीत धालीवाल चंडीगढ़ के हैं। इस सूची में हर्ष ठाकर और श्रेयस मोआ जैसे कई खिलाड़ी शामिल हैं, जो कनाडा के साथ-साथ भारत का भी गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका टीम में शामिल कई खिलाड़ी भारत के घरेलू क्रिकेट से निकले हुए हैं। अमेरिकी टीम के

कप्तान मोनांक पटेल ने गुजरात की ओर से खेला हैं। मुंबई के सौरभ, हरमीत सिंह, और दिल्ली के मिलिंद कुमार अमेरिकी टीम से खेल रहे हैं। इसके अलावा ओमान की टीम में भी कई भारतीय हैं जो पहले भारत के अलग-अलग राज्यों से खेले हैं। जतिंद्र सिंह, विनायक शुक्ला, करन, जय और आशीष जैसे खिलाड़ी ओमान क्रिकेट टीम से खेलते हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड, यूएई और इटली की टीमों में भी भारतीय मूल के कई खिलाड़ी हैं। ये भारतीय देश से बाहर जाने के बाद भी देश का गौरव बढ़ा रहे हैं और वहां के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। भारतीयता की यही तो विशेषता है, वह जहां भी जायें, अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। इसी के साथ ही वह जिस देश में रहते हैं, वहां के विकास के लिए सहयोग में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पांड्या ने बेटे अगस्त्या को उपहार में दी करोड़ों की एसयूवी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अपनी महंगी जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। वह हमेशा महंगी घडियां पहने दिखते हैं। इसी कड़ी में अब हार्दिक ने अपने पांच साल के बेटे अगस्त्या को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दी है। पांड्या का सर्बियाई अभिनेत्री नताशा स्टैनकोविक से तलाक हो गया है पर बेटे का ध्यान दोनो ही मिलकर रहते हैं। अगस्त्या की कस्टडी हालांकि नताशा को मिली है पर हार्दिक उनसे मिलते रहते हैं। इतने छोटे से बेटे को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दिये जाने से लोग हैरान दी क्योंकि उनके बेटे की उम्र अभी खिलौनों से खेलने की है।

सोशल मीडिया पर हार्दिक के अपने बेटे अगस्त्या और पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक को दिए गए उपहार की तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें हार्दिक का बेटा और नताशा लैंड रोवर डिफेंडर कार लेते दिख रहे हैं। तस्वीर में वेलकम नोट पर साफ-साफ लिखा हुआ है पापा टू अगस्त्या।

अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करुंगा - अभिषेक

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्वकप में असफल रहे हैं। वह अपने तीनों ही मैचों में खाता नहीं खोल पाये हैं। इसके बाद भी अभिषेक का कहना है कि वह आगे भी अपना खेलने का अंदाज नहीं बदलेंगे भले ही शून्य पर आउट हो जायें। भारतीय टीम अब लीग में जीतकर सुपर-8 में पहुंच गयी है। ऐसे में अभिषेक पर अब रन बनाने का दबाव है।

अभिषेक वह पहली ही गेंद से आक्रामक खेलने का प्रयास करते हैं और इसी में कभी-कभी विकेट गंभव देते हैं। ग्रुप स्तर पर वह तीन पारियों में सिर्फ आठ गेंद ही खेल पाए। आंकड़े भी उनके खराब फॉर्म को दिखाते हैं। वह अपनी पिछली सात पारियों में पांच बार शून्य पर आउट हुए हैं. कुल मिलाकर, 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में से छह में वह बिना रन बनाए पवेलियन लौटे हैं। वहीं इससे उबरने अभिषेक लगातार ट्रेनिंग में मेहनत कर रहे हैं, जिससे अपना फार्म वापस पा सकें।उन्होंने अपने पर दबाव से इंकार करते हुए कहा 卐मैं बस अपनी बल्लेबाजी का मजा लेता हूं, मैंने दो साल पहले दबाव लेना बंद कर दिया क्योंकि मुझे समझ आ गया कि प्रक्रिया मेरे हाथ में है। अभ्यास और ट्रेनिंग मैं नियंत्रित कर सकता हूं, और उसी पर ध्यान देता हूं। मुझे यह पसंद है, इसलिए कोई दबाव नहीं है।卐अभिषेक जानने है कि हर खिलाड़ी के करियर में ऐसा समय आता है। इसलिए मौजूदा खराब दौर के बाद भी वह अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करेंगे क्योंकि इसी ने टी20 में उन्हें नंबर-1 बनाया है। इस बल्लेबाजन ने कहा 卐 करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव आते हैं। कभी रन बनते हैं, कभी नहीं. लेकिन मैंने तय किया है कि मैं अपने तरीके से ही खेलूंगा।卐

भारत लगभग सभी की पहली पसंद, बाकी टीमों पर बंटी एक्सपर्ट्स की राय

टी20 विश्व कप 2026- सुपर-8 में एक्सपर्ट्स की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 का रोमांच मोड पर है। आठ टीमें दो ग्रुप में बंटी हैं और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। ग्रुप-1 में भारत, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे शामिल हैं, जबकि ग्रुप-2 में न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें उतरेंगी। इन मुकाबलों से पहले स्टार स्पोर्ट्स के छह क्रिकेट विशेषज्ञों ने अपनी-अपनी भविष्यवाणियां रखी हैं, जिनमें सेमीफाइनल टीमों को लेकर राय दो धड़ों में बंटी दिखी। पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भारत, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और न्यूजीलैंड को सेमीफाइनलिस्ट बताया है। उन्होंने भारत और श्रीलंका की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती को अहम कारण माना, जबकि दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड को संतुलित टीम बताते हुए टॉप-4 में जगह के लायक बताया। पुजारा के हिसाब से पाकिस्तान, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज का सफर सुपर-8 में ही खत्म हो जाएगा।

भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने भी भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल का दावेदार माना। उनके अनुसार पाकिस्तान, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें सुपर-8 में ही रुक जाएंगी। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ भी चहल की ही राय से सहमत दिखे और उन्होंने भी इन्हीं चार टीमों को अंतिम-4 में जगह बनाने योग्य माना। वहीं, स्टार स्पोर्ट्स विशेषज्ञ पैनल में शामिल दो पूर्व खिलाड़ियों संजय बांगर और वरुण एरोन ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल का प्रबल दावेदार माना है। बांगर के अनुसार भारत, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और पाकिस्तान अंतिम-4 में पहुंचेंगे, जबकि एरोन ने भारत, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और पाकिस्तान को टॉप-4 चुना। पूर्व चयनकर्ता सबा करीम ने भारत, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और इंग्लैंड को सेमीफाइनल की टीम माना। कुल मिलाकर, छह में से चार एक्सपर्ट्स ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर बताया, जबकि दो का मानना है कि पाकिस्तान सुपर-8 में उलटफेर कर सकता है। भारत सभी विशेषज्ञों की पहली पसंद बना हुआ है और उसकी सुपर-8 में जीत की उम्मीदें सबसे मजबूत मानी जा रही हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 26 की सेमी फाइनलिस्ट टीम पर स्टार स्पोर्ट्स एक्सपर्ट की भविष्यवाणी

चेतेश्वर पुजारा - भारत, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और न्यूजीलैंड।

युजवेंद्र चहल - भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड।

मोहम्मद कैफ - भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड।

वरुण एरोन - भारत, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, पाकिस्तान।

संजय बांगर - भारत, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और पाकिस्तान।

सबा करीम - भारत, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और इंग्लैंड।

मनु भाकर : निशानेबाजी में भारत का सितारा

नई दिल्ली । भारतीय निशानेबाजी की चमकती हुई सितारा मनु भाकर ने ओलंपिक में दो पदक जीतकर देश का नाम विश्व स्तर पर रोशन किया है। पिस्टल शूटिंग में उनकी सटीकता, धैर्य और निरंतरता ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। मनु ने कम उम्र में ही कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपने करियर की मजबूत नींव रखी। उनके पिता, मर्चेंट नेवी के चीफ इंजीनियर राम किशन भाकर और मां सुमेधा ने उन्हें 'मनु' नाम दिया, जो झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बचपन का नाम था। माता-पिता चाहते थे कि उनकी बेटी रानी लक्ष्मीबाई की तरह निडर और साहसी बने।

मनु का बचपन सक्रिय और बहुआयामी रहा। उन्होंने स्कूल के दिनों में टेनिस, बॉक्सिंग, स्केटिंग और मार्शल आर्ट 'थान टा' में नेशनल लेवल मेडल जीतकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई। 14 साल की उम्र में उन्होंने शूटिंग को पेशेवर करियर बनाने का निर्णय लिया। 2016 के रियो ओलंपिक के बाद उन्होंने अपने पिता से पिस्टल खरीदी और अभ्यास में जुट गईं। इस मेहनत का फल 2017 में नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में मिला, जहां उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में ओलंपियन हीना सिद्धू के खिलाफ 242.3 का रिकॉर्ड स्कोर बना दिया।

उसी वर्ष, मनु 16 साल की उम्र में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में गोल्ड जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बन गईं। उन्होंने एशियन जूनियर चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 और विभिन्न आईएसएसएफ वर्ल्ड कप इवेंट्स में गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपने करियर को लगातार आगे बढ़ाया। टोक्यो ओलंपिक 2020 में उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा, लेकिन 2021 आईएसएसएफ वर्ल्ड कप और 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने पदक जीतकर अपनी क्षमता साबित की।

2024 पेरिस ओलंपिक में मनु ने इतिहास रचते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल और मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि 25 मीटर पिस्टल में चौथा स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के साथ वह पहली भारतीय एथलीट बनीं, जिन्होंने एक ही ओलंपिक में दो पदक अपने नाम किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें 2020 में अर्जुन अवॉर्ड और 2024 में 'मेजर ध्यान चंद खेल रत्न अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। मनु भाकर ने अपने साहस, मेहनत और निरंतरता से भारतीय निशानेबाजी में एक नया अध्याय लिखा है और कम उम्र में ही देश को गौरवान्वित किया है।

फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने पेशेवर रिंग में वापसी के संकेत दिए

नई दिल्ली। मुक्केबाजी के दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर पेशेवर मुक्केबाजी में वापसी के संकेत दिए हैं। मेवेदर ने कहा कि वह आधिकारिक पेशेवर मुकाबला लड़ने पर विचार कर रहे हैं, जिससे मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मच गई है। 2017 में कॉनर मैकग्रेगर को हराकर 50-0 का रिकॉर्ड बनाने वाले मेवेदर ने उस मुकाबले के दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की थी और तुरंत बाद संन्यास की घोषणा की थी।

हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह रिंग से दूर नहीं रहे। उन्होंने पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर्स और सेलिब्रिटीज़ के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबले लड़े। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जॉन गोटी तृतीय से हुआ था। अब 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है और इसे बॉक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है। दोनों फाइटर्स की संयुक्त उम्र 100 वर्ष से अधिक है, लेकिन फैंस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। मेवेदर ने कहा कि उनके इवेंट्स से प्राप्त गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके। टायसन के साथ प्रस्तावित मुकाबला उनकी संभावित वापसी की दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि यह आधिकारिक मुकाबला बनता है, तो यह लगभग नौ साल बाद मेवेदर की पहली पेशेवर फाइट होगी। पांच अलग-अलग वेट डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है। टायसन के खिलाफ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में भविष्य कैसा होगा। हालांकि, उनके फैंस रिंग में उनकी वापसी देखने के लिए उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह मुकाबला मेवेदर के करियर को एक नया अध्याय दे सकता है।

इमरान खान : 21 साल का अनुशासित करियर और विश्व कप विजेता कप्तान जेल में

नई दिल्ली । क्रिकेट में अनुशासन और नियंत्रण किसी भी गेंदबाज की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है, और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण हैं। तेज गेंदबाजों के लिए नो-बॉल करना आम गलती होती है, लेकिन इमरान ने अपने 21 साल के टेस्ट करियर में 18,644 गेंदें फेंकते हुए एक भी नो-बॉल नहीं की। यह रिकॉर्ड उनकी असाधारण लाइन-लेन्थ और रन-अप नियंत्रण की मिसाल है। टेस्ट क्रिकेट में 362 विकेट और वनडे में 182 विकेट लेने वाले इमरान खान हमेशा अनुशासन और आक्रामकता का संतुलित मिश्रण रहे।

इमरान खान ने 3 जून 1971 को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और 2 जनवरी 1992 को श्रीलंका के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट मैच खेला। वनडे में उन्होंने 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआत की और 1992 तक खेलते रहे। अपने करियर में उन्होंने टेस्ट में 3,807 और वनडे में 3,709 रन बनाए। कप्तान और खिलाड़ी दोनों के रूप में उनका योगदान पाकिस्तान क्रिकेट में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है।

1992 क्रिकेट विश्व कप में इमरान की कप्तानी में पाकिस्तान ने अपना पहला और अब तक का एकमात्र वनडे वर्ल्ड कप जीता। फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ इमरान ने 72 रन की अहम पारी खेली और जावेद मियांदाद ने 58 रन बनाए। इंजमाम-उल-हक और वसीम अकरम के योगदान से पाकिस्तान ने 249 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में इंग्लैंड दबाव में आ गया और पाकिस्तान ने 22 रन से जीत दर्ज की।

क्रिकेट से संन्यास के बाद इमरान ने राजनीति में कदम रखा और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी बने। लेकिन हाल के वर्षों में वे कानूनी विवादों में फंस गए। भूमि भ्रष्टाचार मामले में पाकिस्तानी अदालत ने उन्हें 14 साल की सजा सुनाई, और वर्तमान में वे जेल में हैं। भले ही आज वे कानूनी संकट का सामना कर रहे हों, लेकिन इमरान खान की क्रिकेट विरासत हमेशा याद रहेगी। 21 साल का अनुशासित करियर, नो-बॉल रहित गेंदबाजी और 1992 का विश्व कप जीत उन्हें महान खिलाड़ियों की सूची में स्थायी स्थान दिलाते हैं। वे केवल तेज गेंदबाज नहीं, बल्कि प्रेरणादायक कप्तान और प्रभावशाली ऑलराउंडर भी रहे।

फुटबॉल से संन्यास पर विचार कर रहे हैं नेमार

नई दिल्ली । ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार का करियर लगातार चोटों की वजह से प्रभावित रहा है और अब वह फुटबॉल से संन्यास लेने पर विचार कर रहे हैं। एक बातचीत के दौरान नेमार ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि भविष्य में क्या होगा और संभव है कि जब दिसंबर आए, तो वह रिटायरमेंट का फैसला कर लें। उन्होंने बताया, मैं अब साल दर साल जी रहा हूं। यह वर्ल्ड कप का साल है, इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है, ब्राजील के लिए और मेरे लिए भी।

34 साल के नेमार ने हाल ही में अपने बचपन के क्लब सैंटोस के साथ अनुबंध नवीनीकरण किया। जनवरी 2025 में सैंटोस लौटने के बाद उन्होंने टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई और सीजन के आखिरी पांच मैचों में पांच गोल किए। हालांकि, घुटने की हालिया सर्जरी और बार-बार की चोटों ने उनके करियर को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। नेमार अक्टूबर 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं, जिससे 2026 वर्ल्ड कप में उनकी उपलब्धता पर सवाल खड़ा हो गया है।

ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि 2026 वर्ल्ड कप के लिए केवल पूरी तरह फिट खिलाड़ी ही टीम में शामिल किए जाएंगे। नेमार ने 18 साल की उम्र में 2010 में ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना शुरू किया था और दुनिया का अगला बड़ा सितारा माने गए। अपनी असाधारण प्रतिभा के बावजूद चोटों ने उनके करियर के कई अहम साल प्रभावित किए और कई जूनियर खिलाड़ी उनसे आगे निकल गए। नेमार की भविष्य की अनिश्चितता और चोटों की वजह से उनके प्रशंसक और फुटबॉल विशेषज्ञ विश्व कप में उनके प्रदर्शन को लेकर चिंतित हैं। ब्राजील की टीम और नेमार खुद इस समय इस साल के लिए अपने स्वास्थ्य और फिटनेस पर पूरा ध्यान दे रहे हैं, ताकि निर्णायक टूर्नामेंट में पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतर सकें।

अभिषेक मैच से पहले कोच गंभीर के साथ स्टेडियय पहुंचे और किया अभ्यास

अहमदाबाद। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले टी20 विश्वकप के सुपर आठ के के पहले मैच के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा सुबह एकसाथ एक काली एसयूवी कार से अभ्यास के लिए स्टेडियम पहुंचे। अभिषेक अभी तक तीनो ही मैच में शून्य पर ही आउट हुए हैं। ऐसे में उनपर मानसिक दबाव है क्योंकि इससे खिलाड़ी अपने पर ही संदेह करने लगता है। ज्यादा सोचने लगता है और खेल से पहले ही दबाव महसूस करने लगता है। सोशल मीडिया इस स्थिति को और मुश्किल बना देता है, क्योंकि वहां नकारात्मकता को ज्यादा मंच मिलता है। लोग हमेशा आलोचना के लिए तैयार रहते हैं और सकारात्मक बातों से ज्यादा नकारात्मक टिप्पणियां नजर आती हैं। इन हालातें में मुख्य कोच गंभीर के साथ अभ्यास सत्र के लिए निकलना फायदेमंद है।

ऐसे समय में अभिषेक के लिए गंभीर सबसे सही मार्गदर्शक हैं। मुख्य कोच और एक ऐसे वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में, जिन्होंने अभिषेक के करियर को आगे लाने में अहम भूमिका निभाई है, गंभीर ऐसे व्यक्ति हैं जिन पर अभिषेक भरोसा करते हैं। इसीलिए दोनो सुबह स्टेडियम पहुंच गए जहां गेंदबाज पहले से उनका इंतजार कर रहे थे। इस दौरान अभिषेक ने नेट्स पर 15-15 मिनट के 3 सेशन में अभ्यास किया। अभिषेक को रिब लाइन गेंदबाजी, लोकल ऑफ स्पिनर ने राउंड दि विकेट गेंदबाजी की गई। इस नेट सेशन में गंभीर जिस तरह से अभिषेक के साथ काम कर रहे इससे साफ है कि वह उनका कठिन सयम में हौंसला बढ़ा रहे हैं।

ऐसे समय में अभिषेक को सबसे ज्यादा जरूरत गौतम गंभीर की है। गंभीर स्वयं आईपीएल के दौरान, जब वह कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे, इसी तरह के खराब दौर से गुजरे थे. उनके अपने शब्दों में, वह उनके करियर के सबसे कठिन समयों में से एक था और इससे वह असुरक्षित महसूस करने लगे थे। उन्होंने कहा था, 卐जब मैं लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुआ, तब मुझे दबाव महसूस हुआ. मैंने अपनी क्षमता पर संदेह करना शुरू कर दिया। साल 2007 के विश्व टी20 फाइनल या 2011 में मुझे दबाव महसूस नहीं हुआ, क्योंकि तब मेरे पास रन थे पर साल में 2014 में स्थिति अलग थी। लोग मेरी फॉर्म पर बात कर रहे थे और मैं शुरुआती गेंदों पर ही आउट हो रहा था।

पाकिस्तान को सेमीफानल में पहुंचने सुपर-8 के दोनो मैच जीतने होंगे

कोलंबो। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच हुए पहले मुकाबले के बारिश के कारण रद्द होने के बाद ही दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिले हैं। ऐसे में अब दोनो ही टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे हुए दोनो ही मैच जीतने पूरी ताकत लगा देंगी। पाकिस्तान के आगे जाने की संभावनाएं अब बचे हुए मैचों के परिणामों पर आधारित रहेंगी।

पाकिस्तान को अब अंतम चार में पहुचने न केवल देनो ही मैच जीतना होगा बल्कि ये भी देखना होगा कि उनका रन रेट बेहतर रहे। 24 फरवरी को पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड से खेलना है और उसके लिए ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा। इंग्लैंड एक ऐसी टीम है जो किसी भी दिन मैच का पासा पलट सकती है। इसके बाद पाक को संयुक्त रुप से मैच का आयोजर कर रही श्रीलंका से 28 फरवरी को अपना अंतिम सुपर 8 मुकाबला खेलना होगा। अगर पाकिस्तान इंग्लैंड से हार जाता है, तो यह मैच उसे हार हाल में बड़े अंतर से जीतना होगा। भी पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बढ़कर 56.25 फीसदी हो गयी है। वहीं इंग्लैंड और श्रीलंका, जिन्हें अभी बड़े मैच खेलने हैं, उनकी जीत की संभावना घटकर 43.75 फीसदी पाक के पास अब अधिकतम 5 अंक तक पहुंचने का मौका है। ऐसे में उसकी आगे की राह बेहद कठिन है।

अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीता

दोहा। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी अल्कराज ने खिताबी मुकाबल में फ्रांस के अर्थुर फिल्स को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया। दोनो में ये मुकाबला केवल 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज़ का दबदबा रहा। इस खिताबी जीत के साथ ही अल्काराज़ ने इस साल 2026 में लगातार 12 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था। वह चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अब उनके टूर खिताबों की तादाद बढ़कर 26 पहुंच गयी है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक रुख अपनया जिसका फ्रांसीसी खिलाड़ी के पास जवाब नहीं था। खिताब जीतने के बाद उत्साहित अल्काराज़ ने कहा- साल की शुरुआत वाकई बहुत अच्छी रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बनाये रखना चाहता हूं। अल्काराज की इस फॉर्म को देखते हुए तय है कि वह इस सत्र में आगे भी खिताब जीतकर नये रिकार्ड बनाएंगे।

अगर पाकिस्तान-अफगानिस्तान में छिड़ी जंग तो भारत किसका देगा साथ ?

जायसवाल बोले-पाक के साथ भारत की एकमात्र बड़ी समस्या सीमा पार आतंकवाद है

नई दिल्ली। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। शनिवार रात पाकिस्तान की वायुसेना ने सीमा पार अफगानिस्तान के अंदर कई आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान ने इसे सटीक ऑपरेशन बताया है, वहीं अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का दावा है कि इन हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत दर्जनों निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। इस सबके बीच सबकी निगाहें भारत पर टिकी हैं।

दक्षिण एशिया में बढ़ते कूटनीतिक और सैन्य तनाव के बीच भारत ने एक बार फिर अपना रुख साफ किया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा था कि पाकिस्तान के साथ भारत की एकमात्र और सबसे बड़ी समस्या सीमा पार आतंकवाद है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक इस जड़ को नहीं काटा जाता, तब तक संबंधों में सुधार की गुंजाइश सीमित है। जायसवाल का यह बयान पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की उस धमकी के संदर्भ में आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर काबुल अपनी जमीन पर पनप रहे आतंकवाद को नहीं रोकता तो इस्लामाबाद अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले करने से पीछे नहीं हटेगा। जब जायसवाल से इस संबंध में भारत की स्थिति के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के साथ हमारे संबंध किस स्तर पर हैं

और पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्तों की क्या स्थिति है। मैं इसे यहीं छोड़ूंगा। जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, हमारे बीच असली समस्या सीमा पार आतंकवाद है, जिसे संबोधित किया जाना अनिवार्य है।

विशेषज्ञों का मानना है कि रणधीर जायसवाल का बयान यह दर्शाता है कि भारत इस क्षेत्र में हो रही सैन्य हलचलों पर पैनी नजर रखे हुए है। भारत ने हमेशा इस बात की वकालत की है कि आतंकवाद किसी भी रूप में हो, वह क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा है। हालांकि, भारत ने अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ अपने संबंधों को मानवीय और रणनीतिक स्तर पर संतुलित रखा है, जो पाकिस्तान की तुलना में कहीं अधिक स्थिर नजर आते हैं।

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने रविवार तड़के एक्स पर जानकारी दी कि पाकिस्तानी सेना ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उसके सहयोगी संगठनों के सात कैंपों पर टारगेट हमले किए हैं। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय इस्लामिक स्टेट (आईएस) के गुर्गों को भी निशाना बनाया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूसरी ओर काबुल में अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने इन हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी विमानों ने नंगरहार और पक्तिका प्रांतों में रिहायशी बस्तियों को निशाना बनाया। मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक सुरक्षा की विफलता और कमजोरी को छिपाने के लिए अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन कर रहा है।

बता दें हाल ही में उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर में एक आत्मघाती हमलावर ने बारूद से लदे वाहन को सुरक्षा चौकी से टकरा दिया था, जिसमें 11 सैनिक और एक बच्चे की मौत हो गई थी। हमलावर अफगान नागरिक बताया गया था। शनिवार को ही बन्नू में एक सैन्य काफिले पर हमला हुआ जिसमें दो जवान शहीद हो गए। इससे पहले इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद में हुए धमाके में 31 लोगों की जान चली गई थी। इस हमले के लिए पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने भारत को भी जिम्मेदार बताया था। पाकिस्तान का दावा है कि इन सभी हमलों के तार अफगानिस्तान में बैठे टीटीपी कमांडरों से जुड़े हैं और उनके पास इसके ठोस सबूत हैं।

पाकिस्तान की सेना ने चेतावनी दी है कि वह अब किसी भी प्रकार का संयम नहीं बरतेगी। सेना के मुताबिक पाकिस्तान के नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और वह आतंकियों का पीछा उनके ठिकानों तक करेगा, चाहे वे कहीं भी हों। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी अपील की है कि वे तालिबान सरकार पर दबाव डालें ताकि अफगान धरती का इस्तेमाल दूसरे देशों के खिलाफ न हो।

आतंकी धमकी के बाद देश में हाई अलर्ट- पंजाब और कश्मीर में आईईडी बरामद, दिल्ली में बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली,। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा द्वारा भारत में आतंकी हमलों की चेतावनी दिए जाने के बाद देश के कई हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। खुफिया इनपुट के अनुसार, आतंकी संगठन दिल्ली के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा है। विशेष रूप से पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक स्थित एक मंदिर को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई है, जिसके बाद पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। लाल किले के आसपास भी सुरक्षा घेरा मजबूत कर दिया गया है, क्योंकि करीब तीन महीने पहले इसी क्षेत्र में हुए एक विस्फोट में 12 लोगों की जान चली गई थी। सूत्रों का कहना है कि लश्कर-ए-तैयबा कथित तौर पर इस्लामाबाद की एक मस्जिद में हुए आत्मघाती विस्फोट का बदला लेने की फिराक में है। 6 फरवरी को इस्लामाबाद में हुए उस धमाके में 30 से ज्यादा लोग मारे गए थे। हालांकि, उस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी, लेकिन लश्कर इसका आरोप भारत पर मढ़ते हुए जवाबी हमले की धमकी दे रहा है। फिलहाल, सभी संवेदनशील स्थानों, रेलवे स्टेशनों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।

संदिग्ध बैग में आईईडी मिला

इस हाई अलर्ट के बीच सुरक्षा बलों ने पंजाब और जम्मू-कश्मीर में बड़ी आतंकी साजिशों को नाकाम किया है। शुक्रवार को पंजाब के अमृतसर में रय्या पुलिस पोस्ट के पास एक संदिग्ध बैग मिला, जिसमें आईईडी होने की पुष्टि हुई। बम निरोधक दस्ते ने तत्परता दिखाते हुए समय रहते इसे निष्क्रिय कर दिया। स्थानीय पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बैग को संदिग्ध अवस्था में देख तुरंत प्रोटोकॉल का पालन किया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। वहीं, जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के सफापोरा इलाके में भी एक शक्तिशाली आईईडी बरामद किया गया। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के बम डिटेक्शन स्क्वाड ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए इसे सफलतापूर्वक डिफ्यूज कर दिया। गौर करने वाली बात यह है कि उत्तरी कश्मीर में पिछले एक सप्ताह के भीतर यह तीसरा आईईडी मिला है। इससे पहले गुरुवार को भी बारामूला और तंगमर्ग रोड पर विस्फोटक बरामद किए गए थे, जो सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

आंखे नम किंतु सीना गर्व से चौड़ा कर शाहिद शर्मा को कहा हैप्पी बर्थडे

शहीद आशीष शर्मा को जन्मदिवस पर याद कर भावुक हुए साथी

पदमेश न्यूज। उकवा। नक्सलियों से लोहा लेते हुए अपनी अदम्य वीरता,साहस,भारत भूमि, राष्ट्र भक्ति,पराक्रम हेतु अपना जान निछावर करने वाले,बालाघाट के हॉक फोर्स में निरीक्षक के पद पर पदस्थ नरसिंहपुर निवासी आशीष शर्मा जो अंतिम समय तक नक्सलियों को धूल चटाते रहे, और मैदान में पीछे नहीं हटे,जिन्होंने अनेक इनकाउंटर कर कई इनामी नक्सलियों को मार गिराया,जिस कारण उन्हें एक नहीं अपितु दो बार महामहिम राष्ट्रपति ने वीरता पुरस्कार से नवाजा, और राज्य सरकार द्वारा उनकी बहादुरी निडरता का सम्मान करते हुए उन्हें समय पूर्व क्रमोन्नति प्रदान कि ,आशीष शर्मा निश्चित ही केवल मध्यप्रदेश नहीं अपितु भारत देश के नायक है,आज जिन्हें इस देश के करोड़ों युवा अपना आदर्श और अपना रोल मॉडल मानते है,जो भी युवा देश सेवा का सपना संजो कर मेहनत कर रहे है,निश्चित ही आशीष शर्मा उन सभी के लिय सदा एक प्रेरणा रहेंगे,आज मरणोपरांत उनके प्रथम जन्मदिवस के अवसर पर

उकवा चौकी परिसर में अपने साथी के जन्मदिवस की याद में हॉक फोर्स एवं पुलिस बल उकवा द्वारा शाहिद आशीष शर्मा की याद में एक छोटा सा आयोजन किया गया,जिसमें उकवा में पदस्थ हॉक फोर्स के जवानों ने उनके छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर ,द्वीप प्रज्ज्वलित कर उनका जन्मदिन मनाया,इस अवसर पर हॉक फोर्स के उपनिरीक्षक योगेंद्र गुर्जर द्वारा नम आंखों से उन्हें याद कर बताया गया,की पिछले साल इसी समय वो हमारे मध्य उकवा आए थे, और अपना समय हमारे साथ बिता कर,हम सभी को अनेक प्रकार से प्रेरित किया कि माननीय पुलिस अधिक्षक महोदय के कुशल नेतृत्व में हमे अंतिम सांस तक संघर्ष कर पूरे जिले से नक्सलियों को हमेशा हमेशा के लिय खदेड़ना है, और पूरे जवानों को खूब हसा गुदगुदा पूरे जवानों के अंदर एक नया जोश भर कर गए थे,मैं खुश नसीब हु कि मुझे भी ऐसे अधिकारी के सानिध्य में कार्य का अवसर मिला, चौकी प्रभारी आकाश शर्मा ने कहा कि निश्चित ही हम जिस दिन यह वर्दी धारण करते है,उसी दिन हम संकल्प ले लेते है,की जैसी भी परिस्थित आए ,पर हम देश की आन बान शान के लिय कभी पीछे नहीं हटेंगे,चाहे इसके लिय हमे प्राण भी न्योछावर करना क्यू न पड़े, और आशीष सर ने उसी संकल्प को पूरा किया, और आज हम सभी के लिय प्रेरणास्त्रोत बन गए,निश्चित हमारा पूरा पुलिस महकमा गौरवान्वित है,की ऐसा बहादुर बेटा हमारे बीच में रह कर सेवा दिया,

इस अवसर पर उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक ने कहा कि निश्चित ही आशीष शर्मा जैसे लोग कभी मरते नहीं है,बल्कि मर कर भी अमर्तव्य को प्राप्त करते है,जो व्यक्ति स्वयं से ज्यादा दुसरे का हित सोचे वो इंसान होकर भी ईश्वर के तुल्य होता है,नक्सली उन्मूलन में आशीष शर्मा जी का त्याग और समर्पण युगों युगों तक करोड़ों लोगों के दिलों में अमिट रहेगा।

अस्मिता खेलो इंडिया पेंचक सिलाट विमेंस लीग में जिले की बेटियां करेंगी प्रतिनिधित्व

पदमेश न्यूज। बालाघाट। आगामी 24 से 25 फरवरी 2026 तक दमन और दीव में अस्मिता खेलो इंडिया पेंचक सिलाट लीग 2026 (वेस्ट-जोन) का आयोजन किया जा रहा है।स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता मिनिस्ट्री ऑफ युथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स, भारत सरकार के अंतर्गत आयोजित की जा रही है।इस वेस्ट ज़ोन प्रतियोगिता में लगभग 80 खिलाड़ी मध्यप्रदेश से भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में वेस्ट ज़ोन के अंतर्गत आने वाले छत्तीसगढ़, गोवा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, लक्षद्वीप ,दादरा एंव नगर हवेली और दमन एवं दीव के खिलाड़ी शामिल होंगे।यह प्रतियोगिता विभिन्न आयु एवं वजन वर्गों में आयोजित की जा रही है, जिनमें खिलाड़ी सिंगा , मैकान , सब - जूनियर , प्री-टीन, जूनियर एवं सीनियर कैटेगरी में अपने कौशल का

प्रदर्शन करेंगे।

जिले ये बेटियां करेंगी मप्र के प्रतिनिधित्व

बालाघाट जिले की टीम भी इस राष्ट्रीय स्तर की वेस्ट ज़ोन लीग में भाग ले रही है। टीम में कुल 5 खिलाड़ी एवं 1 कोच शामिल हैं।इसमे आर्या रहांगडाले, अर्पिता लिल्हारे, चित्रांशी मरकाम, छाया नरवास और संगीता मराठा शामिल है।वही टीम को अनुभवी कोच प्रवीण नान्हेट के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। उनके नेतृत्व में सभी खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।रविवार को बालाघाट टीम उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ दमन और दीव के लिए प्रस्थान कर चुकी है। जिले के खेल प्रेमियों, अभिभावकों एवं खेल संगठनों ने टीम को शुभकामनाएँ देते हुए पदक जीतकर मध्यप्रदेश एवं बालाघाट का नाम रोशन करने की कामना की है।यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों को राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर प्रदान कर रही है, जिससे भविष्य में वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकेंगी। प्रतियोगिता में शामिल होने खिलाड़ियों को रवाना करने के दौरान निधि नन्हेट ,भावना सोनकर, प्रतीक नन्हेट, कार्तिक तितरमारे, तृपित बिसेन ,आशीष सोनकर ,महेश चौहान ,मेघा चौहान ,यथार्थ गर्दे,सहित अन्य ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया।

बिना अनुमति आरएमसी प्लांट पर मुख्यमंत्री उड़नदस्ता ने की छापेमारी

फरीदाबाद । मुख्यमंत्री उड़नदस्ता को गुप्त सूचना मिली कि नहर पार क्षेत्र में बिना अनुमति के कैपिटल कंस्ट्रक्शन नामक आरएमसी प्लांट चलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहायक अभियंता जतिन बरवाल को साथ लेकर कार्रवाई की। टीम मास्टर रोड पर सेक्टर-89 स्थित गांव भूपानी की राजस्व संपदा पर पहुंचे। मौके पर ऑपरेटर मनीष ने बताया कि प्लांट का संचालन सोनू गुप्ता द्वारा किया जा रहा है। टीम ने आरएमसी से संबंधित अनुमति मांगने पर संचालक कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रिकॉर्ड के अनुसार इस प्लांट के संचालन के लिए कोई अनुमति प्राप्त नहीं की गई थी। मौके पर प्लांट में सीमेंट, क्रेशर और अन्य सामग्री का पर्याप्त स्टॉक भी पाया गया।

ओवरलोड डंपरो से कुम्हली में पेयजल आपूर्ति हुई बाधित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हली में विगत १५ दिनों से लोगों को पीने के पानी से वंचित रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने इस संबंध में बताया कि उनके ग्राम में नदी पहुंच मार्ग पर रेत का डंप किया जा रहा है। आये दिन बड़े ओवर लोड वाहनों से ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित सड़क जीर्ण शीर्ण हो गई है। ग्राम की पेयजल आपूर्ति की पाईप लाईन तीसरी बार क्षतिग्रस्त हो गई है। विगत १५ दिनों से ग्रामीणों को पीने के पानी से वंचित रहना पड़ रहा है। उनकी मांग है कि जो मार्ग पुर्व से स्वीकृत है उससे ही वाहन आना जाना करें। वहीं दूसरी मांग है कि मेन रोड़ के दोनों ओर वाहनों की आवाजाही के

कारण राहगीरों की मोटरसाइकिल स्लिप होकर गिर रही है। जिससे भविष्य में कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। शरद पांडे ने बताया कि गुस्साए डंपर चालकों के द्वारा शनिवार की रात में उनके ऊपर डंपर चढाने का प्रयास किया गया। जब उनके द्वारा चिल्लाया गया तो ग्रामीण पहुंचे जिसके बाद डंपर वाले भाग गए। इस संबंध में मेरे द्वारा थाना प्रभारी खैरलांजी को लिखित रूप में आवेदन देकर उचित कार्यवाही करने की मांग की गई है।

इनका कहना है

मेरे संज्ञान में यह मामला नही आया है। यदि थाने में शिकायत हुई है तो मैं उसको दिखलाता हूं। रास्ते से संबंधित विषय पर तहसीलदार ही सही बता सकते है फि र भी मैं इस विषय को देखता हूं।

दीपक गौतम
थाना प्रभारी खैरलांजी

किरनापुर जनपद पंचायत नवीन भवन का काम हुआ प्रारंभ

भवन की जगह स्थानांतरित होने पर जिला पंचायत सदस्य ने जताई नाराजगी

पदमेश न्यूज। किरनापुर । जनपद पंचायत किरनापुर द्वारा व्यावसायिक शॉपिंग कांप्लेक्स जनपद पंचायत किरनापुर के सामने 24 नवनिर्मित कमरो का लोकार्पण तथा नवीन जनपद पंचायत भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया था, जो पुराने जनपद पंचायत भवन के पीछे बनाया जाना था का प्रहलाद सिंह पटेल कैबिनेट मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं श्रम विभाग मध्य प्रदेश शासन के मुख्य अतिथि आतिथ्य मे किया गया था। जनपद पंचायत द्वारा बनाए गए यह कमरे अब निरर्थक साबित हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत के नए भवन का भूमि पूजन भी किया गया था। नवनिर्मित 24 कमरे का शॉपिंग कांप्लेक्स उद्घाटन के बाद भी चालू नही हुए। आज तक उन कमरों में ताले लगे हुए हैं जिसका आवंटन नहीं हो पाया है ऐसे में जिला पंचायत सदस्य अजय चेतना कुराहे द्वारा नाराजगी जताते हुए बताया गया कि इसमें जनपद सदस्यों की राशियों का उपयोग किया गया जो की लगभग 40 लाख

रुपए है ऐसे में अब जनपद पंचायत का नया भवन अगर यहां से अन्यत्र स्थान पर बनेगा तो इन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का क्या होगा छोटे दुकानदारों के रोजगार के अवसर छीन जाएंगे । जिला पंचायत सदस्य अजय चेतना कुराहे को नए भवन अन्यत्र बनने की जानकारी नहीं थी जिस पर उन्होंने सीईओ से फोन पर जानकारी ली तो सीईओ द्वारा बताया गया कि वर्तमान में जनपद भवन तहसील की भूमि पर है । अब नए भवन के लिए हमें दूसरी जगह चयन करना पड़ा ।

इनका कहना है....

जनपद पंचायत के नए भवन को लेकर नाराजगी जताई है कहां है कि भवन अन्यत्र बनेगा तो छोटे दुकानदारों को नुकसान होगा

जनपद सदस्यों की राशि का 24 कमरे के शॉपिंग कांप्लेक्स निर्माण कार्य में उपयोग हुआ है। उसका क्या होगा अब तक इन कमरों में ताला लगा है। जो पूर्व में छोटे चाय पान होटल गुमटी लगाकर अपने और अपने परिवार का पालन पोषण करते थे वह आज बाहर व्यवसाय करने को मजबूर हैं जिनसे उनका काम भी ठीक से नहीं चलता छोटे दुकानदारों का नुकसान हो रहा है।

अगर नया जनपद पंचायत भवन अन्यत्र चला जाएगा तो इन लोगो का क्या होगा।

चेतना अजय कुर्राहे
जिला पंचायत सदस्य

अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि हम 35 सालों से यहां (पुरानी जनपद पंचायत के सामने)पर चाय पान होटल गुमटी लगाकर काम करते हैं जिससे हमारा परिवार का पालन पोषण होता था बच्चे पढ़ते थे जब से शॉपिंग कंपलेक्स का काम प्रारंभ हुआ और बनकर तैयार हुआ आज तक हमारा धंधा चौपट है ।व्यवसाय करते हैं लेकिन परिवार का पूरा नहीं हो पता है हमें उम्मीद थी कि शॉपिंग कंपलेक्स बनने के बाद हमे इन कमरों में स्थान मिलेगा लेकिन ऐसा कहीं से भी समझ नहीं आता है बोलते हैं कि आप लोग उसके दायरे में नहीं आते अभी तक कमरे का आवंटन तो नहीं हुआ है पता नहीं क्या होता है। हालकचंद दमाहे,दुकानदार

6 राज्यों में पूरा हुआ एसआईआर का काम, गुजरात में सबसे अधिक 68 लाख नाम काटे गए

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों में अभूतपूर्व बदलाव दर्ज किए गए हैं, जिसके तहत लाखों की संख्या में अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आयोग की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित करना और फर्जी या दोहरे मतदान की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त करना है। इस विशेष अभियान के बाद जारी आंकड़े बताते हैं कि मतदाता सूचियों से अपात्र नामों को हटाने के बाद कई राज्यों की कुल मतदाता संख्या में बड़ी कमी आई है।

पुनरीक्षण के इन आंकड़ों में सबसे चौंकाने वाली गिरावट गुजरात में देखी गई है, जहां निर्वाचन आयोग ने कुल 68,12,711 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए हैं। इस प्रक्रिया से पहले गुजरात में कुल मतदाताओं की संख्या 5,08,43,436 थी, जो अब घटकर 4,40,30,725 रह गई है। यह राज्य की कुल मतदाता संख्या में 13.40 प्रतिशत की भारी गिरावट को दर्शाता है। गुजरात के बाद मध्य प्रदेश में भी मतदाता सूची में बड़ी शुद्धि की गई है, जहां 34,25,078 नाम हटाए गए। इसके परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 5,74,06,143 से कम होकर अब 5,39,81,065 (-5.97 प्रतिशत) पर आ गई है। इसी तरह राजस्थान में 31,36,286 नाम काटे गए, जिससे वहां मतदाताओं की संख्या 5.46 करोड़ से घटकर 5.15 करोड़ रह गई है।

अन्य राज्यों की बात करें तो छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची 2,12,30,737 से घटकर 1,87,30,914 रह गई है, यहाँ कुल 24,99,823 नामों की कटौती हुई है। दक्षिण भारतीय राज्य केरल में सूची से 8,97,211 नाम हटाए गए हैं, जिसके बाद अब वहां कुल मतदाताओं की संख्या 2,69,53,644 है। गोवा में भी मतदाताओं की संख्या में 1,27,468 की गिरावट दर्ज की गई है। केंद्र शासित प्रदेशों में भी इसी तरह की सक्रियता देखी गई। पुडुचेरी में 77,367, अंडमान और निकोबार में 52,364 जबकि लक्षद्वीप में सबसे कम केवल 206 नामों में बदलाव हुआ है। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ये आंकड़े नेट चेंज को दर्शाते हैं, जिसमें हटाए गए अपात्र नामों में से नए जुड़े पात्र मतदाताओं की संख्या को घटाया गया है। नाम हटाने के प्राथमिक कारणों में मतदाता की मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण और अन्य पात्रता संबंधी मुद्दे शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह अभ्यास 12 राज्यों में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है। पहले चरण के सफल समापन के बाद अब सबकी नजरें उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु पर टिकी हैं। इन तीन बड़े राज्यों के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण का डेटा इस महीने के अंत तक जारी होने की संभावना है। आयोग ने इन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को प्रारंभिक तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए हैं। एसआईआर प्रक्रिया का अगला चरण अप्रैल में शुरू होगा, जो मतदाता सत्यापन के देशव्यापी अभियान को आगे बढ़ाएगा। फिलहाल राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, गोवा और अंडमान-निकोबार के लिए अंतिम मतदाता सूचियां आधिकारिक तौर पर प्रकाशित कर दी गई हैं, जो भविष्य के चुनावों के लिए आधार बनेंगी।

ईसीआईनेट पोर्टल पर एईआरओ के काम की निगरानी करने में असमर्थ है ईआरओ

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के एसआईआर के संचालन में वैधानिक प्रावधानों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का तिहरा उल्लंघन किया है। एक्स पर पोस्ट में अभिषेक ने दावा किया कि ईसीआईनेट पोर्टल पर चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) के काम की निगरानी करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि यह जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन है, जिसमें यह प्रावधान है कि मतदाता सूची ईआरओ द्वारा तैयार और संशोधित की जाएगी और एईआरओ उनकी सहायता करेंगे। तृणमूल सांसद बनर्जी ने दावा किया कि यह सुप्रीम कोर्ट के 9 फरवरी और 20 फरवरी के आदेशों के विपरीत है, जिनमें कहा गया है कि मतदाता सूची में शामिल करने के संबंध में अंतिम निर्णय ईआरओ द्वारा लिया जाना चाहिए और तार्किक विसंगति अपरिभाषित श्रेणी के तहत दावों का निपटारा ईआरओ द्वारा अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया के जरिए किया जाना चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि यह निर्वाचन आयोग के 24 जून 2025 को जारी आदेश का उल्लंघन है, जिसमें कहा गया है कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ यह तय करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति शामिल न हो।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

रक्तिम रविवार : दो दर्दनाक हादसे, चार मौतें

आज रविवार का दिन बेहद हृदयविदारक हादसों के नाम रहा. जहां भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम टेकाडी पिपरटोला के पास एक तेज रफ्तार बाईक सड़क किनारे खड़े ट्रेक्टर ट्रॉली से जा टकराई जिसमे दो युवकों की मौत हो गयी. बाईक के परखच्चे उड़ गए. दोनों युवक चालीसबोड़ी गाँव के निवासी थे. दूसरी घटना किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम नेवरगाँव खारा रोड की है जहां दो बाईकों की आपस में जोरदार भिढ़ंत हुई जिसमे दो युवकों के मृत्यु की खबर है. वहीं दो अन्य युवक गंभीर हैं.इस तरह आज का दिन बालाघाट जिले की सड़कों पर बेहिसाब घटते दुर्घटनाओं के नाम रहा. आये दिन लगातार घट रही दुर्घटनाओं से बालाघाट जिले की सड़कें लाल हो रहीं हैं।

दो मोटरसाइकिलें आपस में टकराई दो युवकों की मौत, एक युवक सहित दो घायल

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के किरनापुर क्षेत्र अंतर्गत नेवरगांव से ग्राम खारा मार्ग पर रविवार को दो मोटरसाइकिलों आपस मे टकरा गई। आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक अनिल उर्फ काशी पिता छगनलाल कुतराहे 20 वर्ष ग्राम नेवरगाव और ज्ञानेश्वर उर्फ लाला ऋषि लाल बोपचे 35 वर्ष ग्राम खारा दोनो थाना किरनापुर निवासी है । दो घायल जिनमे हिमांशु पिता शंकर लाल कुतराहे 13 वर्ष ग्राम नेवरगांव और विजय पिता छोटेलाल पारधी 48 वर्ष ग्राम गर्रा रामपायली निवासी का इलाज गोंदिया के अस्पताल में किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 फरवरी को 11 बजे अनिल कुतराहे अपने भाई हिमांशु कुतराहे के साथ मोटरसाइकिल में अपने खेत आ रहा था और ज्ञानेश्वर बोपचे अपने साले विजय पारधी के साथ ट्रेक्टर के लिए डीजल लाने के लिए मोटरसाइकिल से रजेगांव जा रहे थे। नेवरगांव चौक से खारा के बीच नारबोद ढोढ़ी समीप गोलाई में दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। दोनों मोटरसाइकिल के बीच जबरदस्त भिढ़ंत में दोनों मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए। वही इस दर्दनाक हादसे में अनिल उर्फ काशी कुतराहेऔर ज्ञानेश्वर उर्फ लाला बोपचे गंभीर रूप से घायल हो गए। हिमांशु कुतराहे और विजय पारधी भी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और चारों घायल को प्राइवेट वाहन से मौके से ही गोंदिया ले जा रहे थे। जिनमें अनिल कुतराहे की रास्ते भी मौत हो गई। जिसकी लाश अन्य वाहन से किरनापुर लाई गई। इसके बाद तीनों घायल को गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां उपचार के दौरान ज्ञानेश्वर बोपचे मौत हो गई। दो अन्य घायल हिमांशु कुतराहे और विजय पारधी का इलाज गोंदिया की अस्पताल में किया जा रहा है। किरनापुर पुलिस ने मृतक अनिल कुतरहे का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया है। बताया गया है कि अनिल कुतराहे और ज्ञानेश्वर बोपचे अपने परिवार के साथ ही खेती किसानी करते थे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई मोटरसाइकिल दो युवकों की घटना स्थल पर मौत

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

भरवेली थाना अंतर्गत बैहर रोड ग्राम टेकाड़ी पिपरटोला टोला के पास मोटरसाइकिल रोड रोड किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई । इस हृदय विदारक सड़क

दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार दो युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दोनों मृतक युवक सुनील पिता धनलाल उइके 35 वर्ष और राहुल पिता कोपसिह मर्सकोले 27 वर्ष दोनों ग्राम चालीसबोड़ी चौकी सोनेवानी थाना रूपझर निवासी है। 22 जनवरी की शाम 7=15 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब दोनों युवक बालाघाट से मोटरसाइकिल में अपने गांव जाने निकले थे। जिला अस्पताल पुलिस ने दोनों युवक का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रख दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 जनवरी को दोपहर में सुनील उइके और राहुल मर्सकोले दोनों मोटरसाइकिल में अपने किसी काम से बालाघाट आए थे और बालाघाट से अपना काम निपटाना के बाद दोनों मोटरसाइकिल में अपने गांव चालीसबोड़ी जाने निकले थे। शाम 7=15 बजे करीब बैहर रोड़ ग्राम टेकाड़ी के पिपरटोला के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल रोड किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली के पीछे टकरा गई। इस जबरदस्त सड़क दुर्घटना में सुनील उइके और राहुल मर्सकोले की सम्भवत: मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।दुर्घटना के बाद मौके पर भीढ़ लग गई थी।सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और दोनों को जिला अस्पताल लाये। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिए। इस दुर्घटना की खबर मिलते ही दोनों के परिजन जिला अस्पताल पहुंच चुके थे। जिला अस्पताल पुलिस ने दोनों मृतकों का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए हैं। जिनका पोस्टमार्टम 23 फरवरी को किया जाएगा।

माता-पिता का इकलौता बेटा था राहुल

राहुल मर्सकोले अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था जो अपने माता-पिता के साथ खेती किसानी करता था। जिसकी तीन बहने हैं और तीनों बहनों की शादी हो चुकी है। वही सुनील उइके भी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी किरण उइके और दो बेटी है जिनमें बड़ी बेटी अवनी ढाई वर्ष और छोटी बेटी गजल डेढ़ वर्ष की है।

शंकर रेस्टोरेंट में चोरी, कैश काउंटर से 55 हजार रुपये पार

अज्ञात चोर वेंटिलेशन तोड़कर दुकान में घुसे,सीसीटीवी में कैद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के हृदय स्थल कहे जाने वाले

कालीपुतली चौक पर एक बार फिर अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इस बार चोरों ने शंकर रेस्टोरेंट को निशाना बनाते हुए नकदी पर हाथ साफ कर दिया। रेस्टोरेंट संचालक अभिषेक जायसवाल ने बताया कि देर रात अज्ञात व्यक्ति वेंटिलेटर के रास्ते दुकान के अंदर घुसा और काउंटर के गल्ले में रखे लगभग 55 हजार रुपये चोरी कर ले गया। सुबह जब दुकान खोली गई तो घटना का पता चला। उन्होंने बताया कि पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो चुकी है। फुटेज में संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियां स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है और पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच में जुट गई है। शहर में एक बार फिर चोरी की घटना सामने आई है। कुछ दिनों से थमा हुआ चोरी का सिलसिला दोबारा शुरू हो गया है। इस बार अज्ञात चोरों ने शहर के सबसे व्यस्ततम और हृदय स्थल कहे जाने वाले कालीपुतली चौक स्थित शंकर रेस्टोरेंट को निशाना बनाया। रेस्टोरेंट संचालक अभिषेक जायसवाल ने बताया कि वे 21 फरवरी की रात प्रतिदिन की तरह अपनी दुकान लगभग 11=30 से 12=00 बजे के बीच बंद कर घर चले गए थे। देर रात करीब 1 से 1=30 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने दुकान के वेंटिलेशन की खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद काउंटर के गल्ले में रखी लगभग 55 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। अभिषेक जायसवाल के अनुसार चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में एक युवक दुकान में प्रवेश करते और गल्ले से नकदी निकालते हुए साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के इतने व्यस्त चौराहे पर चोरी होना कहीं न कहीं पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाने और सीसीटीवी में दिखाई दे रहे आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। रेस्टोरेंट संचालक द्वारा मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस में दर्ज करा दी गई है। पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। अब देखना होगा कि पुलिस कितनी जल्दी अज्ञात चोर तक पहुंच

20 नग मवेशी भैंस एवं परिवहन में प्रयुक्त 4 पिकअप वाहनों को किया जब्त

मवेशी तस्करों के विरुद्ध थाना खैरलांजी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए खैरलांजी पुलिस ने अलग-अलग मामलो में 20 नग मवेशी (भैंस) एवं परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहनों को जब्त कर प्रकरण पंजीबद्ध किया है। बताया गया कि 21 फरवरी को थाना खैरलांजी पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भौरगढ से महाराष्ट्र की ओर मवेशियों (भैंस) की तस्करी की जा रही है सूचना पर थाना खैरलांजी पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए ग्राम भौरगढ - कुम्हली मुख्य मार्ग पर घेराबंदी कर पिकअप वाहनों क्र. एमपी 50 जेड जे 7516, एमएच 34 बिजी. 03883 और एमपी 50 जेड डी 2273, एमएच 35 ए जे 2109 को रोककर, पिकअप वाहनों में बैठे व्यक्तियों से पूछताछ कर तलाशी ली,इन वाहनों के अंदर 20 नग मवेशी (भैंस) भरे हुए पाए गए। आरोपीगणों को गिरफ्तार कर 20 नग मवेशी (भैंस) एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहनों को जब्त किया गया।जिनके खिलाफ अपराध क्रमांक 56/2025, धारा- 11 (1) (घ) पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम-1960, 184 मोटरयान

अधिनियम-1988 गिरफ्तार कर आरोपी भुनेश्वर चौधरी उम्र 23 वर्ष निवासी नवेगांव, खैरलांजी अजय मस्करे उम्र 28 वर्ष निवासी नवेगां, खैरलांजी, अपराध क्रमांक 57/2025, धारा- 11 (1) (घ) पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम-1960, 184 मोटरयान अधिनियम 1988 के तहत राम उर्फ रामजाने कुतराहे उम्र 25 वर्ष निवासी भोण्डरा, रामपायली, संदीप जैतवार उम्र 27 वर्ष निवासी आरंभा, खैरलांजी के तहत प्रकरण दर्ज किया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी खैरलांजी उप निरीक्षक दीपक गौतम, सउनि. सतीश गेड़ाम, प्रआर. विवेक ठाकरे, प्रआर. वीरेन्द्र नागभिरे, प्रआर. नवनीत कुमरे, आर. विष्णु जाट, आर. आकाश, आर. दयानंद डोहरे, आर. वीरेन्द्र रावतकर, आर. रामसिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही ।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट